शर्मा हार्डअवेर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

àß-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 292 | गुवाहाटी | गुरुवार, 23 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हमारे लिए भारत की सुरक्षा बेहद जरूरी — पेज 2
मणिपुर में छह आरपीएफ (पीएलए) और तीन केसीपी (टी) के कैडर गिरफ्तार — पेज 3
इंडी गठबंधन वाले चोर चोर मौसेरे भाई : शिवराज — पेज 5
मुक्केबाज परवीन के निलंबन के बाद एशियाई खेलों का पदक गंवाएगा भारत... — पेज 7

2026 विधानसभा चुनाव

भाजपा विरोधी चार क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस में विलय पर चर्चा की

गुवाहाटी। राज्य में भाजपा विरोधी चार क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर 2026 विधानसभा चुनाव लड़ेगी। दलों ने संभावित विलय पर जोर कदम से चर्चा शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी रायजोर दल के नेता अखिल गोगोई ने संवाददाताओं को दी। मालूम हो कि मंगलवार (21 मई) को एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें अखिल गोगोई, असम जातीय परिषद (एजेपी) के लुरिनज्योति गोगोई और असम जातीय दल के अजीत कुमार भुइयां के साथ-साथ कांग्रेस के प्रतिनिधि भी शामिल थे। बैठक में विपक्षी एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से दो बड़े फैसले लिए गए। अखिल गोगोई ने आगे कहा कि सबसे पहले, हमने कांग्रेस के साथ अपना गठबंधन जारी रखने और 2026 का विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ने का फैसला किया है। दूसरा, हमारा लक्ष्य असम और उसके स्वदेशी लोगों के क्षेत्रीय हितों की रक्षा के लिए भाजपा विरोधी क्षेत्रीय दलों का एक छत्र संगठन बनाना है, भले ही कांग्रेस संभावित रूप से केंद्र और असम दोनों में सरकार बना ले। गोगोई ने यह भी कहा कि विभिन्न जातीय समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले छोटे क्षेत्रीय दलों -शेष पृष्ठ दो पर

हैलाकांदी में बस दुर्घटनाग्रस्त, 34 लोग घायल

हैलाकांदी। असम के हैलाकांदी जिले में बुधवार को एक बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से कम से कम 34 यात्री घायल हो गए। सूत्रों के अनुसार, पंजीकरण संख्या एएस24 सी 5399 वाली यात्री बस करीमगंज के रामकृष्ण नगर से हैलाकांदी जा रही थी, तभी अयानाखाल इलाके में उसने पहियों पर नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। दुर्घटना में 34 यात्री घायल हो गए, जिन्हें तत्काल चिकित्सा के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। घायलों में से 16 लोगों को गंभीर हालत में उन्नत उपचार के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एसएमसीएच) रेफर किया गया।

400 पार के आंकड़े के नजदीक पहुंच चुकी है भाजपा : हिमंत विश्व शर्मा

बोकारो (झारखंड) (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि इस बार के लोकसभा चुनाव में धनबाद लोकसभा क्षेत्र में भाजपा की जीत तय है। अब तक के पांच चरणों के चुनाव में भाजपा 400 के आंकड़े के नजदीक पहुंच चुकी है। आने वाले दिनों में यह आंकड़ा बढ़ता ही जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके साथी दलों को कोई बहुमत नहीं मिलने वाला है। तीसरी बार भी नरेंद्र मोदी ही प्रधानमंत्री बनने वाले हैं। हिमंत विस्व शर्मा बुधवार को बोकारो के चंदनक्यारी में ढुल्लू महतो के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस बार सरकार बनने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पीओके को भी भारत में मिला लेंगे। इस बार भारत विश्व गुरु भी बनेगा और तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था भी। इस बार कृष्ण मंदिर और ज्ञानव्यापी मंदिर भी बना दिया जाएगा। साथ ही कहा कि जब भाजपा को 300 सीटें मिलीं तो 500 वर्षों से विवादित राम जन्मस्थल पर भव्य मंदिर बना दिया। कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर शांति व्यवस्था बहाल की। हिमंत ने कहा कि झारखंड में बांग्लादेश घुसपैठिए आ रहे हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक में प्रसाद खाने से 51 बीमार पांच गंभीर

कर्नाटक/ नई दिल्ली (हि.स.)। कर्नाटक के बेलगावी जिला स्थित सावदत्ती तालुका के हुलिकट्टी गांव में आयोजित भिरेश्वर और करेम्मा देवी मेले में *प्रसाद* खाने के बाद 51 लोग बीमार पड़ गए जिनमें से 5 लोगों की हालत गंभीर है। प्रशासन ने आनन-फानन में बीमार लोगों को तुरंत सवादत्ती सार्वजनिक अस्पताल और बेलगावी जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जिन पांच लोगों की हालत गंभीर है उन्हें धारवाड़ जिला अस्पताल भेजा दिया।

लोस चुनाव : स्ट्रांग रूम सुरक्षा उल्लंघन मामले में जांच के आदेश

नलबाड़ी। असम सरकार नलबाड़ी जिले में मतदान के दिन स्ट्रांग रूम के भीतर सुरक्षा उल्लंघन मामले में जांच कराएगी। जांच का जिम्मा गृह एवं राजनीतिक विभाग के प्रधान सचिव बी. कल्याण चक्रवर्ती को सौंपा गया है। बरपेटा लोकसभा क्षेत्र के नलबाड़ी जिले में गत सात मई को मतदान हुआ था। गत 14 मई को बरपेटा से कांग्रेस उम्मीदवार दीप बायन ने चुनाव आयोग से शिकायत कर ईवीएम के साथ छेड़छाड़ करने का संदेह जताया था। नलबाड़ी जिला आयुक्त बर्णाली डेका ने भी मामले में पुलिस शिकायत दर्ज कराई थी। गृह एवं राजनीतिक विभाग के उप सचिव ने बताया कि नलबाड़ी के स्ट्रांग रूम परिसर में गत सात मई को सुरक्षा उल्लंघन से संबंधित जांच के लिए गृह-राजनीतिक विभाग के प्रधान सचिव बी. कल्याण -शेष पृष्ठ दो पर

सिब्बल पर भड़के जज, कहा- आपका आचरण सही नहीं...

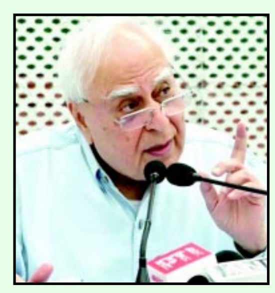

नई दिल्ली। जमीन घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट से आज (22 मई) झटका लगा। कोर्ट ने अंतरिम जमानत देने की उनकी याचिका खारिज कर दी। हेमंत सोरेन की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने याचिका वापस ले ली। इस मामले पर सुनवाई के दौरान अदालत ने कपिल सिब्बल के कामकाज पर भी सवाल उठाए। कोर्ट ने कपिल सिब्बल से कहा कि अगर कोर्ट ने इस मामले को अधिक विस्तार से देखने लगी तो फिर ये पूर्व मुख्यमंत्री के लिए नुकसानदेह होगा। आपका आचरण काफी कुछ बयां कर रहा है। हमें उम्मीद थी कि आपका मुवक्किल स्पष्टवादिता के साथ आएगा लेकिन आपने महत्वपूर्ण तथ्यों को -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

नड्डा-खड़गे को ईसी ने भेजा नोटिस, कहा-

चुनाव प्रचार में बनाए रखे मर्यादा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बीच राजनीतिक दलों के नेताओं की भड़काऊ बयानबाजी का सिलसिला भी जारी है। चुनाव आयोग द्वारा लगातार ऐसे मामलों पर कार्रवाई भी की जा रही है। इस बीच चुनाव आयोग ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को निर्देश दिए हैं। दोनों नेताओं से कहा गया है कि अपने स्टार प्रचारकों को कोई भी बयान देते समय सावधानी बरतने और मर्यादा बनाए रखने के निर्देश दें। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव प्रचार के गिरते स्तर को देखते हुए ये आदेश दिए गए हैं। आयोग ने जाति, समुदाय, भाषा और धर्म के आधार पर प्रचार करने के लिए भाजपा और कांग्रेस दोनों को -शेष पृष्ठ दो पर

घुसपैठिए टीएमसी के वोट बैंक हैं इसलिए ममता सीएए और एनआरसी का विरोध करती है : अमित शाह

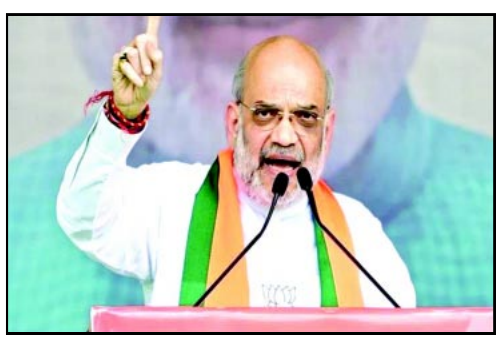

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर वोट बैंक की राजनीति के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने और घुसपैठियों को राज्य की जनसांख्यिकी बदलने की अनुमति देकर *पाप करने का* आरोप लगाया। पूर्वी मेदिनीपुर जिले के कांथि में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी कहा कि राज्य में भाजपा के 30 लोकसभा सीट पर जीत हासिल करने के बाद तृणमूल कांग्रेस बिखर जाएगी और ममता बनर्जी सरकार की विदाई हो जाएगी। उन्होंने कहा कि बंगाल घुसपैठियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन गया है। घुसपैठ के कारण राज्य की जनसांख्यिकी बदल रही है जिसका असर न केवल बंगाल बल्कि पूरे देश पर पड़ रहा है। गृह मंत्री अमित शाह ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी घुसपैठियों को बंगाल की जनसांख्यिकी बदलने की अनुमति देकर पाप कर रही हैं और वह वोट बैंक की राजनीति के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता कर रही हैं। शाह ने आरोप लगाया कि घुसपैठिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का वोट बैंक हैं और ममता बनर्जी अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के क्रियान्वयन का विरोध कर रही हैं। उन्होंने कहा कि टीएमसी को घुसपैठियों से प्यार है इसलिए वह सीएए का विरोध -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जो मनुष्य संयम के साथ, विद्यार्जन करता है, और अपने विद्या से सब का परोपकार करता है। उसकी पूजा सिर्फ इस लोक मे नहीं वरन परलोक मे भी होती है।

– **ईश्वर चंद्र विद्यासागर**

स्कूल, अस्पताल के बाद अब गृह मंत्रालय बिल्डिंग को बम से उड़ाने की धमकी मिली

नई दिल्ली। दिल्ली में गृह मंत्रालय को बम की धमकी वाला मेल मिला। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के नॉर्थ ब्लॉक, जहां गृह मंत्रालय सहित कई मंत्रालय हैं, को बुधवार दोपहर को बम से उड़ाने की धमकी मिली। धमकी मिलने के बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कार्यालय को जल्द ही खाली कराया गया। दिल्ली पुलिस भी मौके पर मौजूद है और हमारत की तलाशी अभियान में जुटी हुई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दमकल गाड़ियों और खोजी कुत्तों के साथ बम निरोधक दस्ते की एक टीम को घटनास्थल पर भेजा गया है। दिल्ली फायर सर्विस ने कहा कि नई दिल्ली इलाके में नॉर्थ ब्लॉक स्थित पुलिस कंट्रोल रूम से बम की धमकी वाला मेल मिला था। बुधवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे धमकी भरा मेल मिलने पर -शेष पृष्ठ दो पर

पटियाला में प्रधानमंत्री के दौरे से पहले लगाया गया खालिस्तानी झंडा

पटियाला (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पटियाला दौरे से एक दिन पहले रैली स्थल से थोड़ी दूरी पर एक इमारत पर खालिस्तानी झंडा लगा मिला है, जिस पर खालिस्तानी नारा भी लिखा हुआ था। पुलिस ने अभी कोई मामला दर्ज नहीं किया है। अलबत्ता रैली स्थल की सुरक्षा को और बढ़ा दिया गया है। खालिस्तानी कट्टरपंथी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने खालिस्तानी झंडा लगाने की जिम्मेदारी ली है। प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल सीआईडी ने बांग्लादेशी सांसद की हत्या की पुष्टि की

कोलकाता। बांग्लादेश के सांसद मोहम्मद अनवारुल अजीम अनवर बीते कई दिनों से कोलकाता से लापता हैं। अब उनकी गुमशुदगी की जांच कर रही बंगाल सीआईडी ने पुष्टि की है कि बांग्लादेशी सांसद की हत्या हो गई है। बंगाल सीआईडी का यह दावा बांग्लादेश सरकार के उस एलान के कुछ घंटे बाद आया है, जिसमें बांग्लादेशी सरकार ने कहा है कि अवामी लीग के सांसद अजीम अनवर की कोलकाता में बेरहमी से हत्या कर दी गई है। मामले की जांच कर रही बंगाल सीआईडी के आईजी अखिलेश -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेशी गृहमंत्री ने हत्या को बताया सुनियोजित

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश के गृहमंत्री असदुज्जमां खान ने अवामी लीग के सांसद अनवारुल अजीम अनार की पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के एक फ्लैट में हुई हत्या को सुनियोजित करार दिया है। इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

ममता राज में दिए गए सभी ओबीसी सर्टिफिकेट रद्द

कोलकाता। लोकसभा चुनावों के बीच ममता बनर्जी सरकार को कलकत्ता हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 2010 के बाद बनाई गई सभी ओबीसी सर्टिफिकेट को रद्द कर दिया है। इसके चलते करीब 5 लाख ओबीसी सर्टिफिकेट रद्द हो सकते हैं। हालांकि, -शेष पृष्ठ दो पर

नहीं थम रहा तापमान बढ़ने के सिलसिला पीने के पानी को तरस रहे लोग

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में अपर्याप्त बारिश तथा बर्फबारी के साथ-साथ बढ़ते तापमान के कारण जल स्रोत सूख रहे हैं, जिससे राज्य की पेयजल आपूर्ति की 478 परियोजनाएं बुरी तरह प्रभावित हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। जल शक्ति विभाग की मुख्य अभियंता अंजू शर्मा ने कहा कि इसके कारण 478 योजनाएं प्रभावित हैं, जिनमें से 32 सोलन क्षेत्र के धर्मपुर क्षेत्र में हैं। जल स्रोत में 75 प्रतिशत से अधिक पानी की कमी होने तथा कोई वैकल्पिक स्रोत नहीं होने के कारण, तीन से चार दिन के अंतराल पर जलापूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि हम गिरि परियोजना से पानी लेकर और छोटी योजनाओं को जोड़कर मांग को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं और प्रशासन से टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति के लिए अनुरोध किया है। उन्होंने यह भी कहा कि स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है और ज्यादा गंभीर नहीं है लेकिन अगर तापमान बढ़ता रहा तो स्थिति और खराब हो सकती है। राज्य में लगभग 3,500 पंचायतों को पानी की आपूर्ति के लिए 10,067 योजनाएं हैं। शर्मा ने बताया कि आदिवासी स्पीति घाटी -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान में तीन साल के बच्चे खिलाफ बिजली चोरी का केस दर्ज, कोर्ट में कराई गई पेशी

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक 3 साल के बच्चे के खिलाफ बिजली चोरी करने का आरोप लगाते हुए अधिकारियों ने उसके खिलाफ बिजली चोरी के मामले में केस भी दर्ज किया गया है। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार फिलहाल पुलिस मामले को लेकर जांच कर रही है। पेशावर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी (पॉस्को) और जल और बिजली विकास प्राधिकरण (डब्ल्यूएपीडीए) की शिकायतों पर, बिजली चोरी में कथित संलिप्तता के लिए बच्चे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बच्चे को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत में भी लाया गया, जिससे उसके कानूनी प्रतिनिधि को यह दावा करने के लिए प्रेरित किया गया कि हलफनामा प्राप्त करने पर न्यायाधीश -शेष पृष्ठ दो पर

शाहरुख खान की बिगड़ी तबीयत, हॉस्पिटल में कराए गए भर्ती

मुंबई। बॉलीवुड के सुपरयूएसटार एक्टर शाहरुख खान के फैन्स के लिए शॉकिंग खबर सामने आई है। किंग खान तबीयत खराब होने के चलते उन्हें अहमदाबाद के केडी हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। हालांकि, प्राइमेरी ट्रीटमेंट के बाद शाहरुख को हॉस्पिटल से छुट्टी भी मिल गई। डॉक्टरों के मुताबिक, शाहरुख डीहाइड्रेशन का शिकार हुए। बता दें कि, शाहरुख खान 21 मई को केकेआर बनाम एसआरएच के बीच प्लेऑफ मैच को देखने के लिए अहमदाबाद -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पड़ोसी की हत्या मामले में मां-बेटे समेत तीन को मौत की सजा

तिरुवनंतपुरम। केरल की एक अदालत ने बुधवार को मां और उसके बेटे सहित तीन आरोपियों को साल 2022 में 71 वर्षीय पड़ोसी की हत्या करने के मामले में मौत की सजा सुनाई। तीनों पर एक किशोर की हत्या करने का भी मामला चल रहा है। नेय्याट्टिनकारा अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने 52 साल के रफीका बीवी, 28 साल के उसके दोस्त अल अमीन और 25 वर्षीय उसके बेटे शफीक को अपने पड़ोसी शांताकुमारी की हत्या करने और उसके सोने के गहने चुराने के आरोप में सजा सुनाई। सभी कोवलम के रहने वाले थे। मालूम हो कि पिछले हफ्ते ही अदालत ने तीनों आरोपित को सभी अपराधों में दोषी पाया था। पुलिस ने बताया कि घटना गत 14 जनवरी 2022 को सामने आई। घर की छत पर पढ़ाई कर रहे रफीका के मकान मालिक के बेटे और उसके दोस्त ने मचान से छत के फर्श पर खून की बूंदे टपकते हुए देखीं और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मचान से शव बरामद किया, जिसकी पहचान शांताकुमारी के रूप मे की गई।

श्रीलंकाई विदेश मंत्री की चीन को दो टूक, कहा-

हमारे लिए भारत की सुरक्षा बेहद जरूरी

कॉलंबो। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी का भारत और चीन को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। अली साबरी ने कहा कि चीन इस वक्त भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। हम भी इसी तरह दूसरे देशों के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं। श्रीलंका ने कहा है कि भारत की सुरक्षा उनके लिए बेहद जरूरी है। एक इंटरव्यू में साबरी ने पर निशाना साधते हुए दो टूक शब्दों में कहा कि उनका देश भारत की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है। साबरी ने कहा कि एक जिम्मेदार पड़ोसी के तौर पर न से रिश्ते अपनी जगह हैं लेकिन वह किसी को भी भारत को नुकसान पहुंचाने नहीं देंगे और चीन से रिश्ते बनाने से परहेज करेंगे। भारत की चिंता हमारे लिए बेहद अहम है। हमने इसके लिए अब एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) बनाया है और इसे बनाते वक्त भारत सहित दूसरे दोस्तों से सलाह भी ली। सुरक्षा को लेकर भारत की चिंता सही है और हमारे लिए बहुत जरूरी भी है। हम अपने क्षेत्र को शांति का जोन बनाना चाहते हैं। श्रीलंका के पोर्ट पर रुकने वाले चीन के रिसर्च जहाजों से जुड़े सवाल पर साबरी ने कहा कि हम सभी देशों के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए हम किसी दूसरे देश की सुरक्षा को ताक पर नहीं रखेंगे। अगर भारत इस मामले में अपनी सुरक्षा को लेकर सवाल उठाएगा, तो हम उस पर जरूर ध्यान देंगे। हम किसी को भी उन्हें चोट नहीं पहुंचाने देंगे। साबरी ने कहा कि हाल ही में चीन भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर बनकर सामने आया है। इसी तरह श्रीलंका भी भारत के साथ मिलकर काम करना चाहता है, लेकिन हम तीसरे पक्ष को कभी भी खतरे में नहीं डालेंगे। भारत ने पिछले साल श्रीलंकाई द्वीप पर चीनी जहाज के रुकने को लेकर चिंता जताई थी। तब भारत ने कहा था कि चीन अपने रिसर्च वैसल्स के जरिए भारत की जासूसी करने की कोशिश कर रहा है। इसके बाद श्रीलंका ने सितंबर 2023 में चीन के जहाजों को अपने देश में रुकने की इजाजत देने से इनकार कर दिया था।

पेट्रोल-डीजल पर जीएसटी : तीसरी बार पीएम बनते क्या-क्या करेंगे मोदी

पीके ने 4 जून के बाद की कर दी बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली। राजनीतिक विश्लेषक प्रशांत किशोर ने 4 जून के बाद की सरकार को लेकर भविष्यवाणी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में पेट्रोलियम को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत लाया जा सकता है और राज्यों की वित्तीय स्वायत्तता पर महत्वपूर्ण अंकुश लग सकता है। किशोर ने मोदी सरकार की भ्रष्टाचार विरोधी कहानी में संरचनात्मक और परिचालन परिवर्तनों की भविष्यवाणी की। किशोर ने कहा कि मुझे लगता है कि मोदी 3.0 सरकार धमाकेदार शुरुआत करेगी। केंद्र के पास शक्ति और संसाधन दोनों का अधिक संकेंद्रण होगा। राज्यों की वित्तीय स्वायत्तता में कटौती करने का भी एक महत्वपूर्ण प्रयास हो सकता है। 2014 में नरेंद्र मोदी के अभियान का प्रबंधन करने वाले किशोर ने कहा कि प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई व्यापक गुस्सा नहीं है और भाजपा लगभग 303 सीटें जीतेगी। राजनीतिक रणनीतिकार ने कहा कि राज्यों के पास वर्तमान में राजस्व के तीन प्रमुख स्रोत हैं – पेट्रोलियम, शराब और भूमि। प्रशांत किशोर ने कहा कि मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर पेट्रोलियम को जीएसटी के दायरे में लाया जाए। फिलहाल पेट्रोल, डीजल, एटीएफ और प्राकृतिक गैस जैसे पेट्रोलियम उत्पाद जीएसटी के दायरे से बाहर हैं। हालांकि, उन पर अभी भी वैट, केंद्रीय बिक्री कर और केंद्रीय उत्पाद शुल्क जैसे कर लगते हैं। जबकि पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के तहत लाना उद्योग की लंबे समय से मांग रही है, राज्य इस विचार के खिलाफ रहे हैं क्योंकि इससे राजस्व का भारी नुकसान होगा। पेट्रोल को जीएसटी के तहत लाने से राज्य करों का अपना हिस्सा प्राप्त करने के लिए केंद्र पर और अधिक निर्भर हो जाएंगे। वर्तमान में, जीएसटी के तहत उच्चतम कर स्लैब 28 फीसदी है। पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन पर 100 फीसदी से अधिक कर लगता है। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि केंद्र राज्यों को संसाधनों के हस्तांतरण में देरी कर सकता है और राजकोषीय जिम्मेदारी और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) मानदंडों को सख्त बना सकता है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के बोको थानांतर्गत सिंगरा सालनी इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि टाटा डीआई की चपेट में आने से बाइक (एएस-25जे-7705) चालक मिनहाज अली (20) की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक बारपेटा जिले के कासुमारी का रहने वाला बताया गया है। दुर्घटना के बाद मौके से दुर्घटना में शामिल टाटा डीआई का वाहन चालक वाहन सहित फरार होने में सफल रहा। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

अरुणाचल के सुबनसिरी नदी में डूबा जहाज

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के सुबनसिरी नदी में आज एक जहाज डूब गया। एमटी वीरदत्त नाम का यह जहाज सुबनसिरी नदी होते हुए निर्माण सामग्री लेकर जा रहा था। घटना की सूचना पाते ही निर्माण कंपनी ने तत्काल ही जहाज को बचाने का काम शुरू किया। डूबे हुए जहाज के एक हिस्से से सामान निकाल लिया गया। जहाज के शेष हिस्से से सामान निकालने की कोशिशें की जा रही हैं। जहाज पर सभी लोगों को सकुशल बचाए जाने की जानकारी मिली है।

लव जिहाद की बलिवेदी पर चढ़ी फिर एक किशोरी

तिनसुकिया (हिंस)। राज्य में फिर एक किशोरी लव जिहाद की बलिवेदी पर चढ़ी गई। तिनसुकिया जिले के डिगबोई में लव जिहाद की यह घटना घटी। आरोपों के अनुसार करीब 40 वर्षीय राजू अली नामक व्यक्ति एक 15 वर्षीय किशोरी को लेकर फरार हो गया। डिगबोई मिशनपाड़ा की 15 वर्षीय उक्त किशोरी को वह फुसलाकर भगा ले गया। परिजनों ने पूरी घटना के संबंध में डिगबाई थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

लोस चुनाव : सातवें चरण में 904 उम्मीदवार मैदान में

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के लिए एक जून को सात राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश की 57 संसदीय सीटों पर मतदान होगा। इस चरण में कुल 904 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। चुनाव आयोग ने बुधवार को बताया कि लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में होने वाले मतदान के लिए सात राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के 57 संसदीय क्षेत्रों के लिए कुल 2105 नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। इस चरण के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 14 मई थी। दाखिल किए गए सभी नामांकनों की जांच के बाद 954 नामांकन वैध पाए गए। इनमें से 50 उम्मीदवारों ने चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया। ऐसे में अब कुल 904 उम्मीदवार ही मैदान में बचे हैं। आयोग के अनुसार नाम वापसी के बाद अब बिहार की 8 सीटों पर 134, चंडीगढ़ की एक सीट पर 19, हिमाचल प्रदेश की 4 सीटों पर 37, झारखंड की 3 सीटों पर 52, ओडिशा की 3 सीटों पर 66, पंजाब की 13 सीटों पर 328 उत्तर प्रदेश की 13 सीटों पर 144 और पश्चिम बंगाल की 9 सीटों पर 124 उम्मीदवार अंतिम रूप से चुनाव मैदान में हैं।

GOVERNMENT OF ASSAM
FINANCE (BUDGET) DEPARTMENT
WAYS & MEANS BRANCH

PRESS COMMUNIQUE

BW.01/2024/44 **Dated Dispur, the 22nd May, 2024**

Auction of 10 year Assam Government Stock (Securities)

1. Government of Assam has offered to sale the dated securities for an amount of Rs.1000.00 Crore with **10** (ten) year tenure by auction. The auction will be conducted by the Reserve Bank of India, at Mumbai Office, Fort, Mumbai-400001 on **May 28, 2024.**
2. The procedure of auction of the State Government Securities as under:-

(a) Competitive Bids —

All competitive bids shall be submitted electronically on the Reserve Bank of India Core Banking Solution (E-Kuber) System. Perhaps, other than CBS members, shall route their competitive bids through a CBS member. Competitive bids may be submitted between **10:30 A.M. and 11.30 A.M.** on the day of the auction, as hitherto.

(b) Non-Competitive Bids

Under the scheme, an investor can submit a single bid only in the auction of a State Government securities, subject to a maximum of 1% of the notified amount, through a bank or a Primary Dealer. Non-Competitive Bids may be submitted only electronically on the CBS betwen **10:30 A.M. and 11.00 A.M. on the day of auction. No bids under the Non-Competitive Bidding Scheme shall be accepted after 11.00 A.M.**

(c) Bids in Physical format

No bids shall, henceforth, be accepted in physical format in the auctions oi State Government Securities, except in extra-ordinary situations as may be specified by the Reserve Iank of India.

3. The bids may be submitted electronically to the Regional Director, Reserve Bank of India, Mumbai Office, Fort, Mumbai-400001
4. The result of auction shall be displayed by the Reserve Bank of India on its website on the same day of auction. The payment by successful bidders will be on **May 29, 2024.**
5. The rate of Interest, i.e. the cut-off yield determined at the auction will be the coupon rate percent per annum on the stock sold at the auction. The interest will be paid on **November 29 and May 29.**
6. The investment in Government Stock will be reckoned as an eligible investment in Government Securities by banks for the purpose of Statutory Liquidity Ratio (SLR) under Section 24 of the Banking Regulation Act, 1949. The Stocks will qualify for the ready forward facility.
7. For other details, please see the Notification of the Government of Assam **No. BW.01/2024/43, dated 22nd May, 2024.**

(Dilip Kumar Borah, IAS)
Secretary to the Government of Assam
Finance (Budget) Depa tment

-- Janasanyog /C/61/24/23-May-24

पृष्ठ एक का शेष

भाजपा विरोधी चार ...

को इस व्यापक संगठन में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने असम के स्वदेशी समुदायों के हितों की रक्षा के लिए एकता के महत्व पर बल दिया। 2026 के चुनावों से पहले तीन प्रमुख क्षेत्रीय दलों-एजेपी, रायजोर दल और असम जातीय दल- के विलय की संभावना तलाशने के लिए आगे की चर्चा चल रही है। गोगोई ने लोकसभा चुनावों के दौरान विपक्षी एकता के लिए जनता के मजबूत समर्थन पर प्रकाश डाला और विश्वास जताया कि यह गति आगामी राज्य चुनावों में भाजपा और उसके सहयोगियों को हराने में मदद करेगी। गोगोई ने यह भी अनुमान लगाया कि असम में कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया ब्लॉक कम से कम छह सीटें जीत सकता है, जिसमें असम के पूर्व मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल सहित प्रमुख भाजपा नेताओं की हार की भविष्यवाणी की गई है। उन्होंने इस संभावित बदलाव के लिए भाजपा के नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के विवादास्पद कार्यान्वयन और युवा बेरोजगारी को संबोधित करने में पार्टी की विफलता को जिम्मेदार ठहराया।

400 पार के...

ये लोग मूलवासियों को बहला-फुसलाकर उनसे शादी कर रहे हैं। अब झामुमो नेता भी अस्सलाम वालेकुम बोल रहे हैं लेकिन हम बता देते हैं कि राजनीति करना है तो जय श्रीराम कहना होगा। झारखंड के एक सांसद के घर से, एक मंत्री के घर से करोड़ों रुपए बरामद हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी इन रुपए को जब्त कर गरीब जनता को स्वच्छ जल और पक्का मकान बना रहे हैं। मोदी को जिताने के लिए भाजपा को वोट दें और ताकि आलमगीर आलम जैसों को जेल में डाला जा सके। हिमंता ने कहा कि असम में एक अधिकारी ने मदरसे के शिक्षक के लिए वेतन की मांग की। मैंने पूछा कि यहां से कैसे बच्चे निकलते हैं तो उन्होंने बताया कि यहां से पढ़कर बच्चे मुल्ला बनते हैं। फिर मैंने 700 मदरसों को बंद किया। मुस्लिम भाई पढ़-लिखकर इंजीनियर और डॉक्टर बनें। शर्मा ने कहा कि आज तुष्टिकरण की राजनीति हो रही है। यदि यहां की सरकार नमाज के लिए जगह दे रही तो हिंदुओं को भी हनुमान चालीसा पढ़ने की जगह दो। असम में 37 प्रतिशत मुस्लिम हैं। जब मैं उनके बीच जाता हूं तो वहां की महिलाएं बताती हैं कि उनके पति तीन-चार शादियां कर लेते हैं लेकिन इस बार मोदी सरकार में आएंगे तो इन शादियों पर भी पाबंदी लग जाएगी। हिमंत ने कहा कि इस बार झारखंड में भी भाजपा की सरकार बनानी है। तभी डबल इंजन की सरकार राज्य का बेहतर विकास करेगी। यहां की माताओं को एक रुपए का भी लाभ नहीं मिल रहा है। बस हेमंत सोरेन के परिवार को मिल रहा है। बालू घोटाला भी यहां व्याप्त है। आज यहां धर्मांतरण हो रहा है लेकिन सरकार कुछ नहीं कर रही है। कांग्रेस मुस्लिमों को आरक्षण देने की बात कह रही है लेकिन संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का कहीं भी जिक्र नहीं है। जब तक भाजपा है धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने देंगे। इस बार राम के भक्त हनुमान सब मिलकर भारत से इंडी गठबंधन का सूपड़ा साफ कर देगा। इस मौके पर सांसद गीता कोड़ा, नेता प्रतिपक्ष सह चंदनकियारी विधायक अमर कुमार बाउरी और धनबाद लोकसभा सीट से प्रत्याशी ढुल्लू महतो समेत कई दिग्गज नेता मौजूद थे।

लोस चुनाव : स्ट्रांग...

चक्रवर्ती बुधवार को नलबाड़ी आएंगे। नलबाड़ी की जिला आयुक्त डेका, स्ट्रांग रूम के मजिस्ट्रेट प्रभारी, स्ट्रांग रूम के सुरक्षा प्रभारी और उल्लंघन देखने वाले राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को चक्रवर्ती के समक्ष उपस्थित होने को कहा गया है। डेका ने अपनी शिकायत में ईवीएम रसीद केंद्र पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनसे राष्ट्रीय पुरयूएसकार विजेता फिल्म निर्माता लुइत कुमार बर्मन को 10 लाख रुपए देने को कहा था। हालांकि बर्मन ने जिला आयुक्त के आरोपों को मनगढ़ंत और फर्जी बताया था।

चुनाव प्रचार में ...

आड़े हाथों लिया। आयोग ने भाजपा को निर्देश दिए हैं कि पार्टी के नेता अपने भाषणों के दौरान धार्मिक और सांप्रदायिक बयानबाजी न करें। यह भी कहा गया है कि समाज को बांटने वाले बयानों से बचें। आयोग ने इस बात पर भी जोर दिया कि चुनाव के समय सत्तारूढ़ दल पर अतिरिक्त जिम्मेदारी होती है। चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेताओं से कहा है कि आधारहीन बयानबाजी न करें। मुख्य रूप से संविधान को खत्म करने और अग्निवीर योजना खत्म करने वाले बयान न देने के आदेश दिए गए हैं। कांग्रेस प्रचारकों और उम्मीदवारों को साफ निर्देश दिए गए हैं कि वे रक्षा बलों पर राजनीति न करें। साथ ही रक्षा बलों की सामाजिक और आर्थिक संरचना को लेकर विभाजनकारी भाषण न देने का आदेश दिया गया है।

घुसपैठिए टीएमसी के ...

करती है। घुसपैठिए टीएमसी का *वोट बैंक* हैं। शाह ने बनर्जी की हाल में की गई उस टिप्पणी की भी आलोचना की जिसमें उन्होंने कहा था कि रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ के कुछ संत भाजपा के निर्देशानुसार काम कर रहे हैं। शाह ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के वोट बैंक को खुश करने के लिए इन सामाजिक-धार्मिक संगठनों को निशाना बनाया जा रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि ममता बनर्जी भारत सेवाश्रम संघ पर हमला कर रही हैं, लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि अगर यह संघ नहीं होता तो बंगाल बांग्लादेश का हिस्सा होता। वह सिर्फ अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए संतों पर निशाना साध रही हैं। शनिवार को आरामबाग लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत गोघाट में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने दावा किया था कि रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ के कुछ साधु दिल्ली में भाजपा नेताओं के निर्देशानुसार उनके प्रभाव में काम कर रहे हैं। विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि पांच चरणों का मतदान पूरा हो चुका है। चुनाव के इन पांच चरणों में मोदी जी ने 310 सीटों को पार कर लिया है। ममता दीदी के *इंडिया* गठबंधन का सफाया हो गया है। इस बार बंगाल में भी भाजपा को 30 सीट मिलेंगी। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पश्चिम बंगाल में 42 में से 18 सीट पर जीत हासिल की थी और इस बार उसने 30 लोकसभा सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि जैसे ही भाजपा को बंगाल में 30 सीट मिलेंगी टीएमसी बिखर जाएगी और ममता बनर्जी सरकार की विदाई हो जाएगी। शाह ने कहा कि राजनीतिक हिंसा ने बंगाल में लोकतंत्र की हत्या कर दी है। उन्होंने कहा कि यहां पंचायत चुनाव हुए जिसमें 200 से ज्यादा लोग मारे गए, लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं कि इस बार आपको डरना नहीं चाहिए क्योंकि लोकसभा चुनाव के पांच चरणों में टीएमसी के गुंडे किसी को नुकसान नहीं पहुंचा पाए और हम इस बार इन गुंडों को सबक सिखाएंगे। मंगलवार रात भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के आवास पर छापेमारी का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि टीएमसी जितना अधिक शुभेंदु अधिकारी को प्रताड़ित करेगी भाजपा उन्हें उतनी अधिक प्रमुखता देगी। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर टीएमसी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि केवल भाजपा ही पश्चिम बंगाल में तृणमूल के भ्रष्टाचार के शासन को खत्म कर सकती है। शाह ने शिक्षक भर्ती घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए पार्थ चटर्जी का जिक्र करते हुए कहा कि गरीबों को नौकरी देने के लिए जिम्मेदार मंत्री से 51 करोड़ रुपए बरामद किए गए।

आपका आचरण सही...

दबा दिया। जब कपिल सिब्बल ने कोर्ट में सोरेन के बचाव करने की कोशिश की और कहा कि वह हिरासत में हैं और उन्हें अदालतों में दायर की जा रही याचिकाओं के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इसपर कोर्ट ने कपिल सिब्बल से कहा कि आपका आचरण बेदाग नहीं है। पूर्व सीएम कोई आम आदमी नहीं हैं। कोर्ट ने आगे मामले की योग्यता पर गौर किए बिना गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका खारिज करने की बात कही। इसके बाद सिब्बल याचिका वापस लेने पर सहमत हो गए, जिसे पीठ ने अनुमति दे दी। ईडी ने पहले शीर्ष अदालत को बताया था कि 31 जनवरी को सोरेन की गिरफ्तारी को झारखंड उच्च न्यायालय ने बरकरार रखा था और उनकी नियमित जमानत याचिका 13 मई को ट्रायल कोर्ट ने खारिज कर दी थी। बताते चलें कि जमीन घोटाला मामले में ईडी ने हेमंत सोरेन को 31 जनवरी की रात को गिरफ्तार किया था। इसके बाद हाई कोर्ट ने सोरेन की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए चुनाव के मद्देनजर अंतरिम जमानत की मांग की गई थी।

स्कूल, अस्पताल के ...

पुलिस ने इमारत की गहन तलाशी ली लेकिन कुछ नहीं मिला। ताजा धमकी दिल्ली के कई अस्पतालों, इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और तिहाड़ जेल को बम धमकी वाले ईमेल से निशाना बनाए जाने के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें उनके परिसर में विस्फोटकों की मौजूदगी का आरोप लगाया गया था। हालांकि, दिल्ली पुलिस की बाद की जांच से पता चला कि धमकियां झूठी थीं। लगभग 20 दिन पहले दिल्ली-एनसीआर के 150 से अधिक स्कूलों को फर्जी धमकी भरे ईमेल मिले, जिसके बाद व्यापक पुलिस प्रतिक्रिया हुई।

पटियाला में प्रधानमंत्री ...

पटियाला में चुनावी रैली को संबोधित करने के लिए आ रहे हैं। यह झंडा मिनी सचिवालय रोड पर एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में लगाया गया था। यह बिल्डिंग पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के मीडिया सलाहकार रहे भरत इंदर सिंह चहल की है। पुराने बस स्टैंड के पुल पर खालिस्तान का नारा लिखा गया था। राहगीरों ने इसे देखकर पुलिस को सूचित किया। इसके बाद आतंकी पन्नू का एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें आतंकी पन्नू ने कहा है कि पंजाब आने पर मोदी को स्थानीय खालिस्तानी समर्थक टारगेट करेंगे। मोदी हजारों सिख किसानों और निज्जर की हत्या के जिम्मेदार हैं। पन्नू ने वीडियो में कहा कि खालिस्तानी समर्थकों को पंजाब में मोदी के दौरे और रूट प्लान की पूरी जानकारी पंजाब की भगवंत मान सरकार से मिली है। पटियाला रेंज के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर ने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। झंडे को कब्जे में लेने के साथ ही रैली स्थल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

बंगाल सीआईडी ने ...

चतुर्वेदी ने बताया कि पुलिस को ऐसी पुख्ता सूचना मिली है, जिसमें बताया गया है कि बांग्लादेशी सांसद की हत्या कर दी गई है। हालांकि पुलिस को अभी तक उनका शव नहीं मिला है। सीआईडी ने बताया कि बांग्लादेशी सांसद के कोलकाता में होने की पूर्व सूचना नहीं थी और जब गोपाल विश्वास ने 18 मई को उनकी गुमशुदगी की सूचना दी, उसके बाद ही उन्हें मामले के बारे में पता चला। बांग्लादेश के गृह मंत्री असदुज्जमान खान ने ढाका में मीडिया से बात करते हुए कहा कि अनवर की कोलकाता में सुनियोजित तरीके से हत्या की गई। भारत और बांग्लादेश की पुलिस मिलकर इसकी जांच कर रही हैं और हत्या के पीछे की वजह का पता लगाने की कोशिश कर रहीं हैं। इस मामले में सभी अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है। बंगाल पुलिस ने कोलकाता के न्यू टाउन में एक अपार्टमेंट में छापा मारा है, जहां से पुलिस को खून के धब्बे मिले हैं। हालांकि इसके बारे में सीआईडी के अधिकारियों ने ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। बताया जा रहा है कि बांग्लादेशी सांसद इसी अपार्टमेंट में आते हुए सीसीटीवी में कैद हुए थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह अपार्टमेंट संजीब घोष नामक व्यक्ति का है, जो राज्य के एक्साइज विभाग में कार्यरत हैं। संजीब ने फिलहाल यह अपार्टमेंट एक अमेरिकी नागरिक अख्तरुज्जमां को किराए पर दिया हुआ है।

बांग्लादेशी गृहमंत्री ने ...

किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत की पुलिस हत्याकांड की जांच में सहयोग कर रही है। अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में गृहमंत्री ने बुधवार को कहा कि अजीम जेनाइदाह-4 सीमावर्ती क्षेत्र से निर्वाचित हुए थे। यह क्षेत्र उच्च अपराध दर के लिए जाना जाता है। अजीम इलाज के लिए भारत गए थे। अजीम 12 मई को भारत गए थे। 18 मई को उत्तरी कोलकाता के बारानगर पुलिस स्टेशन में उनकी गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इस हत्याकांड पर विदेशमंत्री हसन महमूद ने एक सेमिनार में भाग लेने के बाद ढाका विश्वविद्यालय के सीनेट भवन में पत्रकारों से कहा कि कोलकाता पुलिस उस फ्लैट में दाखिल हुई, जहां कथित तौर पर सांसद की हत्या की गई थी, लेकिन शव नहीं मिला।

नहीं थम रहा ...

के काजा में भी पांच से छह गांव प्रभावित हैं, लेकिन यहां सिंचाई के लिए ज्यादा पानी की मांग है। उन्होंने बताया कि सिंचाई के लिए पीने के पानी का इस्तेमाल किए जाने से यह किल्लत हुई है। उन्होंने लोगों से सिंचाई के लिए पीने के पानी का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की है। शर्मा ने बताया कि चूंकि काजा क्षेत्र में हैंडपंप बहुत कारगर हैं, इसलिए पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए और अधिक हैंडपंप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अगर बारिश होती है तो स्थिति में सुधार हो जाएगा क्योंकि सिंचाई के पानी की मांग कम हो जाएगी और पीने के लिए अधिक पानी उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि ऐसे स्थान जहां जल स्रोत में पानी की कमी 25 से 50 प्रतिशत के बीच है वहां स्थिति से निपटने के लिए जलापूर्ति की अवधि में कटौती की जा रही है। शर्मा ने बताया कि स्थिति से निपटने के लिए हर संभव उपाय किए जा रहे हैं और कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द करने के अलावा, पानी के नए कनेक्शन और निर्माण के लिए कनेक्शन जारी करने पर 15 जुलाई तक रोक लगा दी गई है। गर्मियों के दौरान पानी की किल्लत एक बड़ी समस्या है।

पाकिस्तान में तीन ...

ने मामले को खारिज कर दिया था। यह घटना पिछले महीने एक चौंकाने वाले खुलासे के बाद सामने आई है, जिसमें कथित तौर पर बिजली वितरण कंपनियों (डिस्को) के भीतर बिजली चोरी के कारण राष्ट्रीय खजाने को 438 बिलियन पीकेआर का नुकसान हुआ था। सूत्रों ने खुलासा किया कि ये घाटा 438 बिलियन पीकेआर से अधिक था, जो कि 723 बिलियन पीकेआर की कुल वार्षिक बिलिंग के बीच एक बड़ा आंकड़ा है। सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले डिस्को के रूप में पहचाने जाने वाले पावर डिवीजन ने हैदराबाद, सुक्कुर, पेशावर, क्वेटा और आदिवासी क्षेत्रों की कंपनियों को उनके निराशाजनक रिकॉर्ड के लिए चुना। 7 अप्रैल को, पंजाब ऊर्जा विभाग ने बिजली वितरण कंपनियों द्वारा सरकारी संस्थानों से अधिक शुल्क वसूलने पर चिंता जताई और इसे प्रांतीय खजाने पर बोझ बताया। इस मुद्दे पर प्रकाश डालते हुए, विभाग ने इस बात पर जोर दिया कि लाहौर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी (लेस्कॉ), फैसलाबाद इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी (फेस्कॉ), मुल्तान इलेक्ट्रिक पावर कंपनी (मेपकॉ), गुजरांवाला इलेक्ट्रिक पावर कंपनी (जीपकॉ) और इस्लामाबाद इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी (आईईस्कॉ) सरकारी विभागों से अधिक शुल्क वसूलने के लिए दोषी थीं। प्रांतीय विभागों में 1,02,000 से अधिक बिजली कनेक्शनों के साथ, वास्तविक खपत और बिल राशि के बीच विसंगति स्पष्ट थी। विभाग ने खुलासा किया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में, प्रांतीय विभागों ने पीकेआर 1.91 बिलियन से अधिक की बिजली की खपत की, लेकिन पीकेआर 76 बिलियन का भुगतान करना पड़ा। इस व्यापक मुद्दे से निपटने के लिए, संघीय सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मांगों का जवाब देते हुए, बिजली चोरी पर अंकुश लगाने और राजस्व वसूली को बढ़ाने के लिए बिजली वितरण कंपनियों (डीस्कॉ) में संघीय जांच अधिकारियों (एफआईए) की तैनाती को मंजूरी दे दी।

शाहरुख खान की ...

पहुंचे थे। इस मैच के लिए खान दो दिन से अहमदाबाद में आए थे। गर्मी ज्यादा होने के चलते उन्हें डीहाइड्रेशन हो गया। मैच खत्म होने के बाद देर रात वो अपनी टीम के साथ अहमदाबाद के एक पांच सितारा होटल पहुंचे थे। शाहरुख खान की 22 मई की सुबह में तबीयत बिगड़ी, जिसके बाद उन्हें दोपहर एक बजे के करीब केडी हॉस्पिटल ले जाया गया। प्राइमेरी ट्रीटमेंट देने के बाद शाहरुख को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। अब उनकी तबीयत पहले से बेहतर बताई जा रही है। डॉक्टरों ने शाहरुख को कुछ समय आराम करने के लिए कहा है।

ममता राज में दिए ...

2010 से पहले घोषित ओबीसी श्रेणी के व्यक्तियों के प्रमाण पत्र मान्य हैं। कोर्ट ने कहा कि हालांकि जिन ग्रुप को 2010 से पहले ओबीसी करार दिया गया था, वे वैध रहेंगे। न्यायमूर्ति तपोब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की खंडपीठ ने बुधवार को यह आदेश दिया। इस बीच, कई लोगों को इस ओबीसी सर्टिफिकेट से नौकरी मिल गई है। तो उस नौकरी का भविष्य क्या होगा? कलकत्ता हाई कोर्ट ने दिया जवाब। कोर्ट ने कहा कि 2010 के बाद जिन लोगों को ओबीसी आरक्षण के कारण नौकरी मिली या भर्ती की प्रक्रिया चल रही है, उनकी नौकरी बनी रहेगी। कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश से 2010 के बाद बनाई गई सभी ओबीसी सर्टिफिकेट रद्द हो जाएंगे। इसके चलते राज्य में करीब 5 लाख ओबीसी सर्टिफिकेट रद्द होने की संभावना है। हालांकि कलकत्ता हाईकोर्ट का कहना है कि 2010 से पहले घोषित ओबीसी वर्ग के लोगों के प्रमाण पत्र वैध हैं।

राज्यपाल ने बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर दी लोगों को बधाई

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने बुद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर राज्य के लोगों विशेषकर बौद्ध धर्म से जुड़े लोगों को शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में कटारिया ने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा के पवित्र अवसर पर सभी वर्गों के लोगों, विशेष रूप से बौद्ध धर्म से जुड़े लोगों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान बुद्ध करुणा के प्रतीक हैं और सत्य, अहिंसा, सद्भाव और मानवता तथा सभी जीवित प्राणियों के प्रति प्रेम की उनकी शिक्षाएं सार्वभौमिक और सदैव प्रासंगिक हैं। राज्यपाल ने कहा कि भगवान बुद्ध की शिक्षाओं में व्यक्तियों को उनके सच्चे स्वरूप में जागृत करने और उन्हें मानवता के लिए अच्छा करने के लिए प्रेरित करने की शक्ति है। गौतम बुद्ध का जिक्र करते हुए राज्यपाल ने कहा कि गौतम बुद्ध की शिक्षाओं का पालन करके व्यक्ति आध्यात्मिक समृद्धि प्राप्त कर सकता है, जिससे खुशी मिलती है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि भगवान बुद्ध की विरासत पीढ़ियों और संस्कृतियों में गूंजती रहती है, जो सत्य के सभी चाहने वालों के लिए आशा और मार्गदर्शन की किरण के रूप में काम करती है।

मणिपुर में छह आरपीएफ (पीएलए) और तीन केसीपी (टी) के कैडर गिरफ्तार

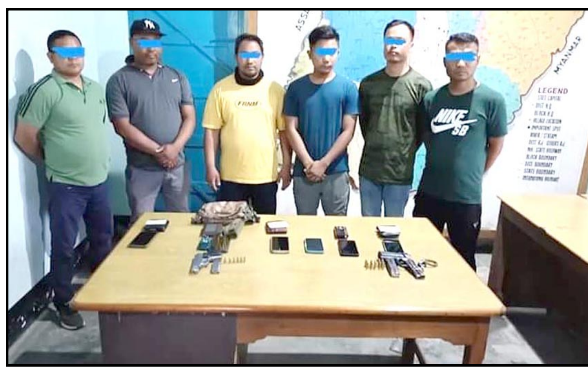

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में सुरक्षा बलों के द्वारा छह आरपीएफ (पीएलए) कैडरों को गिरफ्तार कर लिया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों ने गुप्त सूचना के आधार पर एक अभियान चलाकर लामसांग क्षेत्र से उन्हें गिरफ्तार किया। उनकी पहचान नंदेइबाम ओपेंड्रो सिंह उर्फ ऋषिकांत (49), युमखैबम राकेश सिंह उर्फ पुरी (32), नगंगोम लाखन सिंह उर्फ नानाओ (24), वांगखेम रतन सिंह (47), हेइसानम देबेन सिंह (41) और मोइबुंगखोंगबाम बिनु मैतेई (49) के रूप में की गई है। गिरफ्तार लोगों के पास से एक मैगजीन के साथ एक 9 मिमी की पिस्तौल, एक मैगजीन के साथ एक .32 पिस्तौल, 16 जीवित कारतूस, आठ मोबाइल फोन और एक जिप्सी वाहन बरामद किया गया। दूसरी ओर मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी के साथ ही उग्रवादियों के खिलाफ पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। सुरक्षा बलों के एक अभियान में तीन केसीपी (टी) संगठन के कैडरों को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने मंगलवार को बताया कि पुलिस ने खोंगजोम से केसीपी (टी) संगठन के इंफाल पश्चिम के खोंगजेंगबाम आकाश सिंह उर्फ परी मैतेई (33), नोंगथोमबाम अमुजाओ सिंह (25) तथा अमोन सोमेंद्रो उर्फ कलेइपुंग मैतेई (28) नाम के सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया है। वे इलाके में दुकानों से धन उगाही करने के मामले में आरोपित हैं। पुलिस के अनुसार तीनों कैडरों के पास से मैगजीन के साथ दो पिस्टल, 19 जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल फोन, एक चार पहिया वाहन, तीस हजार रुपये नकद और चार मांग पत्र बरामद किए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

भारी तूफान से वेस्ट सियांग जिले के कई गांव बुरी तरह प्रभावित

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के वेस्ट सियांग जिला में बीते मंगलवार की रात को आए बवंडर जैसे तूफान से जिले के कई गांवों को भारी नुकसान हुआ है। जिसमें जिला के मुख्यलय आलो शहर, दराक सर्कल, कम्बा सर्कल और आसपास के गांवों बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। आलो शहर में आंधी तूफान के दौरान बिजली के खंभे और बड़े-बड़े पेड़ों के गिरने से कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। सबसे अधिक बिजली विभाग प्रभावित हुआ है। तूफान की वजह से 33 केवी एचटी लाइन जो वेस्ट सियांग से जुड़ी है, बुरी तरह प्रभावित हुई है। जिसके परिणामस्वरूप पूरे जिले में अंधेरा है, विभाद के सूत्रों ने बताया है कि बिजली बहाली प्रक्रिया में कुछ दिन लग सकते हैं। इसके अलवा शहर के पावर हाउस के पास 132/33 केवी स्विच यार्ड, येग्गो और 33/11 केवी स्विचयार्ड के बीच मुख्य 33 केवी ट्रांसमिशन लाइन पाकम-द्वितीय क्षेत्र के पास बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। इसमें 37,000 से अधिक आबादी प्रभावित हुई। चार घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

महिला समेत दो बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

अगरतला (हिंस)। अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में अगरतला रेलवे स्टेशन पर महिला सहित दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। अगरतला रेलवे स्टेशन स्थित जीआरपी थाने के ओसी ने बताया कि मंगलवार चेकिंग के दौरान बांग्लादेश के खुलना जिले के रहने वाले 35 वर्षीय मेहंदी हसन और नरगिस अख्तर (35) को गिरफ्तार किया गया है।दोनों पर भारतीय दंड संहिता और विदेशी अधिनियम, 1946 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है क्योंकि उनके पास भारत में प्रवेश करने के लिए कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। उन्होंने बताया कि दोनों को बुधवार को अगरतला न्यायिक कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

छावनी में असम पुलिस का जवान पाया गया घायल

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज के जोनिटिला स्थित असम पुलिस छावनी में एक जवान गर्दन कटी हुई अवस्था में पाया गया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि पुलिस जवान जगतज्योति डे को अन्य जवानों ने मिलकर करीमगंज सिविल अस्पताल ले गए। जवान की हालत गंभीर होने के कारण अस्पताल प्रशासन ने प्राथमिक उपचार करके उसे उन्नत चिकित्सा के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (एसएमसीएच) भेज दिया। यह घटना कैसे और किस कारण से हुई, यह पूरी तरह से एक रहस्य का विषय बना हुआ है। करीमगंज पुलिस कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं दिख रही है।

कोकराझाड़ में एक बार फिर होगा डूरंड कप का आयोजन

कोकराझाड़ (हिंस)। 133वां डूरंड कप 26 जुलाई से 31 अगस्त तक बीटीआर के मुख्यालय शहर कोकराझाड़ के साई स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। बोड़ोलैंड एफसी एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए तैयार है। बोड़ोलैंड एफसी फुटबॉल टीम प्रतिभाशाली फुटबॉलरों का चयन कर चुका है। बीटीआर के पांच जिलों से और भी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। कोकराझाड़ में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बोड़ोलैंड एफसी के कोच दैमालु बसुमतारी ने कहा कि खिलाड़ी चयन शिविर 26 मई को कोकराझाड़, 28 को चिरांग, 30 मई को बाक्सा में, 1 जून को तामुलपुर में और 3 जून को उदालगुड़ी जिले में आयोजित किए जाएंगे।

पीएचईडी और डब्ल्यूएस में अवैध नियुक्ति की जांच की मांग

इटानगर (हिंस)। राज्य के याचुली निर्वाचन क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मंडल ने सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग विभाग (पीएचईडी) और जल आपूर्ति (डब्ल्यूएस) में अवैध नियुक्ति की जांच के लिए पुलिस अधीक्षक (एसपी) विशेष जांच सेल (एसआईसी) से अपील की। *नौकरी के लिए वोट* की नजर से भी इस मामले की जांच करने का आह्वान किया गया। भाजपा मंडल अध्यक्ष तानिया ताजिंग ने आज मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए बताया कि सचिव पीएचई और डब्ल्यूएस विभाग के निर्देश के बाद चांगलांग जिले के अधीक्षण अभियंता पीएचई और डब्ल्यूएस सर्कल मियाओ ने गत 15 मई को जांच के बाद 20 नियुक्तियों को पहले ही रद्द कर दिया था, बावजूद इस मामले की गहन जांच की आवश्यकता पर भाजपा नेता ने जोर दिया। ताजिंग ने कहा कि ऐसी संभावना है कि वोट हासिल करने के लिए एनसीपी उम्मीदवार के समर्थन में वोट फॉर जॉब घोटाला शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि नियुक्ति और स्थानांतरण करने वाले अधिकारी अधीक्षक अभियंता, पीएचईडी और डब्ल्यूएस, मियाओ, जोरम बादल और मुख्य इंजीनियरिंग, पीएचईडी, डब्ल्यूएस (पश्चिमी क्षेत्र) टोको ज्योति, जिनके पास समन्वय का पद भी है और दिलचस्प बात यह है कि ज्योति एनसीपी उम्मीदवार टोको तातुंग के बड़े भाई हैं। उन्होंने कहा कि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार राज्य के वित्त, योजना और निवेश विभाग ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि सभी नियुक्तियों के खिलाफ वर्ष 2023-24 के लिए कोई मंजूरी या सहमति नहीं दी गई थी। भाजपा नेता ने कहा कि इस कड़ी में जांच एजेंसी से सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ करके सच्चाई का पता लगाने का आह्वान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले के खिलाफ वे बहुत जल्द 16 याचुली निर्वाचन क्षेत्र रैली का आयोजन करने वाले है।

राज्यस्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में रंगिया की दीया मेधी को मिली सफलता

रंगिया (निसं)। गुवाहाटी नेहरू स्टेडियम के देशभक्त तरूण राम फुकन इंदौर स्टेडियम में 19 मई से चल रहे 39वें राज्य ताइक्वांडो प्रतियोगिता में रंगिया की दीया मेधी ने 68 किलोग्राम महिला जूनियर वर्ग के किउरोगी में कांस्य पदक अर्जित किया है। उल्लेखनीय है कि विपुल मेधी और रूपाली मेधी की बेटी दीया मेधी पिछले दो वर्षों से रंगिया जिला ताइक्वांडो संस्था के तहत सैय्यद सफिकुर रहमान के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रही हैं। दीया मेधी की इस सफलता से स्थानीय लोगों सहित रंगिया जिला ताइक्वांडो संस्था में खुशी का माहौल है।

कांस में प्रदर्शित कूकी को वैश्विक दर्शकों से मिली प्रशंसा

गुवाहाटी। असम में बनी एक असमिया निर्माता की बॉलीवुड हिंदी फिल्म *कूकी* को प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल (डु फिल्म दे कान्स) में प्रदर्शित किया गया। स्क्रीनिंग मंगलवार को स्थानीय समयानुसार रात 11.30 बजे पैलेस एच ऑडिटोरियम में हुई। विभिन्न देशों के फिल्म प्रेमी और वितरक उपस्थित थे और उन्होंने फिल्म का भरपूर आनंद लिया और इसकी प्रशंसा की। डॉ. जुनमोनी देवी खौंड (निर्माता) और रितिशा खौंड (अभिनेत्री) ने महोत्सव में भाग लिया और दर्शकों के साथ सार्थक चर्चा की। उत्साहजनक रूप से फ्रांस, मोरक्को और कई अन्य देशों ने अपने-अपने देशों में *कूकी* को रिलीज करने में रुचि व्यक्त की है। इसके अतिरिक्त, स्क्रीनिंग में मौजूद कुछ निर्देशकों और फिल्म निर्माताओं ने रितिशा खौंड के अभिनय की प्रशंसा की, जिन्होंने उनके असाधारण प्रदर्शन को स्वीकार किया। मैं ईश्वर का आभारी हूं कि कूकी को न केवल मेरे राज्य और देश में इतना प्यार मिला, बल्कि वैश्विक दर्शकों ने भी इसे समान रूप से सराहा, मैं अपने निर्देशक प्रणब जे डेका, सभी अभिनेताओं और पूरी टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने इस प्रक्रिया में मेरा मार्गदर्शन किया और मेरे लिए चीजें आसान बना दीं। रितिशा ने कहा कि कूकी 28 जून को भारत भर के 100 सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म एक संवेदनशील विषय को छूती है और एक बलात्कार पीड़िता की यात्रा और एक पीड़िता के कई चरणों और मानसिक आघात का वर्णन करती है। जैसे-जैसे फिल्म रिलीज के लिए तैयार हो रही है, दर्शकों और उद्योग के प्रति उत्साही लोगों के बीच प्रत्याशा और उत्साह समान रूप से देखा जा सकता है। आशा है कि यह प्रयास न केवल मनोरंजन करेगा बल्कि उभरते हुए असमिया फिल्म उद्योग के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में भी काम करेगा, जो इसे क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दोनों मोर्चों पर सफलता और मान्यता की अधिक ऊंचाइयों की ओर ले जाएगा।

कुत्तों की तस्करी मामले में शामिल तीन व्यक्ति गिरफ्तार

कछार (हिंस)। जिला मुख्यालय शहर सिलचर के रामनगर इलाके में पुलिस ने बुधवार को बताया कि बराक से मिजोरम तक अवैध तरीके से 14 कुत्तों की तस्करी मामले में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रियाजुल हुसैन बरभुइयां, अब्दुल सलाम और अनवर हुसैन के रूप में की गई है। गिरफ्तार सभी आरोपित एक वाहन (एएस-10ई-2913) के जरिए कुत्तों की तस्करी कर रहे थे। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर तारापुर थाने में गिरफ्तार सभी आरोपितों से सघन पूछताछ कर रहीं है।

रंगिया : दिवंगत मंत्री थानेश्वर बोड़ो के आवास पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री सोनोवाल

कामरूप (हिंस)। निवर्तमान केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल रंगिया स्थित मुरारा गरका स्थित दिवंगत पूर्व मंत्री थानेश्वर बोड़ो के आवास पर बुधवार को पहुंचे। वहां पहुंचकर उन्होंने दिवंगत मंत्री थानेश्वर बोड़ो की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित की। सोनोवाल ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि थानेश्वर बोड़ो हर किसी के रोल मॉडल हैं। हममें से कोई भी उस काम को नहीं भूल सकता जो थानेश्वर बोड़ो ने अपने जीवनकाल में किया था। सोनोवाल ने कहा कि वे व्यक्तिगत रूप से थानेश्वर बोड़ो से कई बार मिल चुके हैं। वे अत्यंत ईमानदार और सरल व्यक्ति थे। विभिन्न विषयों का उन्हें ज्ञान था। यह उनके व्यक्तित्व से झलकता था। सोनोवाल ने कहा कि जिस ईमानदारी से थानेश्वर बोड़ो ने शिक्षा और राजस्व मंत्री के रूप में काम किया था, वह आज राजनीति करने वालों के लिए सीख देने वाला है। उन्होंने कहा कि हम सभी को बोड़ो द्वारा दिखाए गए सभी आदर्शों को समर्पण और ईमानदारी से स्वीकार करना होगा। थानेश्वर बोड़ो का काम लोगों के जेहन में हमेशा जिंदा रहेगा।

श्री बिंदल दादी का रंगिया में 708वां प्राकट्य दिवस आयोजित

रंगिया (निसं)। मंगल गोत्री जाजोदिया परिवार की कुलदेवी श्री बिंदल दादी का 708वां प्राकट्य दिवस उत्सव गत 21 मई की संध्या डूंगरमल जाजोदिया स्मृति भवन में आयोजित किया गया। जिसमे रंगिया के लगभग सभी जाजोदिया मंगलगोत्री परिजनो के साथ आमंत्रित समाजबंधुओ ने विधि विधान के साथ भगवान श्री गणेश, बजरंग बली सहित श्री राजल बिंदल दादी, श्री राधाकृष्ण व अपने कुल के पीतर पीतरानी की धोक लगाकर आशिर्वाद प्राप्त किया। इसके पूर्व रंगिया में द्वितीय वर्ष आयोजित उक्त उत्सव के तहत पंडित राजकुमार मिश्रा के मंत्रोचार के साथ यजमान पवन कुमार जाजोदिया सप्तनीक हीरा देवी जाजोदिया ने विधि विधान से नव ग्रह व सोढ़ष मात्रिका का पुजन किया। रंगिया श्री राजल बिंदल दादी परिवार के संयोजक प्रदीप कुमार जाजोदिया, पवन कुमार जाजोदिया, संजय जाजोदिया, डॉ. संजय जाजोदिया, जितेन्द्र जाजोदिया, जिमी जाजोदिया के संचालन में आयोजित गत मंगलवार को उत्सव में संध्या करीब 6 बजे से पुजन, संगीतमय भजन-कीर्तन, दिव्य ज्योत प्रज्ज्वलन, हनुमान चालीसा पाठ व श्री राजल बिंदल दादी चालीसा पाठ, महाआरती, पुष्पांजलि के बाद प्रसाद वितरण किया गया। जयकारे के साथ श्री बिंदल दादी का बैशाख सुदी तेरस के दिन 708 वां प्राकट्य उत्सव संपन्न किया गया। अपनी कुलदेवी के पावन श्री चरणों में सपरिवार चरण स्पर्श करते हुवे मंगलगोत्री रंगियावासी जाजोदिया परिवार सहित समाजबंधुओं ने जय दादी की नारों के साथ सपरिवार मंगलकामना करने की जानकारी दी है।

करीमगंज : सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज जिले के बाटईया इलाके में बुधवार को हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि डंपर (टीआर-01एटी-1762) द्वारा ठोकर मारे जाने से बाइक (एएस-10डी-8253) चालक नुरुल हसन उर्फ मंजू की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने असम-त्रिपुरा को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग का अवरुद्ध कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने लोगों को समझाकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

तेरापंथ युवक परिषद्, गुवाहाटी की वार्षिक आम सभा संपन्न

सतीश भादानी सर्वसम्मति से अध्यक्ष मनोनीत

गुवाहाटी। तेरापंथ युवक परिषद्, गुवाहाटी के सत्र 2023-24 की साधारण सभा रविवार को स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में अध्यक्ष जयंत सुराणा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। सभा का शुभारंभ जैन संस्करकों द्वारा सामूहिक नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ। विजय गीत का संगान विनीत चिंडालिया एवं साथियों ने किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन राकेश जैन ने किया। स्वागत वक्तव्य में अध्यक्ष जयंत सुराणा ने तेयुप के त्रिआयामों सेवा, संस्कार एवं संगठन के क्षेत्र में मिले सहयोग के लिए सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। विगत सभा की कार्यवाही का वाचन सहमंत्री पंकज सेठिया ने किया। मंत्री संदीप भादानी ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए वर्ष भर में तेयुप द्वारा किए गए सामाजिक एवं सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी दी, जिसमें संघीय कार्यों के साथ रक्तदान एवं नेत्रदान उल्लेखनीय हैं। कोषाध्यक्ष मुकेश बरड़िया ने अंकेक्षित आय-व्यय का ब्यौरा सदन में प्रस्तुत किया। तत्पश्चात सम्मान सत्र में सभी सहयोगियों को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। सीए संतोष पुगलिया को सर्वसम्मति से सत्र 2024-25 के लिए अंकेक्षक नियुक्त किया गया। चुनाव अधिकारी सुशील डागा ने पूरी चुनाव प्रक्रिया को बताते हुए सतीश भादानी को सत्र 2024-25 के लिए सर्वसम्मति से तेयुप अध्यक्ष मनोनीत किया। सभी संघीय संस्थाओं ने नवमनोनीत अध्यक्ष का स्वागत किया एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम को सफल बनाने में उपाध्यक्ष सुमनेश कोठारी एवं विकास नाहटा के साथ सभी सदस्यों का सक्रिय सहयोग मिला। सह मंत्री अमित मालू ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस आशय की जानकारी संगठन मंत्री कमलेश रांका ने दी।

संपादकीय

गर्मी का एहसास

कभी हिमाचल ग्रीष्म ऋतु के काबिल और मुकाबिल था, लेकिन अब वो फिजाएं शर्मिंदा हैं। वर्तमान दौर की गर्मी ने हिमाचल के कई हिल स्टेशन तक को पसीना-पसीना कर दिया है, तो यह स्थिति हमारी योजनाओं-परियोजनाओं की चुगली कर रही है। कंक्रीट के घनत्व में होता विकास और जीवन शैली की नव अदाओं में फंसा उपभोक्तावाद, हमारे जुर्म की स्वीकारोक्ति है। हिमाचल को अगर मौसम विभाग के नक्शे पर पढ़ा जाए, तो पर्यटन का यह सीजन एक अलग तरह की चेतावनी है। बेशक चढ़ती गर्मी ने पर्यटन की खुमारी बढ़ा दी है, लेकिन इसके भीतर की बीमारी नहीं समझी तो मुफ्त में बदनाम हो जाएंगे। हम अटल टनल के दोनों छोरों पर नाच कर किसे डरा रहे। एक हफ्ते में करीब तीन लाख पर्यटकों का जमावड़ा हमारी संगत का नशा है या इसकी धमक उन ग्लेशियरों से मुखातिब होगी जो पहले ही ऊना के चढ़ते पारे से खुद को बचाने के लिए हाय तौबा मचा रहे हैं। एक सप्ताह में 55 हजार के करीब वाहनों का द्वार बनी अटल टनल की हैरानी समझी जानी चाहिए। आखिर यह पर्यटन है किस कीमत पर। पूरा साल एक तरफ और गर्मियों का पर्यटन दूसरी तरफ। अगर हम अस्सी प्रतिशत पर्यटकों के लिए अपनी गर्मियों को हाजिर कर रहे हैं, तो यह सीजन सुविधाओं का नहीं, दुविधाओं का है। ट्रैफिक जाम की गर्मी में पर्यटक सीजन की नकारात्मक तस्वीर का एक पहलू यह कि शिमला, मनाली, मकलोडगंज, मंडी सहित अनेक डेस्टिनेशन परिवहन की त्रासदी बन चुके हैं। पर्यटन का एहसास अगर प्रदेश की नेमत नहीं बन रहा तो एक दिन कारवां उजड़ जाएगा, इसलिए पर्यटन सीजन को पूरे साल में बांटना होगा, खास तौर पर धार्मिक और संत समागमों को ग्रीष्मकालीन महीनों में अनुमति नहीं देनी होगी। ग्रीष्मकाल में हिमाचल की अपनी जरूरतों के मुताबिक बिजली, पानी और सिंचाई की आपूर्ति केवल कुछ गुंजाइश छोड़ती है। ऐसे में पांच करोड़ पर्यटकों के लक्ष्य में अस्सी फीसदी हिस्सा कल अगर गर्मियों में पहुंच गया, तो सारी व्यवस्था ठप हो जाएगी। भले ही जलवायु परिवर्तन के कारणों से दबा अलनीनो कमजोर होकर उत्तर भारत के तापमान को बढ़ा रहा है, लेकिन इसकी बदलती भूमिका में पहाड़ का दर्द बढ़ रहा है। हिमाचल जैसे राज्य के लिए हर ऋतु का नियमित व्यवहार अपेक्षित है, लेकिन आगे सरक रहे मौसम के व्यवहार ने अतिवादी रुख अपनाना शुरू किया है। मई के आरंभ तक सर्दी में दिन गिन रहे हिमाचल को अगर अब भयंकर गर्मी में उबलना पड़ रहा है, तो इसके साथ जुड़ी हिदायतों में स्थानीय निकायों की योजनाएं-परियोजनाएं नत्थी हैं। कृषि-बागबानी विभाग को नए सिरे से घुंघरू पहनने पड़े हैं, तो बरसाती इंतजामों की जद में एक नया चेतावनी सिस्टम खड़ा करना पड़ेगा। हद यह कि गर्मियों में लगभग सूखने के कगार पर खड्डें और नाले आगे चलकर बरसात में खूनी मंजर से भर जाते हैं। ऐसे में जल प्रबंधन की नाव को एक ओर सुरक्षा का छोर चाहिए, तो दूसरी ओर आपूर्ति के लिए जलधारा की उत्पत्ति चाहिए। विडंबना यह है कि जल शक्ति विभाग सीधे जल के उद्गम को निचोड़ते-निचोड़ते गर्मियों में लाचार और फटेहाल हो जाता है, फिर भी कोई सबक नहीं सीखता। जो जल प्रपात हमारे पर्यावरण व पर्यटन की आभा को संरक्षित कर सकते हैं, उनके हलक से भी अनावश्यक पानी खींच कर विभाग ने खतरे पैदा कर दिए हैं। धर्मशाला का भागसू जल प्रपात इसका एक बड़ा उदाहरण है, जहां सेना की छावनी ने इसके अस्तित्व को ही सुखा दिया है। हिमाचल कल तक मौसम की उलझन में सिर्फ बर्फबारी पर ही सचेत होता था, जबकि अब गर्मी और बरसात भी इसका चीरहरण कर रहे हैं। चढ़ते पारे की सुर्खियों में हिदायतों को जितना जल्दी पढ़ेंगे, उतना ही सही होगा।

> वर्तमान दौर की गर्मी ने हिमाचल के कई हिल स्टेशन तक को पसीना-पसीना कर दिया है, तो यह स्थिति हमारी योजनाओं-परियोजनाओं की चुगली कर रही है। कंक्रीट के घनत्व में होता विकास और जीवन शैली की नव अदाओं में फंसा उपभोक्तावाद, हमारे जुर्म की स्वीकारोक्ति है। हिमाचल को अगर मौसम विभाग के नक्शे पर पढ़ा जाए, तो पर्यटन का यह सीजन एक अलग तरह की चेतावनी है। बेशक चढ़ती गर्मी ने पर्यटन की खुमारी बढ़ा दी है, लेकिन इसके भीतर की बीमारी नहीं समझी तो मुफ्त में बदनाम हो जाएंगे। हम अटल टनल के दोनों छोरों पर नाच कर किसे डरा रहे। एक हफ्ते में करीब तीन लाख पर्यटकों का जमावड़ा हमारी संगत का नशा है या इसकी धमक उन ग्लेशियरों से मुखातिब होगी जो पहले ही ऊना के चढ़ते पारे से खुद को बचाने के लिए हाय तौबा मचा रहे हैं। एक सप्ताह में 55 हजार के करीब वाहनों का द्वार बनी अटल टनल की हैरानी समझी जानी चाहिए। आखिर यह पर्यटन है किस कीमत पर। पूरा साल एक तरफ और गर्मियों का पर्यटन दूसरी तरफ। अगर हम अस्सी प्रतिशत पर्यटकों के लिए अपनी गर्मियों को हाजिर कर रहे हैं, तो यह सीजन सुविधाओं का नहीं, दुविधाओं का है। ट्रैफिक जाम की गर्मी में पर्यटक सीजन की नकारात्मक तस्वीर का एक पहलू यह कि शिमला, मनाली, मकलोडगंज, मंडी सहित अनेक डेस्टिनेशन परिवहन की त्रासदी बन चुके हैं।

अमेरिका के भूतपूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के भी किस्से कम चटपटे नहीं थे

राजनीति और यौन शोषण

डा. वरिंदर भाटिया

कर्नाटक के एक उच्च नेता के पोते से जुड़ा यौन शोषण का मुद्दा चर्चा में है। कटु सत्य है कि आज राजनीति और यौन शोषण एक-दूसरे के पूरक बन रहे हैं। अतीत में और आज तक दुनिया भर में राजनेताओं के सेक्स स्कैंडल में शामिल होने के अनगिनत मामले सामने आए हैं। इस बिन्दु पर अपना देश भी अपवाद नहीं है। सत्ता की खुमारी के साथ अपनी वासनाओं को तृप्त करने की इच्छा को पूरी करने वाली कुछ खास शख्सियतों की प्रेमलीला हमेशा से ही दिल लुभाती रही है। कुछ समय पहले पाकिस्तान की फिजाओं में हिना और बिलावल के अफेयर के किस्से काफी मसाले के साथ उड़ रहे थे। कुछ अरसा पहले बांग्लादेश के एक वीकली टेबलॉयड की खबर में कहा गया था कि हिना और बिलावल का इश्क काफी हद तक परवान चढ़ चुका था और दोनों शादी करने का मन बना चुके थे। हिना तो बिलावल के लिए अपनी शादीशुदा जिंदगी को खत्म करने का मन बना चुकी थी। अमेरिका के भूतपूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के भी किस्से कम चटपटे नहीं थे। क्लिंटन के बारे में तो यह कहा जाता है कि वे एक साथ कई लड़कियों से सेक्स संबंध बनाते थे। राष्ट्रपति निवास में इंटर्न मोनिका लेंविस्की के साथ उनके अंतरंग संबंधों के किस्से तो काफी चर्चित हैं। लीबियाई तानाशाह नेता मुअम्मर अल गद्दाफी के नौकर की मानें तो गद्दाफी भी सेक्स के आदी थे। साल 2008 में गद्दाफी ने ब्रिटिश ट्रेड एंबेसेडर प्रिंस एंड्रयू के साथ मुलाकात से कुछ घंटों पहले चार महिलाओं के साथ संबंध बनाए थे। फैसल के मुताबिक ये महिलाएं कोई और नहीं बल्कि गद्दाफी की बॉडीगार्ड थीं। मीडिया रिपोर्ट बताती है कि इटली के एक प्रधानमंत्री सिल्वियो बर्लुस्कोनी ने मिलान स्थित अपने विला में मोरक्को की एक टीनएजर के साथ 13 बार पैसे देकर सेक्स संबंध बनाए। खबर तो यहां तक है कि बर्लुस्कोनी इस तरह का अय्याश रहा कि उसके सहयोगी लड़कियों का इंतजाम करते थे। न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर इलियट स्पाइजर का नाम तो सेक्स स्कैंडल में इस तरह उछला कि उन्हें अपने पद से हाथ धोना पड़ा। पेशे से गायिका अलेक्जेंड्रा डुप्रे से उनका शारीरिक संबंध था। डुप्रे को एक घंटे के लिए वो एक हजार डॉलर देते थे। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी की कहानियां तो और भी मजेदार हैं। कई लड़कियों के साथ सेक्स और अपनी न्यूड तस्वीरों को जारी करने में हैरी भी कम नहीं। भारतीय राजनीति में भी ऐसे कई सेक्स स्कैंडल सामने आए हैं जिन्हें जानकर पूरा देश हैरान हो जाता है। यह पहला मामला नहीं है, जब किसी सेक्स स्कैंडल का असर राजनीति में पड़ा है। प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार 1978 में मेनका गांधी की पत्रिका ने एक ऐसे ही मामले का खुलासा कर बाबू जगजीवन राम जी की राजनीति खत्म कर दी थी। बेटे के सेक्स स्कैंडल ने जगजीवन राम जी का सपना तोड़ दिया। मीडिया पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार 1978 में सूर्या नाम की

पत्रिका ने बाबू जगजीवन राम के बेटे सुरेश राम के सेक्स स्कैंडल का खुलासा किया। इस पत्रिका की संपादक एक वर्तमान नेत्री थीं। पत्रिका में सुरेश की कई अश्लील तस्वीरें भी छापी गई थीं। इन तस्वीरों को पत्रिका में छाप दिया गया। इन तस्वीरों में जो महिला सुरेश के साथ थी वह उनकी कथित गर्लफ्रेंड थी और अश्लील तस्वीरें सामने आने के बाद दोनों ने शादी भी कर ली थी। हालांकि, इन सबके बीच जगजीवन राम प्रधानमंत्री पद की रेस से पूरी तरह बाहर हो गए। इसी कड़ी में 2009 में दिवंगत एनडी तिवारी का स्कैंडल बहुत चर्चित था। जिस समय यह सेक्स स्कैंडल सामने आया था उस वक्त एनडी तिवारी आंध्र प्रदेश के राज्यपाल के पद पर थे। एक स्टिंग ऑपरेशन में राज भवन के अंदर आधिकारिक निवास में उनको तीन महिलाओं के साथ बिस्तर पर दिखाया गया था। इस घटना से पूरा देश सकते में आ गया था। किसी को इस टेप पर विश्वास ही नहीं हुआ था। इस टेप के सामने आने के बाद एनडी तिवारी ने माफी मांगते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। 2011 में महिपाल मदेरणा-भंवरी देवी का स्कैंडल भी सुर्खियों का हिस्सा बना था। पेशे से नर्स भंवरी देवी और राजस्थान सरकार में मंत्री महिपाल मदेरणा का सेक्स स्कैंडल सामने आया था जिस पर काफी कॉन्ट्रोवर्सी हुई थी। भंवरी देवी एक सीडी की धमकी देकर विधायक मलखान सिंह और मदेरणा से करोड़ों रुपए मांग रही थी। उस सीडी में मदेरणा और अन्य लोग भंवरी देवी के साथ आपत्तिजनक हालत में थे। यह मामला उस समय सामने आया था, जब भंवरी देवी के पति ने आरोप लगाया कि मदेरणा ने उनकी पत्नी का अपहरण कर लिया है। इस आरोप पर जांच हुई थी तो यह सेक्स स्कैंडल सामने आया था। इसके बाद राजस्थान सरकार ने भंवरी देवी के मर्डर केस में महिपाल को अरेस्ट कर लिया था। इसी कड़ी में 1992 में अजमेर के सोफिया स्कूल से जुड़ा एक सेक्स स्कैंडल सामने आया था, जिसमें 17-20 साल की 100 से ज्यादा लड़कियों का यौन शोषण होने की बात सामने आई थी। मामले के मुख्य आरोपी ने पहले एक लडक़ी को फंसाया था। उसके साथ अश्लील तस्वीरें खींची और ब्लैकमेल कर फॉर्म हाउस में उसका यौन शोषण करता रहा। उस लडक़ी पर दबाव बनाया और दूसरी लड़कियों को भी फॉर्म लाने के लिए कहा। इसके बाद एक-एक कर 100 से ज्यादा लड़कियां इसकी शिकार हुईं। हमारे आसपास कद्दावर लोग राजनीतिक शक्ति को अंतिम लाइसेंस मानते हैं जो उन्हें कुछ भी जीत कर दिला सकती है और जो उन्हें सब कुछ से बच निकलने में सक्षम भी बनाती है। हम यह समझें कि लव, सेक्स और धोखा सिर्फ बॉलीवुड इंडस्ट्री में ही होता है, तो हम गलत हैं। राजनीतिक दुनिया इसकी मौसी जैसी बन गयी है। आज राजनीति में रसूख से कुछ भी हो सकता है। कद्दावर नेताओं ने अपनी जिंदगी में रसूख का इस्तेमाल कर महिलाओं के साथ ज्यादतियां भी की हैं। आज सेक्स शोषण के डर से महिलाएं राजनीति में आने से गुरेज करती हैं। क्या यह सच नहीं है कि बॉलीवुड के कास्टिंग काउच की तरह महिलाओं के लिए भी राजनीति में ऊंचा मुकाम हासिल करने का रास्ता पॉलिटिकल बेडरूम से होकर निकलता है। महिलाएं, हमेशा की तरह, कामुक राजनेताओं के लिए आसान शिकार हैं और इतिहास में ऐसे कई मामले देखे गए हैं जहां इन लोगों के तथाकथित लोक सेवकों ने अपने मतदाताओं की माताओं, बेटियों और बहनों के प्रति अनादर दिखाया है। अंत में यह कहना उचित होगा कि नैतिकता और राजनीति एक-दूसरे के विरोधाभासी हैं और सेक्स शोषण राजनीति का टॉनिक बन गया है। कुछ हद तक इसके लिए कुछ महिलाएं भी कसूरवार हैं, जो राजनीतिक हवाखोरी के लिए अस्मत का सौदा करती हैं। इसे रोकना होगा क्योंकि राजनीति में नैतिकता उतनी ही महत्त्वपूर्ण है जितनी कि जीवन के किसी अन्य पहलू में इसकी आवश्यकता होती है।

> सत्ता की खुमारी के साथ अपनी वासनाओं को तृप्त करने की इच्छा को पूरी करने वाली कुछ खास शख्सियतों की प्रेमलीला हमेशा से ही दिल लुभाती रही है। कुछ समय पहले पाकिस्तान की फिजाओं में हिना और बिलावल के अफेयर के किस्से काफी मसाले के साथ उड़ रहे थे। कुछ अरसा पहले बांग्लादेश के एक वीकली टेबलॉयड की खबर में कहा गया था कि हिना और बिलावल का इश्क काफी हद तक परवान चढ़ चुका था और दोनों शादी करने का मन बना चुके थे।

दृष्टि कोण

मतदान में युवाओं की अत्यावश्यक भूमिका

भारत को अपने मूल लोकतांत्रिक सिद्धांतों को मजबूत बनाने के लिए अपनी युवा शक्ति का भरपूर इस्तेमाल करना चाहिए और राजनीति व लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना चाहिए। हाल ही में महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा पेश की गई एक रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में 18-19 साल के महज 790000 युवा मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं जबकि राज्य में इस आयु वर्ग के युवाओं की संख्या 4209000 है। राज्य की कुल जनसंख्या में 18-19 साल के युवाओं की संख्या 4.5 प्रतिशत है, लेकिन इस आयु वर्ग में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या राज्य की आबादी का महज 0.6 प्रतिशत है। राज्य भर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में नियमित रूप से मतदाता पंजीकरण अभियान चलाए जाने के बावजूद, 18-19 आयु वर्ग में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या में मामूली सुधार हुआ है। जहां नवंबर 2022 में ऐसे मतदाताओं की संख्या कुल आबादी का 0.3 प्रतिशत थी, वहीं अप्रैल 2023 के लिए यह आंकड़ा 0.6 प्रतिशत था। चूंकि मतदाता पंजीकरण एक जीवंत, समावेशी और मजबूत सहभागिता वाली लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहली सीढ़ी है, ऐसे में मतदान के प्रति युवाओं की उदासीनता के कारणों को दूर करना जरूरी है। इन आंकड़ों से देश भर में शहरी मतदाताओं की उदासीनता का पता चलता है, जहां राष्ट्र और राज्य स्तर के चुनावों की तुलना में स्थानीय चुनावों में बेहद कम मतदान होता है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि देश के कई शहरी युवा अपने मताधिकार के प्रयोग से दूर रहे हैं, और इस बात को लेकर राष्ट्रीय युवा नीति 2014 में भी चिंता जताई गई है। नीति में राजनीति में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर देने के अलावा यह भी कहा गया है कि राजनीति और प्रशासन में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए बेहद कम समन्वित प्रयास किए गए हैं। भारत की राजनीति को 'युवा देश, बूढ़े नेता' के रूप में

परिभाषित किया जाता है। भारतीय राजनीति में अपनी धाक जमाने वाले ज्यादातर युवा नेता बड़े राजनीतिक परिवारों से ताल्लुक रखते हैं, जो सामाजिक-राजनीतिक रूप से बेहद प्रभावशाली हैं। हालांकि मुख्यधारा की लगभग हर राजनीतिक पार्टी का अपना एक स्टूडेंट विंग है और ये सभी पार्टियां कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्र संघ के चुनावों में जोर शोर से भाग लेती हैं, लेकिन ऐसा कोई व्यवस्थित तंत्र मौजूद नहीं है जो छात्र नेताओं को विधायी राजनीति में आगे बढने में मदद कर सके और उन्हें मार्गदर्शन प्रदान कर सके। उदाहरण के लिए, 17वीं लोकसभा (2019-2024) में 40 वर्ष के कम उम्र सांसदों की संख्या महज 12 प्रतिशत है, वहीं स्वतंत्र भारत की पहली लोकसभा में 26 प्रतिशत सांसदों की उम्र 40 वर्ष से कम थी। खासकर (हर बड़े) चुनाव से पहले राजनीतिक पार्टियां अपने घोषणापत्रों में युवाओं के लिए महत्वाकांक्षी कार्यक्रम शुरू करने की बात करती हैं, जिनका अखबारों और सोशल मीडिया के जरिए भारी प्रचार किया जाता है। राजनीतिक संपर्क अभियानों में बड़े पैमाने पर युवाओं को शामिल किया जाता है और राजनीतिक पार्टियां शक्ति प्रदर्शन के लिए चुनावी रैलियों में युवाओं की भागीदारी को प्रचारित करती हैं। हालांकि, चुनाव के बाद युवाओं के मुद्दों (शिक्षा और रोजगार) को तरजीह नहीं दी जाती, जो चुनावी राजनीति में युवाओं की कमजोर स्थिति को बताता है क्योंकि उनमें अपनी मांगों को मजबूती से रखने की क्षमता नहीं है। यहां तक कि छात्र नेता जब विधायी चुनावों में शामिल होते हैं, तो उनके पास राजनीतिक सौदेबाजी की ताकत बेहद सीमित होती है। इस तरह से देखें तो यही लगता है कि युवाओं की मतदाता भागीदारी अगर कम है तो यह एक विचित्र घटना न होकर एक अपेक्षित परिणाम मात्र है। भारत की राजनीतिक पार्टियों और नीति निर्माताओं को ऐसे रास्ते तलाशने होंगे जिनके जरिए युवाओं तक पहुंच बनाई जा सके और उन्हें देश की विकास यात्रा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। प्रतिनिधित्व के सवाल के अलावा, युवाओं की भागीदारी बढने से उनसे जुड़े मुद्दों को भी ज्यादा अहमियत मिलेगी। शिक्षा और रोजगार से जुड़ी पारंपरिक चुनौतियों के अलावा शासन तंत्र को युवाओं को प्रभावित करने वाले दूसरे अन्य मुद्दों का भी समाधान करना चाहिए। उदाहरण के लिए, जापान और चीन जैसे विकसित देशों में बच्चे न पैदा करने के पीछे वित्तीय दबाव एवं पारंपरिक लैंगिक भूमिकाएं जिम्मेदार हैं, ऐसे रुझान भारत में भी देखे जा रहे हैं, जहां ऐसी महिलाओं की संख्या बढ़ती जा रही है जो बच्चे न पैदा करने का विकल्प चुन रही हैं।

कुछ अलग

किस्सा घड़ियाल की बिन आंसुई आंखों का

स्वास्थ्य लाभ के बहाने मार्निंग टॉक करता आज भी निकला था कि रास्ते में घडियाल मिल गया। जनाब भी मार्निंग वॉक करने के बहाने मार्निंग टॉक करने निकले थे। यही तो वक्त होता है जब चंद लोग सडक़ में चलते हुए मिल जाते हैं, उनसे दुआ सलाम हो जाती है। वर्ना शेष सारा दिन तो खुद ही खुद की सलामती की दुआएं करते रहो। घडियाल मेरे हालचाल पूछता मेरे साथ साथ चलने लगा तो मैंने पता नहीं क्यों उसकी आंखों में झांका। वैसे मैं बहुधा औरों की जेबों में झांका करता हूं। उसकी आंखों में झांका तो लगाए यार! इसकी आंखों से तो आंसू गायब हैं तो अचंभा हुआ। घडियाल की आंखें बिन आंसुओं के? मुझे लगा, उसकी आंखों में कहीं कोई दिक्कत न हो गई हो। असल में क्या है कि जिनकी जो फितरत होती है, उनमें वह न दिखे तो आपकी तो आप जानो, पर मेरे जैसे बंदे परेशान जरूर हो जाते हैं। 'और घडियाल भाई! तुम्हारी आंखें कैसी हैं? तुममें और तो सब कुछ पुराना ही नजर आ रहा है, पर तुम्हारी आंखों में आंसू नजर नहीं आ रहे। आखिर क्या हो गया तुम्हारी आंखों को? मेरी समझ से इससे पहले कि आंखों का कुछ का कुछ हो जाए किसी हड्डियों के अच्छे से डॉक्टर को अपनी आंखें बता लो।' 'ऐसा कुछ नहीं भाई साहब जैसा आप समझ रहे हैं। पर इसके लिए दिल से थैंक यू कि आपने कम से कम मेरी आंखों में तो झांका। मेरी आंखें बिल्कुल ठीक हैं। असल में क्या है न पिछले हफ्ते एक नेताजी मेरे घर आए। दोनों हाथ जोड़े अपनी टोपी मेरे चरणों में रख बोले, 'रे घडियाल भाई! अब मेरी जीत तुम्हारे हाथ। तुम तो जानते ही हो कि चुनाव के दिन हैं। चुनाव के दिनों में बात बात पर जो नेता जनता के आगे जितना रोता है वह उतना ही कुर्सी पर अगले पांच सालों के लिए कुंभकरण हो सोता है। चुनाव प्रचार के दौरान जनता के आगे बात बात पर रोते रोते मेरे आंसू खत्म हो गए हैं। अब मैं तुम्हारी शरण में आया हूं।' 'तो कहिए मैं आपके किस तरह काम आ सकता हूं?' मैंने द्रवित हो नेताजी से पूछा तो वे बोले, 'कुछ दिनों के लिए अपने आंसू उधार दे दो तो चुनाव खत्म होते ही मैं तुम्हें तुम्हारे आंसू सादर सूद सहित लौटा दूंगा। मैं तुम्हें आश्वासन देता हूं।' 'पर नेता पर विश्वास कौन करे? कल को कहीं ऐसा न हो कि तुम मुझसे मेरे आंसू उधार लेकर लौटाने से मुकर जाओ और मैं सदियों से चली आ रही कहावत से हाथ धो बैठूं', मैंने दो टूक कहा तो वे बोले, 'मैं जनता से धोखा कर सकता हूं पर अपने मौसेरे भाई से नहीं। मैं अपने खुदा से धोखा कर सकता हूं, पर अपने मौसेरे भाई से नहीं। मुझ पर विश्वास नहीं तो लो, मैं गारंटी देता हूं। ये ऐसे वैसे की गारंटी नहीं, नेशनल नेता की गारंटी है', और मैंने उन्हें अपनी एक आंख के आंसू उधार दे दिए। लेकिन जैसे ही दूसरे दल के नेता को इस बात का पता चला कि मैंने उनको अपने आंसू उधार दिए हैं तो वे भी मेरे घर आ धमके। आते ही बोले, 'हद है घडियाल भाई! मैंने आपका क्या बिगाड़ा था जो...।' 'मतलब! मैं कुछ समझा नहीं भाई साहब!' सच कहूं तो मैं कुछ समझा भी नहीं था। 'मेरे होते हुए भी तुमने मेरे विरोधी को अपने आंसू उधार दे दिए जनता को बहलाने के लिए? कल टीवी पर उनके आंसुओं को देख मैं एकदम समझ गया था कि बंदे के ये आंसू अपने नहीं। कहीं से पक्का मार कर लाया है। जब उनकी पार्टी में अपने खुफियाओं से संपर्क साधा तो उन्होंने बताया कि वे तुमसे आंसू उधार ले गए हैं। अब मैं तुम्हारी एक नहीं सुनने वाला। तुम कहीं से भी मैनेज करो, बस, मुझे तुम्हारे आंसू चाहिए चुनाव तक। चुनाव संपन्न होते ही मैं तुम्हारे आंसू तुम्हें सादर एक सौ प्रतिशत पर डे सूद समेत लौटा दूंगा।

> पांचवें चरण में भी मतदान का प्रतिशत 59 .14 रहा। जबकि 2019 में यह प्रतिशत 62 रहा था। उत्तर प्रदेश जहां राम-मंदिर निर्माण के मुद्दे को लेकर भाजपा को उम्मीद थी कि यहां मतदान प्रतिशत बढ़ेगा, लेकिन यहां कि 14 लोकसभा सीटों पर हुए चुनाव में 57 .79 प्रतिशत मतदान रहा। जबकि 2019 में यह प्रतिशत 58 .53 था। लेकिन खुशी की बात है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में मतदान का प्रतिशत उम्मीद से कहीं ज्यादा रहा है। जम्मू-कश्मीर में 59 तो लद्दाख में 67 .15 प्रतिशत रहा। इससे पता चलता है कि तीन दशक तक आतंक और अलगाववाद की गिरफ्त में रही इस घाटी में जनता ने धारा-370 के खात्मे को स्वीकार कर लिया है। पश्चिम बंगाल में पांचवें चरण में सबसे ज्यादा 73 .14 तो महाराष्ट्र में सबसे कम 53 .67 प्रतिशत मतदान रहा।

देश दुनीया से

मतदान से मतदाता का मन भांपना मुश्किल

लोकसभा चुनाव के दौरान अब तक संपन्न हुए पांच चरणों के मतदान का प्रतिशत 2019 की तुलना में कम ही रहा है। पांचवें चरण में भी मतदान का प्रतिशत 59.14 रहा। जबकि 2019 में यह प्रतिशत 62 रहा था। उत्तर प्रदेश जहां राम-मंदिर निर्माण के मुद्दे को लेकर भाजपा को उम्मीद थी कि यहां मतदान प्रतिशत बढ़ेगा, लेकिन यहां कि 14 लोकसभा सीटों पर हुए चुनाव में 57.79 प्रतिशत मतदान रहा। जबकि 2019 में यह प्रतिशत 58.53 था। लेकिन खुशी की बात है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में मतदान का प्रतिशत उम्मीद से कहीं ज्यादा रहा है। जम्मू-कश्मीर में 59 तो लद्दाख में 67.15 प्रतिशत रहा। इससे पता चलता है कि तीन दशक तक आतंक और अलगाववाद की गिरफ्त में रही इस घाटी में जनता ने धारा-370 के खात्मे को स्वीकार कर लिया है। पश्चिम बंगाल में पांचवें चरण में सबसे ज्यादा 73.14 तो महाराष्ट्र में सबसे कम 53.67 प्रतिशत मतदान रहा। साफ है, राजनीतिक दलों और निर्वाचन आयोग के संयुक्त प्रयासों के बावजूद मतदान का न बढ़ना लोकतंत्र के लिए चिंताजनक पहलू है। हालांकि अब तक हुए पांच चरणों में लगभग एक से दो प्रतिशत कम रहा मतदान कोई बहुत बड़ा अंतर नहीं है। अतएव एकाएक यह नहीं कह सकते कि यह घटा हुआ मतदान राजग को सत्ता से बाहर कर देगा, बल्कि अभी तक जितना मतदान हुआ है, वह सत्तापक्ष का ही समर्थन करता दिख रहा है। खासतौर से पहले दो चरणों में कम मतदान का कारण मतदाता की मतदान से बेफिक्री भी रही थी। दरअसल, भाजपा और उसके सहयोगी संगठनों के समर्थक मतदाता और कार्यकर्ता इस सोच में हैं कि नरेन्द्र मोदी सरकार का फिर से सत्ता में आना तय है। दूसरी तरफ कांग्रेस और आइएनडीआइए गठबंधन का मतदाता इसलिए निराश है, क्योंकि वह जानता है कि इस गठबंधन के पास न तो कोई केंद्रीय नेतृत्व है, न ही राष्ट्रीय दृष्टिकोण और न ही प्रचार के संसाधन, इसलिए इंडी गठबंधन राजग से मुकाबले में बहुत पीछे है। यह सोचकर मतदाता मान बैठा है कि कांग्रेस या इंडी गठबंधन को वोट दे भी दिया जाए तो उससे इच्छित परिणाम निकलने वाला नहीं है। एक ओर कारण है, शुरुआती दो चरणों में हुए मतदान के दौरान बड़ी संख्या में विवाह हो रहे थे, इसलिए लोग बड़ी संख्या में अपने मतदान केंद्रों से दूर किसी शहर या गांव में थे, अतएव मतदान करने से वंचित रह गए। बावजूद इसके जिन सीटों पर मतदान कम रहा है, उसका प्रमुख कारण चुनाव का इकतरफा हो जाना भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दूसरी बार सत्ता संभालने के बाद अनेक बुनियादी मुद्दों का संवैधानिक निराकरण तो किया ही, देशव्यापी लोक-कल्याणकारी योजनाओं को भी कामयाबी के साथ जमीन पर उतारा। इनके असर के चलते अधिकांश सीटों पर इकतरफा मतदान का रुख देखने को मिल रहा है। यही रुख नरेन्द्र मोदी के संकल्प अर्थात 400 सीटें राजग की झोली में

डालता दिखाई दे रहा है। मोदी ने जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35-ए के खात्मे के साथ देश में तीन तलाक कानून खत्म करने जैसे महत्वपूर्ण फैसले लिए। इसका परिणाम रहा कि जम्मू-कश्मीर में मतदान का प्रतिशत उछाल मार रहा है। 10 वर्ष पहले का कश्मीर देखते हुए यह एक चमत्कार ही है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण का रास्ता भी नरेन्द्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में ही खुला और राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा वैदिक रीति से गरिमा के साथ संपन्न हुई। इस आयोजन के आमंत्रण को ठुकराकर कांग्रेस ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का काम किया। इसी के बाद से मतदाता की मानसिकता भाजपा के पक्ष में और अधिक झुकी दिखाई दे रही है। नतीजतन, मतदाता इस भ्रम में उदासीन रहा कि भाजपा तो जीत ही जाएगी, अतएव मेरे एक वोट डालने से कुछ बिगड़ने वाला नहीं है। इसी इकतरफा माहौल के चलते कुलीन मतदाता घरों से बाहर नहीं निकला।

दो चरणों में मतदान कम रहने से मोदी समर्थक मतदाता सचेत हो गया। एक बड़े वर्ग को लगा कि यदि वह मतदान करने घर से नहीं निकला, तो कम प्रतिशत कहीं मोदी सरकार को सत्ता में लौटने में परेशानी न पैदा कर दे? लोगों को वह कहानी भी याद आ गई होगी कि गांव का अकाल मिटाने के लिए जब ग्रामीणों को कहा गया कि सूखे तालाब में एक-एक लोटा दूध डालने से जब तालाब भर जाएगा, तो गांव का अकाल दूर हो जाएगा। किंतु यह सोचकर प्रत्येक ग्रामीण पानी का भरा लोटा डाल आया कि मेरे अलावा तो शेष मतदाता दूध का भरा लौटा डाल ही रहे हैं। अंततः नतीजा यह रहा कि तालाब दूध से नहीं भर सका और गांव का अकाल न मिट सका। शुरुआती दो चरणों के मतदान प्रतिशत के कम रहने पर तीसरे, चौथे और पांचों चरण के मतदाता ने यही सोचा कि यदि मैं अपना मत देने नहीं गया तो गांव के अकाल की तरह देश में स्पष्ट बहुमत वाली सत्ता का अकाल पड़ जाएगा। यह सोच भी मतदान प्रतिशत बढ़ाने का एक कारण रहा। कुछ लोग यह सोचकर भी सिहर गए होंगे कि कहीं स्पष्ट बहुमत न मिलने पर खिचड़ी सरकार का दौर न लौट आए, जिसमें उलझकर भारत ने अपने महत्वपूर्ण दो-तीन दशक बर्बाद कर दिए। मतदान के शेष अगले चरणों में यदि मतदान 70 से 75 फीसदी से ऊपर पहुंचता है, तो यह स्थिति लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत रहेगी। यह वजह कालांतर में अल्पसंख्यक समुदायों व जातीय समूहों को वोट बैंक की लाचारगी से मुक्ति दिलाएगी। दलों को भी तुष्टिकरण की राजनीति से छुटकारा मिलेगा।

आप का नजरीया

शहरी उदासीनता का चुनाव

आम चुनाव, 2024 के 5वें चरण के मतदान के साथ ही 428 लोकसभा सीटों पर चुनाव सम्पन्न हो गया। गुजरात में एक निर्वाचन निर्विरोध हुआ था। शेष 114 सीटों के लिए दो चरण मतदान अभी होने हैं। उसके बाद ही जनादेश का विश्लेषण किया जा सकता है। दरअसल इस बार चुनाव की बुनियादी चिंता यह रही कि शहरी मतदाता अपेक्षाकृत उदासीन रहा। उसने मतदान के प्रति दायित्व और मताधिकार के महत्व को कमतर आंका, नतीजतन मतदान के शुरुआती आंकड़े निराश करते रहे। हालांकि अपडेट मतदान पहले चरण में 66.14 फीसदी, दूसरे में 66.71 फीसदी, तीसरे में 65.68 फीसदी और चौथे चरण में 69.16 फीसदी तय किया गया है। विपक्ष ने इन बढ़े आंकड़ों पर भी सवाल उठाया कि चुनाव आयोग गड़बड़ कर रहा है, लेकिन मतदान को अद्यतन करने में कुछ दिन लगे, इस पर कोई भी सर्वोच्च अदालत तक नहीं गया। चुनाव आयोग ने भी स्पष्टीकरण दिया कि इतने बड़े देश के, कोने-कोने से, मतदान के आंकड़ों को जुटाने और संयोजित करने में वक्त लगना सहज प्रक्रिया है। बहरहाल मतदान के अब जो आंकड़े सामने आए हैं, वे सम्मानजनक हैं, अलबत्ता 2019 के चुनाव की तुलना में अब भी कम हैं। चुनाव के 5वें चरण में भी, 20 मई रात्रि 11.45 बजे तक, आठ राज्यों और संघशासित क्षेत्रों की 49 सीटों पर 60.3 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। यह 2019 के 5वें चरण के 62.5 फीसदी मतदान से कुछ कम रहा है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि शुक्रवार, 24 मई तक मतदान का अंतिम आंकड़ा दर्ज किया जा सकता है, लिहाजा मतदान के आंकड़ों में भी बढ़ोतरी होना स्वाभाविक है। बहरहाल दो जगह पर मतदान बड़ा उत्साहवर्धक रहा है और दोनों ही कश्मीर के हिस्से रहे हैं। लद्दाख आज संघशासित क्षेत्र है, जो जम्मू-कश्मीर राज्य का ही हिस्सा था, वहां करीब 70 फीसदी मतदान किया गया। दूसरा क्षेत्र बारामूला है, जो नियंत्रण-रेखा के करीब है और आतंकियों की पनाहगाह रहा है। इस संसदीय सीट में सोपोर भी सम्मिलित है, जो पत्थरबाजी के गढ़ के तौर पर कुख्यात था। वहां हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के नेताओं का भी खूब प्रभाव था, लिहाजा चुनावों के बहिष्कार होते रहते थे। इस बार सोपोर और पहलगाम आदि इलाकों में मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें देखी गईं, तो लगा कि 'जन्नत का जम्हूरियत' यही है। बारामूला सीट पर 1984 के बाद पहली बार 50 फीसदी से अधिक मतदान हुआ है। वहां 57.4 फीसदी मतदान किया गया है, जो 40 साल के बाद एक कीर्तिमान दर्ज किया गया है। यकीनन भारत और कश्मीर बदल रहे हैं, लेकिन सवाल है कि महाराष्ट्र में सबसे कम 54.3 फीसदी मतदान ही क्यों हुआ? दूसरा सबसे कम मतदान 54.9 फीसदी बिहार में क्यों किया गया? सबसे बड़े राज्य उप्र में भी मतदान 60 फीसदी से कम रहा, हालांकि राहुल गांधी की सीट रायबरेली और पूर्व संसदीय क्षेत्र अमेठी में मतदान 2019 की तुलना में अधिक हुआ है। सबसे अधिक मतदान 74.7 फीसदी पश्चिम बंगाल में दर्ज किया गया। वहां अक्सर मतदान लबालब होता है, फिर भी 2019 की तुलना में कम रहा है।

भोजपुरी स्टार पवन सिंह भाजपा से निष्कासित

पटना (हिंस)। भोजपुरी स्टार पवन सिंह को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निष्कासित कर दिया है। पवन सिंह को भाजपा ने आसनसोल लोकसभा सीट से सिंबल दिया था, जिसे बाद में पवन सिंह ने भाजपा शीर्ष नेतृत्व से मिलकर सिंबल वापस कर दिया था। इसके बाद उन्होंने निर्दलीय कैंडिडेट के तौर पर एनडीए के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरने का फैसला किया। भाजपा के पत्र में कहा गया है कि पवन सिंह भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हैं और वे लोकसभा चुनाव में एनडीए के अधिकृत उम्मीदवार के विरुद्ध चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में उनका यह कार्य दल विरोधी है। इससे पार्टी की छवि घूमिल हुई है। साथ ही यह कार्य पार्टी अनुशासन के विरुद्ध है। इसलिए पवन सिंह को दल विरोधी कार्य के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के आदेशानुसार पार्टी से निष्कासित किया जाता है। उल्लेखनीय है कि काराकट लोकसभा सीट पर एक जून को मतदान होना है। इस लोकसभा क्षेत्र में यादव, कुशवाहा, राजपूत, ब्राह्मण, भूमिहार, दलित, महादलित, कुर्मी, वैश्य और मुस्लिम मतदाता प्रमुख हैं।

इंडी गठबंधन वाले चोर चोर मौसेरे भाई : शिवराज

धनबाद (हिंस)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने धनबाद लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो के पक्ष में झरिया स्थित जियलगोड़ा मैदान में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी समेत पूरे इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। साथ ही कहा कि ये इंडी गठबंधन वाले चोर-चोर मौसेरे भाई हैं। शिवराज ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मुझे कोयलांचल की धरती पर आने का मौका मिला लेकिन आज मन बहुत दुखी है। झारखंड को जिस तरह से लूटा गया है, उससे मन गुस्से से भर जाता है। इन इंडी गठबंधन वालों ने जिस तरह से कोयला, बालू, पत्थर, पहाड़, जमीन और सरकारी योजनाओं का पैसा लूटा वो असहनीय है लेकिन अब ऐसे भ्रष्टाचारी या तो जेल में हैं या इनके जेल जाने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि जनता इन्हें जवाब देगी। झारखंड की जनता के मन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति प्यार, श्रद्धा और विश्वास है। इस बार झारखंड की सभी सीटें एनडीए गठबंधन जीत रही है। शिवराज ने कहा कि इन इंडी गठबंधन वालों के मंत्री, सांसद और विधायक सभी लूटने में लगे हैं। इनके यहां से करोड़ों रुपए मिलते हैं। इतना ही नहीं इनके पूर्व मुख्यमंत्री ने खुद सेना की जमीन लूटन का पाप किया है और यही वजह है कि वे आज जेल की सलाखों के पीछे हैं। पीएम मोदी गरीबों के लिए पैसे भेजते हैं और ये इंडी गठबंधन वाले अपने घरों में उन पैसों का पहाड़ खड़ा कर देते है और बड़ी ही बेशर्मी से चुनाव लड़ने आ जाते है। इन्हें तो चुल्लू भर पानी में डूब मरना चाहिए। उल्लेखनीय है कि धनबाद लोकसभा सीट के लिए 25 मई को मतदान होना है।

भारतीय वायुसेना में अग्निवीर वायु की भर्ती रैली के पंजीकरण शुरू

जयपुर (हिंस)। भारतीय वायुसेना में अग्निपथ स्कीम के अंतर्गत अग्निवीरवायु (संगीतकार) भर्ती रैली के लिए आनलाइन पंजीकरण 22 मई से शुरू हो रहे हैं। जनसंपर्क अधिकारी (रक्षा) कर्नल अमिताभ शर्मा के अनुसार इच्छुक अविवाहित पुरुष एवं महिला उम्मीदवार अग्निवीरवायु (संगीतकार) रैली भर्ती से संबंधित सभी नियमों की विस्तृत जानकारी भारतीय वायुसेना की अधिकारिक वेबसाईट से प्राप्त कर सकते हैं। उम्मीदवार अग्निवीरवायु (संगीतकार) रैली भर्ती के लिए 05 जून 2024 रात्रि 11 बजे तक साईट पर लॉगइन कर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। 02 जनवरी 2004 से 02 जुलाई 2007 के बीच जन्मे अविवाहित पुरष एवं महिला उम्मीदवार इस भर्ती के लिए पात्र होंगे। किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 10वीं उत्तीर्ण हो तथा दो वाद्ययंत्र बजाने की दक्षता हो।

कमल का फूल खिलते ही सपा की गुंडागर्दी शांत हो जाएगी : केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज (हिंस)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी गुंडों की पार्टी है और फिर गुंडागर्दी करने के लिए सत्ता में आना चाहते हैं। इसलिए हम सभी को सजग रहना होगा। सपा की गुंडागर्दी की प्रयागराज में पुनः पुनरावृत्ति न होने पाए, इसलिए भारतीय जनता पार्टी के प्रयागराज के दोनों सीटों पर कमल खिलाएं। सिविल लाइन स्थित एक गार्डन में बुधवार को प्रबुद्ध वर्ग के मतदाता जागरूकता की बैठक हुई। इसमें उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आप भाजपा का कमल खिलाएंगे तो प्रयागराज का जो विकास आपको दिखाई दे रहा है, वह सिर्फ झांकी है, पूरी पिक्चर अभी बाकी है। जब भाजपा का कमल खिलेगा तो जो सपा के गुंडे चुनाव में फिर दिखाई देने लगे हैं, उनकी गर्मी शांत हो जाएगी। डिप्टी सीएम ने कहा कि पहले मतदान फिर जलपान का नारा सिर्फ नारा न रह जाए। इसे धरातल पर उतारना प्रबुद्धजनों की जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि प्रयागराज प्रबुद्धजनों की धरती है। इसलिए पिछले चुनाव की अपेक्षा मतदान के सारे रिकॉर्ड हमें तोड़ना है। ज्यादा से ज्यादा मतदान करना है। इस अवसर पर विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा, बालेंदु मणि त्रिपाठी, कविता पटेल, वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी, अखिलेश सिंह कुशवाहा, लल्लू लाल कुशवाहा, राघवेंद्र सिंह, पार्षद रीता मौर्य, मनोज कुशवाहा, आदि सैकड़ों प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

भाजपा की मेहरबानी से नहीं, जनता के पैसे से मिल रहा फ्री का राशन : मायावती

सुलतानपुर (हिंस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बुधवार को कहा कि पूर्व में केंद्र में रही कांग्रेस सरकार की तरह ही वर्तमान में भाजपा सरकार भेदभाव कर रही है। जनता को मिलने वाले फ्री राशन को भाजपा के लोग अपनी जेब से नहीं दे रहे हैं बल्कि जनता जो सरकार को टैक्स देती है उसी पैसे से राशन दिया जा रहा है। ये कोई मेहरबानी नहीं है। गोसाईगंज के मोतीगंज में बुधवार को अपने पार्टी उम्मीदवार के लिए चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जातिवादी, हीनवादी, सम्प्रदायवादी और पूंजीवादी सोच के चलते ही पूरे देश में खासकर दलित, गरीबों आदिवासियों, मुस्लिम आदि का विकास में उत्थान नहीं हो सका। पूरे देश में दलितों आदिवासियों एवं अन्य पिछड़े वर्गों का सरकारी नौकरियों में बरसों से अधूरा पड़ा आरक्षण का कोटा भी अभी तक

पूरा नहीं भरा गया है। विशेष कर एससी-एसटी का सरकारी नौकरियों में पदोन्नति में आरक्षण भी अब काफी हद तक प्रभाव विहीन ही बना दिया गया है। कांग्रेस-बीजेपी और इनकी सहयोगी पार्टियों को केंद्र की सत्ता में आने से जरूर रोकना है।

देश और प्रदेश के लाखों युवाओं का भाजपा ने संवारा भविष्य: डॉ. अशोक तंवर

सिरसा (हिंस)। सिरसा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी डॉ. अशोक तंवर ने बुधवार को सिरसा व एलनाबाद विधानसभा क्षेत्रें के गांवों में तूफानी दौरा किया। शहर में स्थित अजय वाटिका में युवा सम्मेलन में भी उन्होंने शिरकत की। डॉ. अशोक तंवर ने कहा कि प्रदेश भाजपा सरकार ने सरकारी नौकरियों में पर्ची व खर्ची का सिस्टम बंद कर योग्य युवाओं के भविष्य को संवारने का काम किया है। इससे पहले नौकरियां नीलाम की जाती थी। नेताओं व सरकार में बैठे लोगों के नजदीकी ही सरकारी नौकरियों पर काबिज हो जाते थे। इंटरव्यू महज दिखावा होता था। उन्होंने कहा कि भर्ती की लिस्ट तो नेताओं की कोठी से जारी होती थी। ऐसी स्थिति में योग्य युवा नौकरी पाने से वंचित रह जाते थे। वे ये मान बैठे थे कि सरकारी नौकरियां पहुंच वाले लोगों के लिए ही हैं, हमारे लिए नहीं। मगर भाजपा सरकार ने युवाओं की इस सोच को बदलने का काम किया है। सत्ता

संभालने के बाद नौकरियों में भाई भतीजावाद व पर्ची खर्ची का सिस्टम खत्म कर सालों साल से चली आ रहे इस सिलसिले पर अंकुश लगाने का काम सरकार ने कर दिखाया। अब युवाओं को उनकी योग्यता के हिसाब से नौकरियां मिलती हैं। मजदूर-रिक्शेवाले के बेटे-बेटियों को सरकारी नौकरियां मिली हैं। ऐसे में युवा वर्ग सरकार की नीतियों से खुश हैं। भाजपा प्रत्याशी डॉ. अशोक तंवर युवा सम्मेलन के बाद गांव केलनिया, राजू की ढाणी, मोहम्मदपुर, सलारपुर, नटार, शहीदांवाली, मोडियाखेड़ा, चौबुर्जा, रंगड़ी, कंगनपुर व बेगू में विशाल सभाओं को संबोधित करने पहुंचे तो ग्रामीणों ने बड़े उत्साह भाव से डॉ. तंवर का स्वागत करते हुए उनके समर्थन में मतदान करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर डॉ. तंवर ने कहा कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंत्योदय का सपना साकार हुआ है। सरकार की कल्याणकारी नीतियों से हर वर्ग खुश है। जनता की यही पुकार है कि नरेंद्र मोदी एक बार फिर से देश के प्रधानमंत्री बनें, ताकि देश और नई ऊचाइंयों को छुए। तंवर ने एलनाबाद हलके के गांव माधोसिंघाना, निरबान, कागदाना व दड़बाकलां में आयोजित जनसभाओं में उमड़े जनसैलाब को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा शासन में गरीबों का जीवन स्तर सुधरा है। इस अवसर पर भाजपा नेता भूपेश मेहता, अमन चोपड़ा, श्याम बजाज, मेघ सिंह सियोदिया, धवल कांडा, कर्ण दुग्गल।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2024-नारा लेखन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

कठुआ (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2024 को मनाने के लिए किया जीडीसी महानपुर की एनएसएस इकाई ने ईवीएस विभाग और ईसीओ क्लब के सहयोग से नारा लेखन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया है। इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का विषय *योजना का हिस्सा बनें* है। इसका आयोजन कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. संगीता सूदन के मार्गदर्शन में और डॉ. निशु एचओडी ईवीएस विभाग, डॉ रुपाली जसरोटिया एनएसएस प्रोग्राम अधिकारी द्वारा किया गया था। एनएसएस स्वयंसेवकों ने न केवल प्रतियोगिता में भाग लिया बल्कि निर्णायकों के सामने अपने पोस्टर और नारे भी प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में शिवानी देवी, पुशीप व पायल ने भाग लिया।

वैशाख माह की पूर्णिमा गुरुवार को : इस दिन भगवान विष्णु का होता है अभिषेक

जयपुर (हिंस)। वैशाख महीने के आखिरी दिन गुरुवार को पूर्णिमा मनाई जाएगी। पूर्णिमा के दिन पीपल की विशेष पूजा करने की परंपरा है। पौराणिक मान्यता के अनुसार वैशाख माह में पीपल की पूजा करने से सभी देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना एक साथ हो जाती है। पीपल को भगवान विष्णु का स्वरूप माना जाता है। पंडित शैलेश शास्त्री (ज्योतिषाचार्य) के बताए अनुसार पूर्णिमा के दिन पितरों के लिए धूप-ध्यान करने से पितर देवता तृप्त होते है और तरक्की करने का आशीर्वाद देते है। बताया जाता है कि पूर्णिमा के दिन पीपल की पूजा करने से भगवान श्री कृष्ण की पूजा का पुण्य भी मिलता है। जिसका बारे में गीता में भी दर्शाया गया है पूर्णिमा के दिन सुबह जल्दी स्नान करने के बाद मंदिर जाएं और पीपल के पास आसन बिछाकर पीपल की जड़ में जल और गाय का दूध अर्पण करें। जिसके पश्चात कुमकुम, चंदन अबीर, गुलाल, हार-फूल आदि पूजन सामग्री च ?ाने के बाद धूप-दीप जलाकर आरती करें और पीपल की परिक्रमा करें। वैशाख पूर्णिमा पर भगवान विष्णु और देवी महालक्ष्मी दक्षिणावर्ती शंख से विशेष अभिषेक करना चाहिए, शंख में केसर मिश्रित दूध भरना चाहिए और भगवान का स्नान करवाना चाहिए। जिसके पश्चात शुद्ध जल से स्नान करवाना चाहिए। पूजा-अर्चना के पश्चात तुलसी के साथ मिठाई का भोग अर्पण करना चाहिए और धूप-दीप के साथ आरती करने के बाद विष्णु भगवान के मंत्रों का उच्चारण करना चाहिए। वैशाख पूर्णिमा के दिन गुरु ग्रह की भी पूजा करनी चाहिए, इस दिन गुरु ग्रह की पूजा शिवलिंग रूप में की जाती है। इसलिए शिवलिंग पर बिल्व पत्र, धतूरा के साथ पीले फूल अर्पित करने चाहिए, और बेसन से बनी मिठाई का भोग लगाना चाहिए। इस दिन जरूरतमंद लोगों को अनाज, जूते-चप्पल, छाते का दान करना चाहिए। किसी गौशाला में गाय को घास खिलाएं और धन का दान करें।

बुद्ध पूर्णिमा पर राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को दी बधाई

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने देश और प्रदेशवासियों को बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर बधाई दी है। अपने बधाई संदेश में राज्यपाल ने कहा कि भगवान बुद्ध का त्यागमय जीवन एवं उत्कृष्ट विचार संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श हमारे जीवन को आलोकित करते रहें और हम सभी को शक्ति प्रदान करते रहें।

झारखंड की सरकार युवा विरोधी सरकार : तेजस्वी सूर्या

रांची (हिंस)। भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या बुधवार को रांची लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ के समर्थन में आयोजित बाइक रैली में शामिल हुए। रांची महानगर युवा मोर्चा की इस रैली में उन्होंने लोगों से संजय सेठ के पक्ष में वोट मांगा। इससे पहले तेजस्वी सूर्या ने रांची पहुंचने पर सर्वप्रथम बिरसा चौक पर बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। फिर बाइक रैली में पार्टी के युवाओं में जोश भरा। रैली को संबोधित करते हुए सूर्या ने कहा कि देश अबकी बार 400 पार के लक्ष्य को पूरा करेगा। युवा शक्ति विकसित भारत की मोदी की गारंटी को पूरा करने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि झारखंड की सरकार युवा विरोधी सरकार है। सरकार ने

यहां के युवाओं के साथ विश्वास घात किया है। सरकार ने वादा किया था कि हर साल पांच लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देंगे। जब तक नौकरी नहीं देंगे तब तक 7000 प्रत्येक महीना बेरोजगारी भत्ता देंगे। सूर्या ने कहा कि यहां भर्ती परीक्षा में पेपर लीक हो जा रहे हैं। 25 लाख में परीक्षा के पूर्व पेपर बेचे जा रहे हैं। चाहे स्टार्टअप हो या अन्य किसी भी प्रकार के यहां के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर झारखंड की सरकार नहीं दे सकी। यहां की कानून व्यवस्था चौपट है। बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। मंत्री से लेकर अधिकारियों के करीबियों के यहां से नोटों के बंडल निकल रहे हैं। पूरी सरकार भ्रष्टाचार में डूबी है। झारखंड भ्रष्टाचार के कारण शर्मसार हुआ है। सूर्या ने कहा कि 25 मई को रांची लोकसभा क्षेत्र में मतदान होना है। रांची की जनता राष्ट्र के निर्माण और वर्तमान झारखंड की सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए भाजपा के पक्ष में मतदान करे। साथ ही कहा कि सांसद संजय सेठ रांची के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ ने कहा कि आज पूरा देश मोदी-मोदी कर रहा है। पूरा देश चाहता है कि तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस देश का नेतृत्व करें और जिस तरह पूरे देश में मोदी की लहर है इस बार निश्चित रूप से हम 400 का लक्ष्य पर करेंगे। इस देश का विकास यदि कोई कर सकता है तो वह सिर्फ नरेंद्र मोदी हैं।

विश्वेंद्र सिंह की पत्नी बोलीं सारे फसाद के पीछे गहलोत, पूर्व सीएम ने हमारे फोन टेप करवाए

भरतपुर (हिंस)। भरतपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य और पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह का पत्नी दिव्या सिंह और बेटे अनिरुद्ध सिंह से विवाद गहराता जा रहा है। दोनों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। दिव्या सिंह और अनिरुद्ध सिंह ने बुधवार को भरतपुर में अपने ऑफिस पर दोपहर साढ़े 12 बजे प्रेस कांग्रेस की। जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर विवाद को भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राजपरिवार के विवाद में पूर्व सीएम ने घीछिड़का है। दो से ढाई साल तक उन्होंने ही आग लगाई है। अब उन्हीं से इसका कारण पूछना चाहिए। उन्होंने पंचायत के सवाल पर कहा कि मामला एसडीएम कोर्ट में चल रहा है। हमें कोई पंचायत जोड़ने की जरूरत नहीं है। इससे पहले भी हमने कई पंचायतें देखी हैं। दिव्या सिंह और अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि भरतपुर के वरिष्ठ पीसीसी सदस्य ने कहा है कि इस सारे फसाद के पीछे बहुत सीनियर कांग्रेस लीडर का हाथ है। यह बात बिल्कुल सही है। दिव्या सिंह ने कहा कि गहलोत साहब ने हमारे विवाद में घी छिड़का है। दो से ढाई साल तक गहलोत साहब ने ही आग लगाई है। जिस लीडर ने यह स्टेटमेंट दिया, वह सही स्टेटमेंट दिया है। उन्हें पता होगा कि गहलोत साहब ने आग लगाने का काम किया है। अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि मामला एसडीएम कोर्ट में चल रहा है। हमारा ब्यूरोक्रेसी, एसडीएम कोर्ट और ज्यूडिशियल सिस्टम में विश्वास है। इस दौरान दिव्या सिंह ने कहा कि हमें कोई पंचायत जोड़ने की जरूरत नहीं है। पंचायतें हमने बहुत देखी हैं। कुंवर अरुण सिंह, दीपा सिंह, राव राजा रघुराज सिंह के खिलाफ भी पंचायत जोड़ी गई थी। सभी लोग अपने घर बैठे हैं। इन पंचायत या महापंचायत से कोई फर्क नहीं पड़ता है। यह मॉडर्न इंडिया है। पंचायत का फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि लोग समाज के ठेकेदार बन रहे हैं। समाज की बात कर कौन रहा है। हम अपने परिवार की बात कर रहे हैं। यह बात बिल्कुल सत्य है कि हमारा निकास करौली से हुआ है।

उपेंद्र कुशवाहा को हराने के लिए साजिश कर रही भाजपा : तेजस्वी यादव

पटना (हिंस)। भोजपुरी फिल्म स्टार पवन सिंह को भारतीय जनता पार्टी से निष्कासित किए जाने पर बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि हमें इससे क्या, यह उनकी पार्टी का मामला है। हमें तो लगता है कि उपेंद्र कुशवाहा को हराने के लिए भाजपा साजिश कर रही है या फिर भाजपा इस तरह की दिखावटी कार्रवाई कर रही हो। चिराग पासवान के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि चिराग पासवान को हार की सबसे पहले मुबारकबाद। जो हमारे पास इनफॉरमेशन आ रही है, उसके हिसाब से चिराग पासवान अच्छे मार्जिन से हार रहे हैं।

भगवान बुद्ध की पावन भूमि पर स्वतंत्रदेव सिंह ने लगाया ध्यान

लखनऊ (हिंस)। श्रावस्ती जनपद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में शामिल हुए उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने भगवान बुद्ध की पावन भूमि पर ध्यान लगाया। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव ने ध्यान लगाते हुए अपना वीडियो शेयर किया। उन्होंने वीडियो के साथ अपनी बातों में कहा कि श्रावस्ती की यह वही पावन भूमि है, जहाँ भगवान बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश दिए थे। प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा में शामिल होने के लिए भाजपा की ओर से लगाये गए प्रवास के दौरान बोधि वृक्ष देखने पहुंचा। वहां कुछ क्षण बोधि वृक्ष के नीचे बैठकर ध्यान लगाया और एक अद्भुत शांति को आत्मसात किया। बोधि वृक्ष के नीचे ध्यान लगाने के बाद स्वतंत्रदेव सिंह जनसभा में पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंच से स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी के सामने चार सौ पार के संकल्प को जलशक्ति मंत्री ने दोहराया। भगवान बुद्ध को मंच से बार बार नमन किया।

उग्रवादियों की पिटाई से जख्मी पीड़ितों से मिले प्रशांत किशोर

पलामू (हिंस)। जिले के नौडीहा बाजार प्रखंड के खैरादोहर पंचायत अंतर्गत सलैया खुर्द में तृतीय सम्मेलन प्रस्तुत कमिटी (टीएसपीसी) उग्रवादियों ने पुलिस मुखबीर बताकर लाठी डंडे से मार कर लल्लू सिंह व उनके परिवार के सदस्यों जख्मी कर दिया है। पिटायी से जख्मी एवं मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाजरत लल्लू सिंह एवं उनके परिवार के सदस्यों को देखने के लिए पूर्व मंत्री राधा कृष्ण किशोर के पुत्र सह युवा नेता प्रशांत किशोर बुधवार को पहुंचे। पीड़ितों के बेहतर इलाज के लिए डॉक्टर से मिलकर बात की और कहा कि जरूरत पड़ने पर हर संभव मदद के लिए तैयार हूं। युवा नेता किशोर ने कहा कि नक्सलियों द्वारा ग्रामीणों की बेरहमी से की गई मारपीट की घटना की कड़ी निंदा करता हूं। कहा कि क्षेत्र में बढ़ रहे आपराधिक मामले और नक्सली गतिविधियों पर प्रशासन को कड़ी कार्रवाई करने की जरूरत है।

रामनगरी के मठ-मंदिरों में मना मां जानकी का छठी महोत्सव

अयोध्या। रामनगरी के प्रमुख मठ मंदिरों में बुधवार को मां जानकी का छठी महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर मां जनक नंदिनी को कढ़ी, पकौड़ी, पापड़, दही बड़ा, चूड़ा-दही, पचरंगी दाल, रसगुल्ला समेत अन्य विविध पकवानों का भोग लगा। लक्ष्मण किला, पौराणिक पीठ श्रीराम आश्रम रामकोट, सद्गुरु सदन, सियाराम किला, श्री राम बल्लभाकुंज, जानकी घाट बड़ा स्थान, दशरथ महल सहित कई मंदिरों में मनाया गया। पौराणिक पीठ श्रीराम आश्रम रामकोट में छठी महोत्सव को श्रीरामाश्रम के वर्तमान पीठाधिपति श्रीमहंत जयराम दास वेदांती ने अपना सानिध्य प्रदान किया। सर्वप्रथम मंदिर के गर्भगृह में विराजमान मां जानकी का सुबह अभिषेक-पूजन हुआ। उसके बाद उन्हें नया वस्त्र धारण कराकर दिव्य शृंगार किया गया। तदुपरांत विभिन्न प्रकार के पकवानों का भोग लगा। तत्पश्चात जनक नंदिनी की दिव्य आरती उतारी गई। पूरा मंदिर प्रांगण भक्तिमय हो गया। साधु-संत, भक्तजन खुशी से झूम रहे थे। वह उत्सव से पूरी तरह सराबोर रहे। महोत्सव पर पूरा मंदिर परिसर पुलकित रहा। माता सीता के छठी महोत्सव में सम्मिलित होकर भक्तगणों ने अपना जीवन धन्य बनाया। साधु-संत एवं भक्तजनों ने छठी महोत्सव का प्रसाद ग्रहण किया। श्रीरामाश्रम पीठाधीश्वर श्रीमहंत जयराम दास वेदांती महाराज ने कहा कि मठ में मां जानकी का छठी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। छठी पर माता जानकी को मिथिला परंपरानुसार भोग लगा। मां जानकी के अभिषेक-श्रृंगार बाद दोपहर में उनका भोग, आरती-पूजन किया गया। तदुपरांत साधु-संत व भक्तगणों ने छठी महोत्सव का प्रसाद पाया। उत्सव पर आश्रम के पूरे प्रांगण को सजाया गया था, जिसकी आभा देखते हुए बन रही थी। मठ में दर्शन-पूजन का सिलसिला सुबह से शुरू होकर देररात्रि तक चलता रहा। नामचीन कलाकारों ने अपने गायन-वादन से उत्सव में चार-चांद लगा दिया। इससे उपस्थित साधु-संत एवं भक्तगण मंत्रमुग्ध हो गए। श्रीमहंत जयराम दास ने कलाकारों को न्यौछावर भेंट किया। उन्होंने पधारे हुए संत-महंतों का स्वागत-सत्कार भी किया। इस अवसर पर काफी संख्या में साधु-संत, मंदिर से जुड़े हुए शिष्य-परिकर, अनुयायी मौजूद रहे।

प्रदेशभर में कल होगी वन्यजीवों की गणना

जयपुर (हिंस)। प्रदेशभर में वन विभाग वैशाख पूर्णिमा पर गुरुवार को वन्यजीव गणना शुरू करेगा। गुरुवार को वाटर होल पद्धति से वन्यजीवों की गणना की जाएगी। गुरुवार को सुबह 8 बजे से 24 मई सुबह 8 बजे तक 24 घंटे तक वन्यजीवों की गणना होगी। गणना से पूर्व वनकर्मचारियों का 2 दिन का अभ्यास और प्रशिक्षण करवाया गया है। वन्यजीव गणना के तहत बाघ-बघेरे व दूसरे वन्यजीवों की संख्या का आकलन किया जाएगा। पिछले वर्ष बे-मौसम बरसात के चलते वाटर होल पद्धति से वन्य जीव गणना नहीं हो पाई थी। ऐसे में इस बार वन्यजीवों की गणना को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वाटर होल पद्धति से वन्य जीव गणना से ही वन्यजीवों की संख्या के वास्तविक आंकड़े मिल पाएंगे। मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक पीके उपाध्याय खुद मॉनिटरिंग करेंगे।

ऑनलाइन चाइल्ड सेफ्टी बिल के खिलाफ मेटा-गूगल विधेयकों को मतदान में हराने को नेताओं पर खर्चे 6 करोड़

न्यूयॉर्क ।
मेटा व गूगल न्यूयॉर्क के दो विधेयकों से बेचैन हैं। इन पर जल्द मतदान होना है, जिन्हें गूगल और मेटा मतदान में हराना चाहते हैं। इसके लिए टेक कंपनियां न्यूयॉर्क राज्य के विधायकों को लामबंद करने के लिए 6 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर चुके हैं। विधानसभा में मार्च में स्टॉप एडिक्टिव फीड्स एक्सप्लॉइटेशन (सेफ) फॉर किड्स एक्ट और न्यूयॉर्क चाइल्ड डाटा प्रोटेक्शन एक्ट नाम से दो विधेयक पेश किए गए हैं। टेक दिग्गज इन्हें किसी भी कीमत पर पारित नहीं होने देना चाहते हैं। इससे बच्चों में रील्स-वीडियो देखने की लत पैदा करने वाली आदत कमजोर होगी।

दांव पर अभिव्यक्ति की आजादी और गोपनीयता - हालांकि, टेक कंपनियों की दलील है कि अपुष्ट आशंकाओं के आधार पर बच्चों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और ऑनलाइन गोपनीयता को छीना जा रहा है। यह प्रवासियों और अन्य वंचित समुदायों के लिए इंटरनेट के प्रभाव को भी सीमित करेगा, जो एल्गोरिदम के जरिये हेट स्पीच जैसे मामलों में मदद पाते हैं। विधेयकों के सह-प्रायोजक राज्य के सीनेटर एंड्रयू गौनार्डेस कहते हैं कि विरोधियों ने इन विधेयकों के खिलाफ कानाफूसी अभियान चला रखा है, ताकि कानून बनने से रोका जा सके। इन कंपनियों के पास असीमित संसाधन हैं, इनके पक्ष में पैरवी करने वालों की पूरी फौज अलबैनी में उतरी हुई है।

अलग-अलग कानून समाधान नहीं - पूरे मामले पर मेटा के प्रवक्ता का कहना है कि कंपनी इस संबंध में उस संघीय कानून के अनुपालन को तैयार है, जिसके तहत 16 वर्ष से कम उम्र के सोशल मीडिय एप उपयोगकर्ताओं को अभिभावकों की अनुमति लेनी होगा। लेकिन, इस संबंध में अलग-अलग राज्यों में कानून बनाना समाधान नहीं है।

किशोर कई प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा अलग-अलग राज्यों में भी आते-जाते रहते हैं। ऐसे में माता-पिता और किशोरों के लिए भी अलग-अलग कानूनों का पालन मुश्किल हो जाएगा। इस संबंध में फौरी समाधानों के बजाय ऐसे उपायों पर काम करने की जरूरत है, जो अभिभावकों का सशक्तिकरण करें और किशोरों के लिए इंटरनेट उपयोग को हतोत्साहित न करें।

न्यूज ब्रीफ

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय मूल के निकेश अरोड़ा अमेरिका में दूसरे सबसे अधिक वेतन पाने वाले सीईओ हैं

वाशिंगटन। पालो ऑल्टो नेटवर्क्स के भारत में जन्मे सीईओ निकेश अरोड़ा को 2023 में अमेरिका के दूसरे सबसे अधिक वेतन पाने वाले सीईओ का दर्जा दिया गया है। एक के अनुसार, कुल 17 भारतीय मूल के सीईओ शीर्ष 500 रैंकिंग में हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल द्वारा प्रकाशित विश्लेषण। शांतनु नारायण दूसरे सबसे अधिक वेतन पाने वाले भारतीय मूल के सीईओ हैं, जो कुल मिलाकर 11वें स्थान पर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अरोड़ा और नारायण ने क्रमशः 151.43 मिलियन और 44.93 मिलियन कमाए, जो टेस्ला के एलोन मस्क से अधिक है, जिन्हें 2023 में कोई मुआवजा नहीं मिला। समीक्षाधीन अवधि के दौरान मेटा के मार्क जुकरबर्ग ने 24.40 मिलियन डॉलर कमाए, जबकि अल्फाबेट के भारत में जन्मे प्रमुख सुंदर पिचाई ने 8.80 मिलियन डॉलर कमाए। दिल्ली के एयर फ़ोर्स पब्लिक स्कूल से निकले अरोड़ा ने पहली बार में मुख्य व्यवसाय अधिकारी के रूप में अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया, जिसे उन्होंने 2014 में छोड़ दिया और सॉफ्टबैंक का नेतृत्व करने लगे, जहां उन्हें कथित तौर पर इतना वेतन मिला कि उसे जापान के लिए एक रिकॉर्ड बताया गया। अरोड़ा 2018 से साइबर सुरक्षा कंपनी पालो ऑल्टो नेटवर्क्स का नेतृत्व कर रहे हैं। पालो ऑल्टो नेटवर्क्स में उनके मुआवजे में ज्यादातर इक्विटी पुरस्कार शामिल हैं जिनमें तीन वर्षों में दिए गए शेयर शामिल हैं।

पेटीएम का घाटा चौथी तिमाही में बढ़कर 550 करोड़ रुपये हुआ, कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी

Paytm

नई दिल्ली । फिनटेक कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में घाटा बढ़कर 550 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल इसी अवधि में घाटा 167.5 करोड़ रुपये था। वन97 कम्युनिकेशंस के पास पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि परिचालन आय 2.8 प्रतिशत घटकर 2,267.1 करोड़ रुपये हो गई, पिछले साल समान अवधि में यह 2,464.6 करोड़ रुपये थी। समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का घाटा कम होकर 1,422.4 करोड़ रुपये रह गया। यह वित्त वर्ष 2022-23 में घाटा 1,776.5 करोड़ रुपये था। पेटीएम का वार्षिक राजस्व करीब 25 प्रतिशत बढ़कर 9,978 करोड़ रुपये हो गया, यह 2022-23 में 7,990.3 करोड़ रुपये था। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने 15 मार्च से व्यापारियों सहित ग्राहकों के हित को ध्यान में रखते हुए पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) को किसी भी ग्राहक खाते, वॉलेट और फास्टैग में जमा, क्रेडिट लेनदेन या टॉप-अप स्वीकार करने से रोक दिया है। पेटीएम ने पीपीबीएल पर आरबीआई के प्रतिबंध से 300-500 करोड़ रुपये के नुकसान होने का अनुमान लगाया था।

सोने और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतें गिरी हैं। कारोबार के दौरान चांदी के वायदा भाव शीर्ष स्तर पर पहुंचने के बाद नीचे आये। सुबह सोने के वायदा भाव 73,900 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव

94,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव में गिरावट आई जबकि चांदी के वायदा भाव तेज शुरुआत बाद नीचे आये। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुबह हल्की बढ़त के साथ हुई। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध आज 5 रुपये नीचे आकर 74,026 रुपये के भाव पर खुला। एक समय यह अनुबंध 127 रुपये की गिरावट के साथ 73,894 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 74,026 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 73,882 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव ने इस सप्ताह 74,442 रुपये के भाव पर शीर्ष स्तर हासिल कर लिया। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 121 रुपये नीचे आकर 94,604 रुपये पर खुला। एक समय यह अनुबंध 238 रुपये की गिरावट के साथ 94,487 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 94,868 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 94,453 रुपये के भाव पर दिन निचला स्तर हासिल किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। जबकि चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले।

एफएसएसएआई ने एमडीएच -एवरेस्ट को क्लीन चिट दी

इनके प्रोडक्ट्स में एथिलीन ऑक्साइड नहीं दूसरे ब्रांड्स ने भी सैंपल टेस्ट पास किया

नई दिल्ली ।
भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने भारतीय मसालों में हानिकारक पदार्थों की मिलावट की बात खारिज कर दी है। संस्थान ने व्यापक जांच के बाद इनमें एथिलीन ऑक्साइड (ईटीओ) न मिलने की पुष्टि की है। एथिलीन ऑक्साइड से कैंसर होने का खतरा रहता है।

एफएसएसएआई ने 22 अप्रैल को मसालों की जांच के लिए देशभर में जांच अभियान शुरू किया था। जांच में महाराष्ट्र और गुजरात में एवरेस्ट की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स से 9 नमूने और दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में एमडीएच की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स से 25 नमूनों का विश्लेषण किया गया।

विशेष रूप से गठित वैज्ञानिक पैनल ने 34 सैंपल में से 28 की रिपोर्ट में एथिलीन ऑक्साइड के नहीं होने की पुष्टि की है। बाकी छह सैंपल की रिपोर्ट आनी बाकी हैं। देशभर में अन्य ब्रांडों के मसालों के 300 से अधिक सैंपल इकट्ठे किए गए थे। इनमें से किसी में भी एथिलीन ऑक्साइड की मौजूदगी नहीं थी।

अप्रैल में सिंगापुर-हॉन्गकॉन्ग से मसालों पर बैन की खबर आई थी

सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग में अप्रैल महीने में एमडीएच और एवरेस्ट के कुछ मसालों में पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की लिमिट से ज्यादा मात्रा होने का दावा किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि दोनों देशों में एमडीएच और एवरेस्ट कंपनियों के कुछ प्रोडक्ट्स को बैन किया गया है।

हॉन्गकॉन्ग के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने कहा था कि एमडीएच ग्रुप के तीन मसाला मिक्स- मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और करी पाउडर में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा पाई गई है। एवरेस्ट के फिश करी मसाला में भी यह कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड पाया गया है।

विवाद के बाद एफएसएसएआई ने 22 अप्रैल को देशभर में जांच अभियान शुरू किया और फूड कमिश्नर्स से मसाला बनाने वाली सभी कंपनियों के सैंपल कलेक्ट करने को कहा था।

कीटनाशक है एथिलीन ऑक्साइड, इससे कैंसर का खतरा

स्पाइस बोर्ड एथिलीन ऑक्साइड को 10.7 सेल्सियस से ऊपर के तापमान पर ज्वलनशील, रंगहीन गैस के रूप में परिभाषित करता है। यह कीटाणुनाशक, स्टरलाइजिंग एजेंट और कीटनाशक के रूप में काम करता है। इसका इस्तेमाल चिकित्सा उपकरणों को स्टरलाइज करने और मसालों में माइक्रोबियल कंटेमिनेशन को कम करने के लिए किया जाता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर एथिलीन ऑक्साइड को ग्रुप 1 कार्सिनोजेन के रूप में वर्गीकृत करती है। यानी यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि यह मनुष्यों में कैंसर का कारण बन सकता है। एथिलीन ऑक्साइड से लिम्फोमा और ल्यूकेमिया जैसे कैंसर हो सकते हैं। पेट और स्तन कैंसर भी हो सकता है।

मसाले में क्यों करते हैं कीटनाशकों का इस्तेमाल

मसाला बनाने वाली कंपनियां एथिलीन ऑक्साइड सहित अन्य कीटनाशकों का उपयोग ई. कोली और साल्मोनेला जैसे बैक्टीरिया और फंगस से फूड आइटम्स को खराब होने से बचाने के लिए करती हैं, क्योंकि इन बैक्टीरिया के संपर्क में आने से मसालों की शेल्फ लाइफ बहुत छोटी हो सकती है। इन्हें लंबे समय तक खराब होने से बचाने पर रोक के बावजूद ये कंपनियां कीटनाशकों को प्रिजर्वेटिव या स्टेरलाइजिंग एजेंट की तरह इस्तेमाल कर रही हैं।

सरकार का दावा- हॉन्गकॉन्ग-सिंगापुर में भारतीय मसालों पर बैन नहीं

भारत सरकार के सूत्रों ने 21 मई को दावा किया कि सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग में किसी भारतीय मसालों पर बैन नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज करते हुए कहा गया है कि पॉपुलर मसाला ब्रांड्स एमडीएच और एवरेस्ट के प्रोडक्ट्स के सिर्फ कुछ बैच को रिजेक्ट किया गया था।

पहले भी होती रही है सैंपलों की टेस्टिंग

हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर की घटनाओं से पहले भी भारत में सैंपलों की टेस्टिंग होती रही है। सूत्रों ने दावा किया कि अब तक भारतीय बाजार में उपलब्ध विभिन्न ब्रांडों के मसालों में कोई हानिकारक तत्व नहीं पाए गए हैं। यह सैंपल लेने की एक सतत प्रक्रिया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था लंबे समय से प्रतीक्षित उड़ान के करीब आरबीआई की बुलेटिन में दावा

नई दिल्ली ।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मई बुलेटिन के अनुसार भारत ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बढ़ती समग्र मांग और गैर-खाद्य खर्च के कारण लंबे समय से प्रतीक्षित उड़ान के करीब है। बुलेटिन में स्टेट ऑफ द इकोनॉमी पर प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए दृष्टिकोण नाजुक होता जा रहा है क्योंकि महंगाई पर नियंत्रण घट रहा है। वैश्विक वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम फिर बढ़ रहा है। बुलेटिन के अनुसार वैश्विक स्तर पर पूंजी प्रवाह में उतार-चढ़ाव आया है, क्योंकि घबराए हुए निवेशक जोखिम से दूर हो गए हैं।

यह लेख रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा की अगुवाई वाली टीम ने तैयार किया है। लेख में कहा गया है कि इस बात की उम्मीद बढ़ रही है कि भारत लंबे समय से प्रतीक्षित अर्थव्यवस्था की उड़ान के दहलीज पर है। हालिया संकेत कुल मांग की गति तेज होने की ओर इशारा कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि कम से कम दो साल में पहली बार फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) की ग्रामीण मांग ने शहरी बाजारों को पीछे छोड़ दिया है। एफएमसीजी की बिक्री में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दिखी। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में इसमें 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दिखी। शहरी क्षेत्रों में यह वृद्धि 5.7 प्रतिशत रही।

आरबीआई की बुलेटिन के अनुसार ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बढ़ती मांग और गैर-खाद्य खर्च के कारण चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मई बुलेटिन में प्रकाशित अर्थव्यवस्था की स्थिति पर एक लेख में कहा गया है कि आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करने वाली भू-राजनीतिक विपरीत परिस्थितियों के सामने भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है। आर्थिक गतिविधि सूचकांक (ईएआई) के अनुसार, अप्रैल में गतिविधि में उछाल आया और शुरुआती अनुमानों से पता चलता है कि 2024-25 की पहली तिमाही के लिए जीडीपी वृद्धि 7.5 प्रतिशत के करीब रहने की उम्मीद है।

ईडी की रियल एस्टेट कंपनी आईआरईओ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 59 करोड़ की संपत्ति अटैच की

नई दिल्ली ।
ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रियल एस्टेट कंपनी आईआरईओ की 59 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की है। ईडी अब तक इस मामले में कंपनी और अन्य की 1300 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच कर चुकी है। आईआरईओ कंपनी और इसके प्रमोटर्स के खिलाफ ईडी बीते कई वर्षों से जांच कर रही है। कंपनी और इसके प्रमोटर्स पर आरोप है कि उन्होंने घर खरीददारों को मकान, प्लॉट और कमर्शियल जगह बेचने का वादा कर उनसे पैसे लिए और न तो उन्हें घर दिए और न ही उनके पैसे वापस किए।

ईडी ने आईआरईओ कंपनी और अन्य के भूमि पार्सल के साथ ही कुछ बैंक खातों में जमा रकम को अटैच किया है। जिनकी कुल कीमत करीब 59 करोड़ रुपये है। कंपनी के निदेशकों पर आरोप है कि उन्होंने खरीददारों के पैसों को अपने निजी फायदे के लिए इस्तेमाल किया और उनसे शेयर खरीद, एफसीडी आदि की खरीद की। साथ ही अपनी सहयोगी कंपनियों और लोगों को कर्ज दिए। कंपनी के मैनेजर्स को बहुत ज्यादा इंसेटिव्स दिए। आरोप है कि कंपनी के निदेशकों और प्रमोटर्स ने खरीददारों के पैसों को डायवर्ट किया, जिसकी कीमत 1780 करोड़ रुपये है। ईडी ने इस मामले में आईआरईओ के प्रमोटर ललित गोयल और रूप बंसल को गिरफ्तार किया था। ईडी ने इस मामले में दो चार्जशीट दायर की हैं।

औफिस स्पेस सॉल्यूशंस का आईपीओ खुला

नई दिल्ली ।
कार्यालय और को-वर्किंग के लिए जगह मुहैया कराने वाली कंपनी औफिस स्पेस सॉल्यूशंस का आईपीओ आम निवेशकों के लिए खुल गया। आईपीओ में खुदरा निवेशक सोमवार 27 मई तक बोली लगा सकते हैं।

औफिस स्पेस सॉल्यूशंस के पब्लिक इश्यू का साइज 598.93 करोड़ रुपये है और इसमें से 128 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 470 करोड़ का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है। आईपीओ का प्राइस बैंड 364 रुपये से 383 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। इसका लॉट साइज 39 शेयरों का है। एक निवेशक को आईपीओ में भाग लेने के लिए कम से कम एक लॉट की बोली लगानी होगी।

आईपीओ खुलने से पहले कंपनी ने 21 मई तक एंकर निवेशकों से 268.62 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एंकर निवेशकों में गोल्डमैन सैश, एलियांज ग्लोबल इन्वेस्टर्स फंड, एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेस्टर्स फंड, वोलराडो वेंचर पार्टनर्स फंड, नैटिक्सिस इंटरनेशनल फंड्स, अशोक व्हाइटओक और अन्य शामिल हैं। औफिस स्पेस सॉल्यूशंस ने 31 दिसंबर 2023 (अप्रैल से दिसंबर) तक 18.94 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज किया है, जबकि इस दौरान कंपनी की आय 633.69 करोड़ रुपये रही है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 46.64 करोड़ का नुकसान हुआ था और इस दौरान कंपनी की आय 565 करोड़ रुपये थी। स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट ने एक रिपोर्ट में कहा है कि औफिस स्पेस सॉल्यूशंस, भारत में एक लीडिंग वर्कस्पेस कंपनी है। कंपनी के प्रमुख आंकड़ों में भी वृद्धि दिख रही है लेकिन मुनाफा कमाना कंपनी के लिए बड़ी चुनौती है।

कंपनी का कैश फ्लो नकारात्मक बना हुआ है। वर्किंग स्पेस एक उच्च प्रतिस्पर्धा वाला क्षेत्र है और अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव का इस पर सीधा असर होता है।

हम इस आईपीओ को लेकर न्यूट्रल रुख रखते हैं। निवेशक कंपनी की वित्तीय स्थिति देखकर अपने विवेक पर ही कोई फैसला लें।

चुनाव शुरु होने के बाद हर दिन 18000 करोड़ की बिकवाली, विदेशी निवेशकों के डर का 2004 से क्या है कनेक्शन

नई दिल्ली ।
देश में 19 अप्रैल 2024 को आम चुनाव की शुरुआत होने के बाद से विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) अब तक 37,700 करोड़ रूपये की बिकवाली कर चुके हैं। पिछले 21 कारोबारी सत्रों के दौरान विदेशी निवेशकों ने हर दिन औसतन 1800 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। दलाल स्ट्रीट में लोकसभा चुनाव परिणामों पर अनिश्चितता के कारण उतार-चढ़ाव को मापने वाला इंडेक्स इंडिया वीआईएक्स 67 प्रतिशत की उछाल के साथ 52 हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में भी बिकवाली करते दिखे और शुद्ध रूप से 1,874.54 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर बेचे।

एफआईआई की बिकवाली की भरपाई कहां से हो रही

हालांकि, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ने के बावजूद घरेलू निवेशकों (डीआईआई) की दिलचस्पी बाजार में लगातार बनी हुई है। वे ना केवल अपनी पूर्व की खरीदारी को बनाए रखे हुए हैं, बल्कि लगातार नई खरीदारी भी कर रहे हैं। पिछले 21 कारोबारी सत्रों के दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 60,000 करोड़ रुपये की खरीदारी की है। अप्रैल महीने के अंत तक म्यूचुअल फंड्स के पास करीब 1.36 लाख करोड़ रुपये की बड़ी नकदी मौजूद थी, जिस कारण वे विदेशी निवेशकों की ओर से की जा रही बिकवाली के कारण पैदा हुए दबाव को काफी हद तक कम करने में सफल रहे हैं।

उतार-चढ़ाव के बावजूद बाजार में निवेशकों के भरोसे का क्या है कारण

मोजोपीएमएस के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर सुनील दमानिया के अनुसार भारतीय इक्विटी बाजार लगातार महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर रहा है। 5 ट्रिलियन डॉलर के करीब बाजार पूंजीकरण तक पहुंचने से भारत संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन जैसे देशों के एक विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है। इस उपलब्धि का श्रेय खुदरा निवेशकों को दिया जा सकता है, जिन्होंने हाल के वर्षों में बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद दृढ़ता से खरीदारी की है। साथ ही, सरकार के त्वरित सुधारों और भारतीय निगमों की सकारात्मक प्रतिक्रिया ने निरंतर निवेशकों की आय वृद्धि में योगदान दिया है। जिससे निवेशकों की रुचि भी बढ़ी है और बाजार के प्रति उनका आकर्षण भी बढ़ा है। मौजूदा रैली आय वृद्धि और तरलता के संयोजन से प्रेरित है, जो अगले पांच वर्षों के भीतर भारत के बाजार पूंजीकरण को 10 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचा सकती है। हालांकि, 5 ट्रिलियन डॉलर से 10 ट्रिलियन डॉलर के बीच की यात्रा में चुनौतियों का भी सामना करना पड़ सकता है और यह बहुत आसान यात्रा नहीं होगी।

विदेशी संस्थापक निवेशक क्यों कर रहे बिकवाली

लेकिन, यहां बड़ा सवाल यह है कि आखिर विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार बिकवाली क्यों कर रहे हैं शेयर बाजार के जानकारों के अनुसार विदेशी निवेशक देश में जारी चुनावों को देखते हुए कोई जोखिम नहीं लेना चाहते, ऐसे में जबकि बाजार सर्वकालिक उच्च स्तर के करीब हो। निफ्टी किसी भी दिन नए सर्वकालिक उच्च स्तर की ओर बढ़ रहा है। वहीं, दूसरी ओर बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन पहले ही पांच लाख करोड़ रुपये को पार कर चुका है। 2004 जैसी स्थिति बनने की आशंका से क्यों डर रहे विदेशी निवेशक बाजार के जानकारों के मुताबिक विदेशी निवेशक 2004 के लोकसभा चुनावों की तरह का रिस्क नहीं लेना चाहते। उस समय अनुमानों के विपरीत कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए गठबंधन ने जीत दर्ज की थी। अचानक आए इस बदलाव के कारण शेयर बाजार में एक ही दिन में 15 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली थी। विदेशी निवेशक ऐसी की अनिश्चितता से बचना चाहते हैं और इसलिए वे फिलहाल मुनाफावसूली कर रहे हैं। जानकार मानते हैं कि भारतीय बाजार में हालिया नरमी का फायदा चीन को मिल रहा है। हॉन्गकॉन्ग के हेंगसेंग इंडेक्स में पिछले एक महीने के दौरान 16 प्रतिशत का उछाल आया है। उनके अनुसार बाजार में एफआईआई की बिकवाली का एक बड़ा कारण पश्चिम एशिया में जारी जियोपॉलिटिकल तनाव और अमेरिकी बॉन्ड्स यील्ड में आई मजबूती भी है।

मुक्केबाज परवीन के निलंबन के बाद एशियाई खेलों का पदक गंवाएगा भारत, जैस्मिन की चमकी किस्मत

नई दिल्ली ।
कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज परवीन हुड्डा को रहने के स्थान संबंधी नियम के उल्लंघन के कारण 22 महीने के लिए निलंबित किए जाने के बाद भारत का हांगझोऊ एशियाई खेलों का पदक गंवाना तय है।परवीन ने पिछले साल एशियाई खेलों में महिलाओं के 57 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता था जिससे उन्हें पेरिस ओलंपिक का कोटा भी मिला था।

हालांकि, परिणाम प्रबंधन के लिए जिम्मेदार एजेंसी अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) ने उन्हें इस महीने की शुरुआत में निलंबित कर दिया गया था क्योंकि वह 12 महीने की अवधि के भीतर तीन बार अपने रहने के स्थान संबंधी जानकारी देने में विफल रही।

आईटीए ने बयान में कहा– आईटीए पुष्टि करता है कि मुक्केबाज परवीन हुड्डा को 12 महीने की अवधि के भीतर तीन बार रहने का स्थान संबंधी जानकारी मुहैया कराने में विफल रहने के बाद 22 महीने की अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया है जैसा कि अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ के डोपिंग रोधी नियमों के नियम 2.4 में परिभाषित किया गया है (आईबीए एडीआर)1। यह निलंबन 16 जुलाई 2025 तक प्रभावी है।

बयान में कहा गया है– अयोग्यता की अवधि के अलावा 11 दिसंबर 2022 से 17 मई 2024 के बीच खिलाड़ी के परिणाम अयोग्य घोषित किए जाते हैं। कोविड–19 के कारण चीन में 2022 एशियाई खेलों के आयोजन में एक साल की देरी हुई और 23 सितंबर से आठ अक्टूबर 2023 के बीच इसका आयोजन किया गया जो आईटीए द्वारा निर्धारित समय अवधि के भीतर आता है और इस प्रकार परवीन से उनका कांस्य पदक छीन लिया जाएगा।

इसका मतलब है कि 2023 एशियाई खेलों में भारत की कुल पदक संख्या 107 से घटकर 106 हो जाएगी। हालांकि, इससे समग्र पदक रैंकिंग में देश के चौथे स्थान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भारतीय मुक्केबाजी को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ेगा क्योंकि देश को महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग का ओलंपिक कोटा छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मिन लैंबोरिया बैंकॉक में शुरू होने वाले अंतिम ओलंपिक क्वालीफायर में 57 किग्रा कोटा के लिए चुनौती पेश करेंगी। मुक्केबाजी में कोटा खिलाड़ी को नहीं, बल्कि देश को दिया जाता है।

न्यूज ब्रीफ

सात्विक-चिराग की जोड़ी को हुआ बड़ा फायदा, फिर हासिल किया शीर्ष स्थान

नई दिल्ली । सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी को बैडमिंटन की नवीनतम रैंकिग में बड़ा फायदा पहुंचा। सात्विक–चिराग की जोड़ी ने थाईलैंड ओपन में जीत के बाद पुरुष डबल्स वर्ग में विश्व रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल कर लिया। ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के दूसरे दौर में हार के बाद भारतीय जोड़ी तीसरे नंबर पर खिसक गई थी। इसके बाद सात्विक की चोट के कारण इस जोड़ी ने चीन में एशिया चैंपियनशिप में वॉकओवर दे दिया था। सात्विक–चिराग ने जीता था थाईलैंड ओपन भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड ओपन में जोरदार वापसी करते हुए चीन के चेन बो यांग और लियू यी पर सीधे गेम में जीत के साथ सत्र का अपना दूसरा खिताब जीता था। यह जोड़ी बीडब्ल्यू की नवीनतम रैंकिंग में 99670 अंकों के साथ दो पायदान चढ़कर पांच सप्ताह के बाद फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंच गई। सिंधू 15वें स्थान पर खिसकीं ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू महिला सिंगल्स रैंकिंग में एक स्थान फिसलकर 15वें नंबर पर आ गई। एचएस प्रणय ने अपनी नौवीं रैंकिंग बरकरार रखी और वह पुरुष सिंगल्स के शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। लक्ष्य सेन तीन स्थान गिरकर 14वें नंबर पर खिसक गए। किदांबी श्रीकांत (26वें), प्रियांशु राजावत (33वें) एक–एक स्थान नीचे आ गये जबकि किरण जॉर्ज 36वें नंबर पर खिसक गए। तनीषा–पोन्नपा ने किया सुधार महिला डबल्स वर्ग में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा 19वीं रैंकिंग के साथ सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली भारतीय जोड़ी है। इस जोड़ी ने दो स्थान का सुधार किया है। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी एक स्थान गिरकर विश्व में 29वें स्थान पर खिसक गई हैं। मिक्स्ड डबल्स में सतीश कुमार करुणाकरन और आद्या वरियाथ तीन स्थान ऊपर चढ़कर विश्व में 39वें स्थान पर पहुंच गए और शीर्ष 50 में शामिल एकमात्र भारतीय थे।

आईपीएल को भारतीय टीम में पहुंचने का आसान रास्ता नहीं माने युवा : गंभीर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि युवा क्रिकेटर आईपीएल को भारतीय टीम में पहुंचने का आसान और छोटा रास्ता न समझें। गंभीर ने कहा कि जिस प्रकार युवा टेस्ट क्रिकेट की उपेक्षा कर रहे हैं। वह ठीक नहीं है। आईपीएल में कोलकाता नाइटराइर्स के मैंटोर गंभीर ने एक कार्यक्रम में कहा कि आजकल काफी कम युवा भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं जो चिन्ता की बात है। मुझे उम्मीद है कि आईपीएल भारत के लिए खेलने का आसानी रास्ता साबित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि आईपीएल से भारतीय क्रिकेटरों को लाभ हुआ है पर जब मैं अंतरराष्ट्रीय टी20 टीमों को देखता हूं तो दो–तीन टीमों के अलावा मुझे ज्यादा टक्कर देने वाली टीमें नहीं दिखती है। गंभीर की कप्तानी में केकेआर ने 2012 और 2014 में आईपीएल खिताब जीता है। इस क्रिकेटर ने कहा, 'बहुत सी टीमें भारत की मजबूती की बराबरी नहीं कर सकती हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि आज के समय आईपीएल अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट की तुलना में कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी हो गया है। इससे हमारे घरेलू खिलाड़ियों का स्तर बढ़ा है। वे जिस तरह से आईपीएल खेलना चाहते है, जिस तरह से वे टी20 क्रिकेट को लेकर तैयारी करते है मुझे लगता है कि उनका ज्यादा ध्यान टी20 क्रिकेट खेलने पर है।

विकेट लेकर ही आक्रामक बल्लेबाजी रोक सकते हैं गेंदबाज : हरभजन

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा है कि आज के दौर में जिस प्रकार आक्रामक बल्लेबाजी हो रही है उसे रोकने का एक ही तरीका विकेट लेना है। हरभजन ने ये बात आईपीएल में लगातार बन रहे बड़े स्कोर को लेकर कही है। इस सत्र में तीन बार 250 से अधिक रन तो सनराइजर्स हैदराबाद ने ही बना दिये। इसके अलावा अन्य कई टीमों ने भी बड़े स्कोर बनाये हैं। इस सत्र में कई बार टीमों ने आसानी से 200 से अधिक रन बनाये हैं। हरभजन ने कहा कि ऐसे में गेंदबाजों को जितनी तेजी से हो सके विकेट लेने होंगे। हरभजन ने कहा कि अगर कोई भी गेंदबाज कहता है कि वह रनों पर अंकुश लगा सकता है तो वह सही नहीं है। फिर चाहे वह लसिथ मलिंगा या जसप्रीत बुमराह जैसा गेंदबाज हो। विकेट लेने के लिए आपको अच्छी गेंदबाजी करनी होगी। सबसे छोटे प्रारूप में विकेट लेकर ही गेंदबाज रनों को रोक सकते हैं। यह कहा केवल कौशल के साथ ही आएगी। ऐसा नहीं है कि फुल टॉस गेंद से आपको एक बार विकेट मिल गया है तो आगे भी आप ऐसे ही करेंगे।

टोक्यो ओलंपिक में रजत जीतने वाले रवि दहिया को झटका डब्लूएफआई बोला – जिसने कोटा जीता वही पेरिस जाएगा

नई दिल्ली ।
आगामी पेरिस ओलंपिक से पहले भारत में कुश्ती को लेकर काफी बवाल हुआ। पिछले दो वर्षों से कुश्ती के खिलाड़ियों के चयन और ट्रायल्स को लेकर काफी हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। भारतीय कुश्ती महासंघ का अध्यक्ष बदला गया। पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह की जगह संजय सिंह अध्यक्ष बने। इसके बाद भी विवादों का दौर जारी रहा। इसके बाद ओलंपिक कोटा और चयन ट्रायल्स को लेकर भी काफी बवाल हुआ। पहले यह तय हुआ कि कोटा हासिल करने वाले पहलवानों का पेरिस जाना तय नहीं होगा। उन्हें ट्रायल से गुजरना होगा। अब कुश्ती संघ ने फिर से नया फरमान जारी किया है। कुश्ती संघ के नए बयान के मुताबिक, जिस खिलाड़ी ने पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल किया है, वही खिलाड़ी पेरिस जाएगा। ऐसे में 2021 में हुए टोक्यो ओलंपिक में भारत को फ्री–स्टाइल (पुरुषों के 57 किग्रा) में रजत पदक दिलाने वाले रवि दहिया इस साल ओलंपिक में खेलते नहीं दिखेंगे। रवि दहिया आगामी ओलंपिक के लिए कोटा जीतने में नाकाम रहे थे। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य जीतने वाले बजरंग पूनिया पर पहले ही बैन लग चुका है।

विनेश को बदलना होगा भारवर्ग – डब्ल्यूएफआई के फैसले ने रवि दहिया के अलावा महिलाओं में विश्व चैंपियनशिप की कांस्य विजेता सरिता मोर (57 किग्रा) के लिए पेरिस ओलंपिक के दरवाजे बंद कर दिए हैं। रवि और सरिता ट्रायल की तैयारी कर रहे थे। इसका मतलब यह भी है कि विनेश फोगाट को अब महिलाओं की 50 किग्रा स्पर्धा में ही भाग लेना होगा। अगर वह ट्रायल में अंतिम को हरा देती तो उनके पास 53 किग्रा में भी प्रतिस्पर्धा करने का मौका होता। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा– चयन समिति के सभी सदस्यों के साथ मीटिंग हुई और यह निर्णय लिया गया कि हमने जिस नियम का पालन किया वह यह था कि जिसे भी कोटा मिलेगा वह पेरिस ओलंपिक के लिए जाएगा। वहीं, 2012 लंदन ओलंपिक में पदक जीतने वाले पहलवान योगेश्वर दत्त का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा– डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह और अन्य सदस्यों की मौजूदगी में ट्रायल कमेटी की बैठक हुई। यह तय हुआ कि जिनके पास कोटा होगा वही पेरिस ओलिंपिक में जाएंगे।

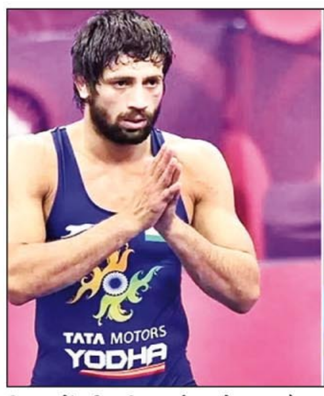

पहलवानों के फिटनेस की परीक्षा होगी – भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने सभी छह ओलंपिक कोटा विजेताओं को चयन ट्रायल से छूट देने का फैसला जरूर किया है, लेकिन उनके फॉर्म और फिटनेस का आकलन आगामी रैंकिंग सीरीज टूर्नामेंट और उसके बाद हंगरी में प्रशिक्षण शिविर में किया जाएगा। डब्ल्यूएफआई ने कहा कि ट्रायल नहीं कराने का फैसला अजीबोगरीब परिस्थितियों में लिया गया है और इसे भविष्य में मिसाल के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

फिटनेस में कमी पाई गई तो पहलवान को किया जाएगा रिप्लेस – डब्ल्यूएफआई ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी पहलवान की फिटनेस में कमी पाई जाती है, तो महासंघ उस पहलवान को बदलने की कोशिश करेगा। पहलवानों का नाम ओलंपिक के लिए भेजने की अंतिम तारीख आठ जुलाई है। किसी पहलवान की फिटनेस में कमी पाए जाने पर ट्रायल के जरिये उसे रिप्लेस करने पर विचार करेगा। भारत को पेरिस खेलों के लिए छह कोटा मिल गए हैं। इनमें अमन सहरावत (57 किग्रा) देश से मैदान में एकमात्र पुरुष पहलवान होंगे। इसके अलावा महिलाओं में विनेश फोगट (50 किग्रा), अंतिम पंघाल (53 किग्रा), अंशू मलिक (57 किग्रा), निशा दहिया (68 किग्रा) और रीतिका हुडा (76 किग्रा) ने ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है।

पहलवानों के अनुरोध पर माने कुश्ती संघ के अध्यक्ष – पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई से ट्रायल न कराने का अनुरोध किया था। उनका तर्क था कि इससे किसी पहलवान को चोट लग सकती हैं और अध्यक्ष संजय सिंह के नेतृत्व वाली चयन समिति ने याचिका स्वीकार कर ली। संजय सिंह ने बैठक के बाद कहा, हमने इस मुद्दे पर चर्चा की और दोनों मुख्य कोचों का भी विचार था कि ट्रायल से चोटें लग सकती हैं और भारत की पदक संभावनाओं पर असर पड़ सकता है। इसलिए हमने ट्रायल नहीं कराने का फैसला किया है।

ये है पहलवानों के आगे का कार्यक्रम – कोटा विजेता पहलवान छह से नौ जून तक बुडापेस्ट में यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज में प्रतिस्पर्धा करेंगे और 10 से 21 जून तक टूर्नामेंट के समापन के बाद एक प्रशिक्षण शिविर में भी भाग लेंगे। कुश्ती संघ के अध्यक्ष ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ओलंपिक में किसी भी पहलवान को कोई चोट न आए। इसलिए ट्रायल के बजाय भारतीय कोच रैंकिंग सीरीज इवेंट और बुडापेस्ट में अगले प्रशिक्षण शिविर में कोटा विजेताओं का आकलन करेंगे। अगर कोचों को लगता है कि कोई फिट नहीं है, तो हम उस विशेष श्रेणी में रिप्लेसमेंट की तलाश कर सकते हैं। हम आठ जुलाई से पहले उस भार वर्ग में ट्रायल्स आयोजित करेंगे।

चयन समिति की बैठक में महिला मुख्य कोच वीरेंद्र दहिया और फ्रीस्टाइल मुख्य कोच जगमंदर सिंह भी शामिल हुए। बैठक में लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त, पूर्व पहलवान गीतिका जाखड़, डब्ल्यूएफआई के उपाध्यक्ष और ओलंपियन जय प्रकाश, डब्ल्यूएफआई के कोषाध्यक्ष संदीप देशवाल भी शामिल हुए। गीतिका वीडियो कॉल के जरिए बैठक में शामिल हुईं।

भारतीय पुरुष और महिला खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, जीते रजत पदक

बैंकॉक ।
भारतीय पुरुष और महिला खिलाड़ियों ने एशियाई रिले चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के बाद मुख्य खिलाड़ियों के बिना मैदान में उतरी भारत की पुरुष और महिला चार गुणा 400 मीटर चौकड़ी ने अपनी–अपनी स्पर्धा में दूसरा स्थान हासिल किया और रजत पदक जीता।

महिला वर्ग में वियतनाम शीर्ष पर रहा

विथ्या रामराज, एमआर पूवम्मा, प्राची चौधरी और रूपल चौधरी की महिला टीम ने महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले फाइनल में वियतनाम (तीन मिनट 30.81 सेकेंड) के बाद तीन मिनट 33.55 सेकेंड के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। जापान ने तीन मिनट 35.45 सेकेंड के साथ कांस्य पदक जीता। विथ्या और प्राची उस भारतीय चौकड़ी का हिस्सा नहीं थीं जिसने इस महीने की शुरुआत में बहामास के नासाउ में विश्व एथलेटिक्स रिले के दौरान पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया था। उस टीम में पूवम्मा और रूपल के साथ ज्योतिका श्री दांडी और सुभा वेंकटेशन शामिल थी।

पुरुष टीम भी शीर्ष स्थान से चूकी

मोहम्मद अनस याहिया, संतोष कुमार, मिजो चाको कुरियन और अरोकिया राजीव की पुरुष चौकड़ी भी शीर्ष स्थान हासिल करने से चूक गई। भारतीय टीम तीन मिनट 05.76 सेकेंड के समय के साथ श्रीलंका (तीन मिनट 04.48 सेकेंड) के बाद दूसरे स्थान पर रही। वियतनाम तीन मिनट 07.37 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर था। श्रीलंका की टीम ने पहले चरण में बढ़त बना ली थी लेकिन संतोष ने दूसरे चरण में भारत को बढ़त दिला दी। चाको ने तीसरे चरण के बाद भारत को बढ़त पर रखा लेकिन श्रीलंका के एंकर धावक हेवा कलिंग कुमारगे ने अंतिम चरण में अरोकिया को पछाड़ दिया। संतोष और चाको उस भारतीय चौकड़ी का हिस्सा नहीं थे जिसने विश्व एथलेटिक्स रिले के दौरान पेरिस ओलंपिक कोटा तीन मिनट और 3.23 सेकंड के समय के साथ हासिल किया था।

दो साल बाद रोलां गैरां में वापसी की तैयारी में नडाल, फिटनेस पर निर्भर करेगा खेलना

पेरिस ।
स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल ने यहां रोलां गैरां में अभ्यास किया।22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल रिकॉर्ड 14 बार फ्रेंच ओपन जीत चुके हैं। इस बार 37 साल के दिग्गज का यह रोलां गैरो में अंतिम ग्रैंडस्लैम माना जा रहा है। इस अभ्यास के जरिये नडाल अपनी फिटनेस और फॉर्म की परख ले रहे हैं ताकि यह तय हो सके कि उन्हें इस साल होने वाले फ्रेंच ओपन में हिस्सा लेना है या नहीं।

शुरू होगा साल का दूसरा ग्रैंडस्लैम

साल का दूसरा ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन शुरू हो रहा है। नडाल अपने कोच कार्लोस मोया और अभ्यास करने वाले जोड़ीदारों के साथ कोर्ट फिलिप चैटरियर पर पहुंचे। उनका अभ्यास देखने के लिए फ्रेंच ओपन के मुख्य स्टेडियम में छह हजार से ज्यादा दर्शक मौजूद थे। जैसे ही नडाल कोर्ट पर उतरे, दर्शकों ने हर्षोउल्लास के साथ उनका स्वागत किया। उन्होंने एक घंटे अभ्यास किया और उसके बाद कुछ समर्थकों को ऑटोग्राफ दिए। पिछले साल कूल्हे की चोट के कारण नडाल ने फ्रेंच ओपन में हिस्सा नहीं लिया था। इस चोट के कारण वह पिछले साल काफी समय मैदान से दूर रहे। उन्हें सर्जरी भी करानी पड़ी।इस सीजन में भी वह चोट के कारण परेशान रहे हैं।

इटालियन ओपन में हरकेज से हार गए थे नडाल

नडाल को हाल ही में इटालियन ओपन के दूसरे मैच में हुबर्ट हरकेज के खिलाफ 1–6, 3–6 से हार का सामना करना पड़ा था। नडाल ने कहा कि देखता हूं कि इस हफ्ते कैसा महसूस करता हूं। यदि अपने आपको तैयार पाता हूं तो उतरूंगा। यह उनका टूर पर अंतिम सीजन माना जा रहा है। उन्होंने 2022 में फ्रेंच ओपन जीता था जो उनका 22वां ग्रैंडस्लैम खिताब था। उनसे आगे सिर्फ सर्बिया के नोवाक जोकोविच हैं जिनके पुरुष सिंगल्स वर्ग में 24 ग्रैंडस्लैम हैं।

वेस्टइंडीज में पिछले विश्वकप मुकाबलों में हार का सिलसिला इस बार तोड़ पायेगी टीम इंडिया

मुम्बई ।
भारतीय टीम एक जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट को जीतने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पिछले एक दशक से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती है और ऐसे में कप्तान रोहित शर्मा का लक्ष्य इस बार किसी भी हाल में जीत दर्ज करना रहेगा। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें वेस्टइंडीज में भारतीय टीम का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है। वेस्टइंडीज में अब तक दो विश्वकप हुए हैं और दोनों ही बार भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। साल 2007 में एकदिवसीय विश्वकप और 2010 में टी20 विश्वकप में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। एकदिवसीय विश्वकप 2007 में तो भारतीय टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गयी थी। वहीं 2010 के टी20 विश्वकप के सुपर 8 में उसे ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और श्रीलंका से मिली हार के बाद बाहर होना पड़ा था।

ऐसे में प्रशंसकों के मन में आशंका है कि इस बार टीम कैसा प्रदर्शन करती है। कुछ प्रशंसकों का मानना है कि वेस्टइंडीज में विश्वकप भारतीय टीम के लिए अच्छे नहीं रहे है। वहीं कई प्रशंसकों का मानना है कि भारतीय टीम इस बार पुरानी धारणा को बदल देगी। आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप 2007 में भारतीय टीम को अपने ग्रुप के तीन से से दो मैचों में हार मिली थी और टीम को टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। आईसीसी टी20 विश्वकप 2010 के सुपर 8 में भारतीय टीम बाहर हो गयी थी।

वेस्टइंडीज में हुए इस टी20 विश्वकप में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान को हराकर सुपर 8 में जगह बनाई थी पर सुपर 8 के तीनों मैचों में हार के साथ वह बाहर हो गई थी। टूर्नामेंट में भारतीय टीम को पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और अमेरिका के साथ ग्रुप 'ए' में रखा गया है और इसे ग्रुप स्टेज के अपने सभी मैच अमेरिका में खेलने हैं। चारों ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो–दो टीमें सुपर 8 में स्थान बनाएंगी जिसके सारे मैच वेस्टइंडीज में होंगे। सुपर 8 के मुकाबलों से शीर्ष 4 टीमें सेमीफाइनल में स्थान बनाएंगी। सेमीफाइनल से फाइनल में पहुंचने वाली दो टीमों और फाइनल से विजेता का फैसला होगा। फाइनल 29 जून को ब्रिजटाउन में खेला जाएगा। इसमें 9 जून को भारत और पाकिस्तान के मैच पर दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें रहेंगी।

यूरो कप के बाद रिटायर होगा जर्मनी का यह दिग्गज फुटबॉलर, संन्यास पर पहले एक बार ले चुका है यू-टर्न

मैड्रिड ।
जर्मनी के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी टोनी क्रूज 2024 यूरोपीय चैंपियनशिप यानी यूरो कप 2024 के बाद इस खेल से संन्यास ले लेंगे। यह जानकारी उनके स्पैनिश क्लब रियल मैड्रिड ने दी। रियल मैड्रिड ने बताया कि 34 साल के क्रूज ने यूरो 2024 के बाद पेशेवर फुटबॉलर को समाप्त करने का फैसला लिया है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब टोनी क्रूज संन्यास का एलान कर रहे हैं। इससे पहले 2021 में भी उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहा था। हालांकि, कुछ महीनों बाद ही अपने फैसले से यू–टर्न ले लिया था और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में वापसी की थी। रियल मैड्रिड क्लब ने कहा, क्लब टोनी क्रूज के प्रति अपना आभार और स्नेह व्यक्त करना चाहता है। वह हमारे क्लब के महानतम खिलाड़ियों में से एक के रूप में जाने जाएंगे। क्रूज 2014 से रियल मैड्रिड से जुड़े हुए हैं। इस दौरान उनकी टीम ने 22 खिताब जीते हैं। इनमें चार यूरोपीय कप और चार स्पेनिश लीग शामिल हैं। उन्होंने क्लब के साथ 463 मैच खेले हैं। क्रूज 2014 में जर्मनी टीम के साथ विश्व कप खिताब जीत चुके हैं। संन्यास से पहले उनके पास रियल मैड्रिड के साथ पांचवीं बार चैंपियंस लीग खिताब जीतने का भी मौका है। यूएफा चैंपियंस लीग के फाइनल में रियल मैड्रिड का सामना बोरूसिया डॉर्टमंड से होना है। यह मैच एक जून को वेम्ब्ले में खेला जाएगा। क्रूज रियल मैड्रिड से पहले बेयर्न म्यूनिख के साथ चैंपियंस लीग का खिताब जीत चुके हैं। मैड्रिड आने के बाद 2014 से वह इस क्लब की रीढ़ की हड्डी बने हुए हैं। लुका मॉड्रिच के साथ उनकी जोड़ी कमाल की रही है। चार ला लीगा खिताब के अलावा टोनी क्रूज बेयर्न म्यूनिख के साथ तीन बार बुंदेसलीगा का खिताब भी जीत चुके हैं। जुलाई 2021 में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल छोड़ने की घोषणा की थी, लेकिन इस साल फरवरी में उन्होंने जर्मनी के कोच जुलियन नेजल्समैन के कहने पर संन्यास के फैसले को वापस ले लिया था। यूरो कप 2024 की मेजबानी इस साल जर्मनी ही कर रहा है।

जर्मनी के लिए 108 मैचों में 17 गोल कर चुके क्रूज 2014 में ब्राजील में विश्व कप जीतने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में से एक थे। सेमीफाइनल में उनकी टीम ने ब्राजील को 7–1 से हराया था। इस मैच में क्रूज ने दो गोल दागे थे। हालांकि, चार साल बाद वह जर्मनी को रूस में हुए विश्व कप में ग्रुप लीग से आगे बढ़वाने में नाकाम रहे थे। क्रूज 2022 में कतर में हुए विश्व कप में नहीं खेले थे, लेकिन उनकी टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी।

हालांकि, 2024 यूरो कप में क्रूज जर्मनी टीम की कप्तानी करते दिखेंगे। क्रूस ने इंस्टाग्राम पर कहा– मेरी महत्वाकांक्षा हमेशा अपने प्रदर्शन के स्तर के चरम पर अपने करियर का अंत करने की थी। मुझे खुशी और गर्व है कि मेरे दिमाग में मुझे अपने फैसले के लिए सही समय मिला और मैं इसे अपने दम पर चुन सका।

डिंपल भी कुछ कहता है...

मुस्कराते या हंसते समय गालों में गड्ढ़े यानी डिंपल पड़ते हैं उन्हें ब्यूटी स्पॉट के तौर पर देखा जाता है। वैसे तो ये गड्ढ़े लड़के और लड़कियों के समान रूप से पड़ते हैं लेकिन लड़कियों के बारे में शास्त्रों और पुराणों के हैरान करने वाले मत हैं। विष्णु पुराण में बताया गया है हंसते वक्त जिन कन्याओं की गालों में गड्ढ़े पड़ते हैं वे सुखी वैवाहिक जीवन व्यतित करती हैं। पति-पत्नी के संबंधों में लव, केयर और रोमांस हमेशा बना रहता है लेकिन ससुराल से संबंधित एक मामले में डिंपल अशुभ माना जाता है। पुराणों में वर्णित है गालों में गड्ढ़े पड़ने वाली लड़की की

सास स्वर्गवासी होती है और अगर हो भी तो सास-बहू का साथ अधिक दिनों तक नहीं रहता। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार शुक्र अर्थात वीनस को स्त्री, विवाह सुख, आभूषण, भौतिक सुख सुविधाओं का कारक ग्रह माना जाता है। ज्योतिष में शुक्र ग्रह से लव रिलेशनशिप, परफ्यूम, इत्र, अच्छे कपड़े, सुन्दरता, सजावट, नृत्य, संगीत, गाना बजाना, विलासिता, कलात्मक गुण, आदि गुण देखे जाते हैं। लाइफ पार्टनर से सुख कुंडली में शुक्र की स्थिति पर निर्भर करता है। शुक्र का शुभ प्रभाव व्यक्ति को रोमांटिक बनाता है। ज्योतिषशास्त्री कहते हैं कि जन्म से ही गालों में गड्ढे होने से शुक्र मजबूत स्थिति में होता है।

किस दिन कैसे मोजे पहने...?

शास्त्रों में शनि को सबसे असाधारण ग्रह कहा गया है। जो समय आने पर व्यक्ति को रंक से राजा और राजा से रंक बना देता है। कई ज्योतिषविदों और दर्शन शास्त्रीयों ने शनि को क्रूर, पापी निर्दयी ग्रह कहकर संबोधित किया है लेकिन शिव भक्त शनिदेव भगवान शंकर द्वारा निहित जगत के न्यायाधीश हैं जो व्यक्ति को उसके कर्म अनुसार फल देते हैं। शास्त्रों ने शनि की कृपा प्राप्त करने के लिए कुछ सरल और आसान उपाय बताएं हैं जिसके पीछे बहुत गहन अध्ययन और वैज्ञानिक कारण भी हैं। कुछ विशेष उपाय अपनाकर शनि कृपा पाई जा सकती है

- शनिवार को पांव में काले मोजे पहनने से शनि का प्रभाव सातवें भाव में आ जाता है।
- बुधवार के दिन नीले मोजे पहनने से शनि का प्रभाव भाग्य को प्रबल कर देता है।
- मंगलवार के दिन सफेद मोजे शनि के प्रभाव में तेजी लाते हैं और कारोबार में बढ़ौतरी होती है।
- रविवार को खाकी मोजे पहनने से व्यक्ति को अकस्मात अर्थिक लाभ मिलता है।
- सोमवार को लाल मोजे पहनने से शनि व्यक्ति को आत्मशांति प्रदान करते हैं।
- गुरूवार के दिन हरे मोजे पहनने से व्यक्ति चिंताओं से मुक्ति पाता है।
- शुक्रवार को ग्रे रंग के मोजे पहनने से व्यक्ति को दलाली के कामों में सफलता मिलती है।

"अगर आप सच के साथ हैं तो आप हमेशा आराम में रहते हैं और अगर आप झूठ के साथ हैं तो आपको हरदम, रात-दिन मेहनत करनी पड़ती है। आपको अपना झूठ नींद में भी याद रखना पड़ता है। सपने में भी आप वही देखते हैं, क्योंकि अगर आपने इसे हर पल याद नहीं रखा तो वह मिट जाएगा और सच सामने आ जाएगा। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। अगर यह किसी चीज का जाल होता तो आप उससे जूझकर उससे आगे निकल जाते, लेकिन यह झूठ का जाल तो ऐसी चीजों का बना है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।"

ईमानदार होना मुश्किल क्यों...?

कई ऐसे सच होते हैं, जिनके दूसरों के सामने आने से हम डरते हैं। कभी-कभी तो खुद भी स्वीकार नहीं करते। ये राज भीतर ही भीतर हमें खाए जाते हैं। हम दोहरी जिंदगी जीते चले जाते हैं। बात छोटी हो या बड़ी, ये छोटे-बड़े झूठ हमें मुक्त नहीं होने देते, हमें डराते हैं, हमें कमजोर बनाए रखते हैं। बहुत से लोग हैं, जो दोहरी जिंदगी जीते हैं और बनावट की चादर ओढ़कर खुद में घुटते रहते हैं। एक कहावत आपने सुनी ही होगी- 'सच छिपता नहीं बनावट के उसूलों से, झूठ बिकता नहीं झूठी दलीलों से', यानी सच पर कितने ही पहरे बिठाए जाएं, वह एक न एक दिन बाहर आ ही जाता है। जीत हालांकि सच की ही होती है, लेकिन किस कीमत पर? किसी बात को अपने भीतर छिपाने की शर्म बीमारी, डिप्रेशन, चिंता, गुस्सा या किसी और दर्दनाक तरीके से अभिव्यक्त होती है। किसी भयानक राज को खुद तक सीमित रखना भी खुद को सजा देना जैसा है। अगर आप किसी और की जिंदगी जी रहे हैं, झूठ बोल रहे हैं, आधा सच ही बयां कर रहे हैं, तो यह जिंदगी को खुशमिजाजी और जिंदादिली से जीने में कहीं न कहीं जरूर रुकावट डालेगा। आखिर ईमानदार होना इतना मुश्किल कैसे हो जाता है, जबकि हम सभी सच की अहमियत से वाकिफ हैं। हम सभी बचपन से सच बोलने के आदर्श पाठ सुनते आए हैं, लेकिन फिर भी हम झूठ बोलते ही रहते हैं।

बड़ों की राह पर बच्चे भी

बच्चे मन के सच्चे होते हैं, हमें भले ही लगे कि हम उन्हें धोखा दे रहे हैं, लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है। वे हमारे झूठ पहचान लेते हैं और किसी मुश्किल में पड़ने पर वे भी इसी आसान राह पर चलने का प्रयास करते हैं। बच्चे निश्छल होते हैं, इसलिए झूठ बोलते समय सकुचाते भी हैं। पर बड़े माहिर हो जाते हैं। झूठ की बुनियाद पर बहुत से लोग बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी कर देते हैं और सच उनके डर व अहंकार के नीचे कहीं दब सा जाता है।

ऐसे मिलेगा सुकून

हम क्या हैं, यह साफगोई से बता देने में भी कई तरह की चुनौतियां खड़ी होती हैं। कड़वे सच न पचा पाने वाले अक्सर ऐसे लोगों को नकारते हैं, उनका विरोध करते हैं और कई बार उनकी जान के दुश्मन भी बन जाते हैं। लेकिन इन मुश्किलों के बावजूद सच छिपाना इंसान के लिए कहीं ज्यादा मुश्किल हो सकता है। कभी-कभी ऐसी स्थिति भी आती है कि झूठ का बोझ उठाकर लोग इतना उकता चुके होते हैं कि वे हर कीमत पर सच बयां कर देना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में लगता है कि सिर्फ सच बयां करके ही सुकून मिलता है। पर आप सच के साथ खड़े हों, भले ही इसके कारण आपको शर्मिंदगी महसूस हो, आपकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाए या फिर आपको इसकी सजा मिले। ऐसा इसलिए, क्योंकि सच बोलने के साथ दिल का बोझ खत्म होने से आपका दुःख भी बहुत हद तक हल्का हो जाता है। आप तकलीफ सहने के लिए खुद को सक्षम बनाने लगते हैं।

कर लें खुद को तैयार

अगर आप महीनों से या सालों से किसी राज को खुद में दफन कर जी रहे हैं, तो आप सच को किस तरह स्वीकार करेंगे और उसे अपनी जिंदगी में पनाह देंगे? यह बहुत कुछ आपके राज या झूठ की गहराई पर निर्भर करता है। लंबे वक्त तक किसी झूठ को जीना जैसे कि किसी का सामान चुराना या किसी को धोखा देना जैसी चीजों को स्वीकार करने के लिए भी खुद को मानसिक रूप से तैयार करने की जरूरत होती है। झूठ चाहे छोटा हो या बड़ा, उससे अपनी शख्सियत को पूरी तरह मुक्त कर लेने पर ही आजादी और सुकून मिलता है।

जल्द स्वीकार करें

अगर आपने झूठ बोला है तो जल्द से जल्द उसे स्वीकार कर लें और उसके लिए माफी मांग लें। सच की बुनियाद आपके अंदर साहस पैदा कर आपको अंदर से मजबूत बना देगी। अगर आपको लगता है कि आपके सच बोल देने से किसी इंसान की जिंदगी बर्बाद हो सकती है तो आप किसी सलाहकार की मदद लें कि आपको सच बताना चाहिए अथवा नहीं। अगर हकीकत किसी को जिंदगी भर के लिए दर्द दे सकती है तो उसे उस व्यक्ति को जाहिर न करना ही उचित है, लेकिन स्वयं आपके लिए किसी सलाहकर से यह सच बांटना बेहद जरूरी है।

खुद को तलाशें

अगर आप किसी और की जिंदगी जी रहे हैं तो उचित यह होगा कि आप खुद को तलाशें और खुलकर अपनी असल शख्सियत दूसरों के सामने जाहिर करें। आप खुद से सवाल करें कि आपको क्या अच्छा लगता है और क्या अच्छा नहीं लगता, क्या सच लगता है और क्या झूठ, किस चीज से आपको खुशी और ऊर्जा मिलती है और किस चीज से आप दूर रहना चाहते हैं। इससे आपकी तमाम दुविधाएं दूर हो जाएंगी। यह भी सच है कि कृत्रिम, भौतिकवादी और अहंकार को तुष्ट करने वाले जीवन से कभी संतोष नहीं मिल सकता।

तो होंगे गंभीर परिणाम

अगर आप झूठ बोलकर किसी का फायदा उठा रहे हैं तो झूठ बोलने की तरह इसके परिणाम भी गंभीर हो सकते हैं और आपका आत्मसम्मान दांव पर लग सकता है। झूठ के दलदल में फंस जाने के बावजूद सच के उजाले को खुद तक पहुंचने दीजिए, यह किसी ठंडी छांव की तरह आपको तरावट दे जाएगा। जिंदगी में कभी ऐसे मौके भी आते हैं, जब झूठ का सहारा लेना जरूरी हो जाता है। अगर झूठ बोलने से किसी की जिंदगी बचाई जा सके, किसी को हताशा के अंधकार में डूबने से बचाया जा सके, नाउम्मीद हो चुके इंसान के अंदर जीने की ललक जगाई जा सके, तो ऐसा झूठ बोलना बुरा नहीं है।

मजबूत लोग

चोट अगर हाथ में लगी है तो घाव भी हाथ का ही साफ करना होगा, पैर का नहीं। गड़बड़ी यदि भीतर की है तो दुनिया को चुप कराने से क्या हासिल होगा। मान-अपमान जब अपने मन में है तो समाधान भी वहीं ढूंढ़ना होगा। - कई बार मजबूत बनना ही जिंदगी को आगे बढ़ाने का एकमात्र विकल्प होता है। हर दिन जीवन को साधने का संघर्ष करना ही पड़ता है। ऐसे में मजबूत अपने दर्द व आंसुओं को छुपाने वाले नहीं, उन्हें गले लगाने वाले होते हैं। जो दर्द महसूस करते हैं, उसे समझते हैं और उसे स्वीकार करते हुए आगे बढ़ते हैं। किसी ने कहा है कि अक्सर सुबह मजबूत दिख रहे लोग वे होते हैं, जिनकी रात रोते हुए बीती होती है।

घाटे के सौदे

कई लोग छोटी बातों पर शोर मचाने लगते हैं और बड़ी बातों पर चुप रह जाते हैं। छोटे से लाभ के फेर में अक्सर घाटे के सौदे कर लेते हैं। चंद जरूरतें, स्वार्थ और डर के पिंजरे में खुद को कैद रख हर रोज कई खुशियों की तिलांजलि दे रहे होते हैं। जर्मन मूल के अमेरिकी उपन्यासकार चार्ल्स ब्यूकोस्की कहते हैं कि बड़े अजीब हैं हम। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा होते रहते हैं।

झूठ के लिए करना पड़ती है मेहनत...

झूठ एक विशेष योग्यता है। अगर आपको झूठ का जाल बुनना है, तो आपको बहुत कुछ करना पड़ता है। सत्य वह है, जिसे कोई निपट मूर्ख भी कर सकता है, क्योंकि इसमें कुछ भी करने की जरूरत नहीं होती। सत्य को बनाए रखने की जरूरत नहीं होती, जबकि असत्य की काफी देखभाल करनी पड़ती है। इसके लिए आपके पास काबिलियत होनी ही चाहिए। असत्य की जड़ क्या है? कहां से वो सारी चीजें शुरू होती हैं, जो सत्य नहीं है? दरअसल, जब सूक्ष्म व अभौतिक, भौतिक के संपर्क में आता है तब असत्य शुरू होता है। सूक्ष्म- जो भौतिक नहीं है, कुछ समय तक भौतिक के संपर्क मे रहने के बाद यह मानने लगता है कि यह भौतिक ही है। इस दुनिया में रहने वाला कोई भी आध्यात्मिक इंसान कुछ समय के बाद यह सोचने लगता है कि वह एक सांसारिक प्राणी है, जो आध्यात्मिक होने की कोशिश कर रहा है। सच तो यह है कि आप आध्यात्मिक होने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, बल्कि आप आध्यात्मिक ही हैं। समय के साथ-साथ आपने सांसारिक वस्तुओं को इकट्ठा कर लिया और अब आपको लगता है कि आप सांसारिक हैं। यह एक झूठ है। आप आध्यात्मिक ही हैं। आप कुछ और नहीं हो सकते।

पहचान बना लेना

अगर कुल मिलाकर देखें तो समस्या पहचान बनाने की है। आप किसी चीज के साथ अपनी पहचान बना लेते हैं और दिमाग का स्वभाव कुछ ऐसा है कि इसे आप जो भी पहचान देंगे, यह भरोसा करने लगता है कि यह वही है। अगर आप खुद को मोर मान लेंगे तो आप उसी की तरह व्यवहार करने लगेंगे। आपका दिमाग आपको यह भरोसा दिला देगा कि आप वही हैं। एक बार अगर पहचान बन गई तो असुरक्षा की भावना आ जाएगी, क्योंकि झूठ की हमेशा रक्षा करनी पड़ती है और उसका पोषण भी करना पड़ता है। अगर आप किसी से झूठ बोलते हैं तो आपको हर पल उस झूठ को याद रखना पड़ता है, क्योंकि अगर आपसे किसी ने अचानक कुछ पूछ लिया तो आप कहीं कुछ और न बता बैठें।

याद रखना पड़ता है झूठ

अगर आप सच के साथ हैं तो आप हमेशा आराम में रहते हैं और अगर आप झूठ के साथ हैं तो आपको हरदम, रात-दिन मेहनत करनी पड़ती है। आपको अपना झूठ नींद में भी याद रखना पड़ता है। सपने में भी आप वही देखते हैं, क्योंकि अगर आपने इसे हर पल याद नहीं रखा तो यह मिट जाएगा। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। अगर यह किसी चीज का जाल होता तो आप उससे जूझकर उससे आगे निकल जाते, लेकिन यह जाल तो ऐसी चीजों का बना है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।

जितना जूझेंगे उतना उलझेंगे

झूठ से आप कैसे जूझेंगे? आप इससे जितना उलझेंगे, यह असत्य उतना ही वास्तविक होता जाएगा। जैसे ही आप अपनी पहचान बना लेते हैं, आपका दिमाग उसके इर्द-गिर्द काम करने लगता है और असत्य का एक जाल बुन लेता है, ऐसी चीजों का जाल जिनका सच्चाई से कोई वास्ता नहीं, बल्कि यों कहें कि जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। आप इससे जितना उलझेंगे, यह असत्य उतना ही वास्तविक होता जाएगा। अगर कल सुबह आप कहें क्या आपने लाल मोर देखा? देखा आपने लाल मोर? आप इस बात को बार-बार कहिए और फिर देखिए लोग लाल मोर देखना शुरू कर देंगे। दिमाग का स्वभाव ही ऐसा है कि आप इससे कुछ भी मनवा सकते हैं। यह दिमाग की खूबसूरती भी है और यही इसका खतरा भी। यह खुद अपनी एक दुनिया रच लेता है। अगर यह काम सचेतन होकर किया जाए तो यह दुनिया बड़ी खूबसूरत होगी और अगर आप इसके जाल में फंस गए तो यह बहुत भद्दी होगी।

पानी के चौकाने वाले तथ्य...

पानी के बारे में एक नहीं, कई चौंकाने वाले तथ्य हैं। विश्व में और विशेष रुप से भारत में पानी किस प्रकार नष्ट होता है इस विषय में जो तथ्य सामने आए हैं उस पर जागरूकता से ध्यान देकर हम पानी के अपव्यय को रोक सकते हैं। अनेक तथ्य ऐसे हैं जो हमें आने वाले खतरे से तो सावधान करते ही हैं, दूसरों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और पानी के महत्व व इसके अनजाने स्रोतों की जानकारी भी देते हैं। प्रकृति के खजाने से हम जितना पानी लेते हैं, उसे वापस भी हमें ही लौटाना है। हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते अतः प्राकृतिक संसाधनों को दूषित न होने दें और पानी को व्यर्थ न गंवाएं यह प्रण लेना आज के दिन बहुत आवश्यक है।

पानी की बर्बादी

मुंबई में रोज वाहन धोने में ही 50 लाख लीटर पानी खर्च हो जाता है। दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइप लाइनों के वॉल्व की खराबी के कारण रोज 17 से 44 प्रतिशत पानी बेकार बह जाता है।

कितना पानी काम का

हमारी पृथ्वी पर एक अरब 40 घन किलो लीटर पानी है। इसमें से 97.5 प्रतिशत पानी समुद्र में है, जो खारा है, शेष 1.5 प्रतिशत पानी बर्फ के रूप में ध्रुव प्रदेशों में है। इसमें से बचा एक प्रतिशत पानी नदी, सरोवर, कुओं, झरनों और झीलों में है जो पीने के लायक है। इस एक प्रतिशत पानी का 60 वां हिस्सा खेती और उद्योग कारखानों में खपत होता है। बाकी का 40 वां हिस्सा हम पीने, भोजन बनाने, नहाने, कपड़े धोने एवं साफ-सफाई में खर्च करते हैं।

भारत और इजराइल

इजराइल में औसतन मात्र 10 सेंटीमीटर वर्षा होती है, इस वर्षा से वह इतना अनाज पैदा कर लेता है कि वह उसका निर्यात कर सकता है। दूसरी ओर भारत में औसतन 50 सेंटीमीटर से भी अधिक वर्षा होने के बावजूद अनाज की कमी बनी रहती है।

पानी के लिए हत्याएं

पिछले 50 वर्षों में पानी के लिए 37 भीषण हत्याकांड हुए हैं। भारतीय नारी पीने के पानी के लिए रोज ही औसतन चार मील पैदल चलती है। पानीजन्य रोगों से विश्व में हर वर्ष 22 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

कितना पानी खर्च

यदि ब्रश करते समय नल खुला रह गया है, तो पांच मिनट में करीब 25 से 30 लीटर पानी बर्बाद होता है। बाथ टब में नहाते समय 300 से 500 लीटर पानी खर्च होता है, जबकि सामान्य रूप से नहाने में 100 से 150 पानी लीटर खर्च होता है। विश्व में प्रति 10 व्यक्तियों में से 2 व्यक्तियों को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल पाता है।

नदियों में प्रदूषण

प्रति वर्ष 3 अरब लीटर बोतल पैक पानी मनुष्य द्वारा पीने के लिए प्रयुक्त किया जाता है। नदियां पानी का सबसे बड़ा स्रोत हैं। जहां एक ओर नदियों में बढ़ते प्रदूषण रोकने के लिए विशेषज्ञ उपाय खोज रहे हैं वहीं कारखानों से बहते हुए रसायन उन्हें भारी मात्रा में दूषित कर रहे हैं। ऐसी अवस्था में जब तक कानून में सख्ती नहीं बरती जाती, अधिक से अधिक लोगों को दूषित पानी पीने का समय आ सकता है।

कितना पानी चाहिए

पीने के लिए मानव को प्रतिदिन 3 लीटर और पशुओं को 50 लीटर पानी चाहिए। 1 लीटर गाय का दूध प्राप्त करने के लिए 800 लीटर पानी खर्च करना पड़ता है। एक किलो गेहूं उगाने के लिए 1 हजार लीटर और एक किलो चावल उगाने के लिए 4 हजार लीटर पानी की आवश्यकता होती है। इस प्रकार भारत में 83 प्रतिशत पानी खेती और सिंचाई के लिए उपयोग किया जाता है।

आलस्य से निपटना जरूरी...

आलस्य क्या है, असलियत में थकने से पहले थक जाना, कुछ नया करने से बचना, अनावश्यक रूप से धैर्यवान होना या फिर चीजों को टालते रहने की एक प्रवृत्ति। वैसे आलस कुछ और नहीं खुद से अनजान होना भी है और अगर आप अपने जरूरी काम आसानी से पूरे कर लेते हैं, तो आलस जिंदगी को सुकून से जीना और अपने हर काम को आनंद से करना भी है।

आलस दो तरह का होता है। पहला, आप पहले मेहनत करके अपना काम पूरा करते हैं और फिर कुछ समय बिना कुछ किए आलस में बिताना चाहते हैं। दूसरा, जहां जब कुछ करने के लिए कोई प्रेरणा ही नहीं होती। आप कुछ न कर पाने के कारण बेचैन तो रहते हैं, पर वह जोश नहीं होता जो काम तक ले जाए। आप जानते ही नहीं कि क्या करना चाहते हैं? इस हाल में लंबे समय तक हमारा कुछ न करना, कामों को टालना, रोजमर्रा के कामों को मजबूरी मानते हुए करना और कुछ नहीं धीरे-धीरे पल रही निराशा का संकेत है। इससे आप अपना समय कम मेहनत वाली और उबाऊ चीजों में बिताने लगते हैं। इस आलस्य से निपटना बेहद जरूरी है।

विशेषता, चुनाव या बहाना?

मनोविज्ञान के अनुसार, व्यक्तित्व केवल गुण और दोष से मिलकर नहीं बनता। हमारी जरूरत, काम, मकसद और मंजिल भी इससे जुड़े होते हैं। जो है, केवल वह नहीं, जो कर रहे हैं वह भी व्यक्तित्व है। ऐसे में यह सोचना होता है कि आलस, विशेषता है, चुनाव है या फिर बहाना। साइकोएनालिटिक साइकोथेरेपिस्ट कहते हैं कि आलस की जरूरत से ज्यादा आलोचना की जाती है। आलसी का ठप्पा लगा देने से इस बात को समझने में कतई मदद नहीं मिलती कि कोई व्यक्ति क्यों वह काम नहीं कर रहा, जो वह करना चाहता है या उसे करना चाहिए।

कई तरह के छिपे डर

साइकोथेरेपिस्ट आलस के पीछे कई तरह के छिपे डर भी बताते हैं। कुछ न करना, असफल व सफल होने का डर, दूसरों की अपेक्षाएं, असंतुष्टि, प्रेरणा की कमी व बहस बाजी से बचने की कोशिश में ओढ़ा गया लबादा भी होता है। इस तरह आलस को समस्या मानने की जगह उसे अन्य समस्याओं के लक्षण के तौर पर समझना चाहिए। यह इस ओर भी इशारा करता है कि आप सोचते हैं कि स्थितियों को बदला नहीं जा सकता।

वजह को ढूंढना जरूरी

यह सच है कि आलस की वजह को न ढूंढना और लंबे समय तक जरूरी कामों से बचते रहना करियर, रिश्तों और जिंदगी के रस को कम कर सकता है। एक समय के बाद लगातार काम करते रहने से बचना खुशी से ज्यादा दर्द देने लगता है। धीरे-धीरे बचे हुए कामों का ढेर आपको अपने बारे में, अपने कामों और रिश्तों बारे में खराब महसूस कराने लगता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**